मेट्रो Rays

आगे रखने का वादा

सांध्य दैनिक

रांची, शनिवार, 27 दिसंबर 2025

संवत 2082, पौष शुक्ल 8 मूल्य-2 रुपये

वर्ष-9, अंक 108, पृष्ठ-8, RNI No.-JHAHIN/2017/75028

4 ▶▶ गुरू गोबिंद सिंह जी: त्याग और बलिदान के सच्चे प्रतीक

14 साल बाद टीवी पर लौटेंगे अक्षय ◀◀ 6

कोहरे का कहर : रांची-नई दिल्ली राजधानी एक्सप्रेस साढ़े 10 घंटे लेट

भूख-प्यास से तड़प उठे यात्री

✔ रेलवे ने दी सिर्फ एक कटोरी खिचड़ी

संवाददाता

रांची: देश भर में भीषण ठंड का कहर जारी है। सड़कों पर सुबह-शाम कोहरा छाया रहता है। कोहरे की वजह से उड़ानें भी रद्द हो रही हैं। उधर, ट्रेनें भी अपने निर्धारित समय से लेट पहुंच रही है। वहीं, रांची-नई दिल्ली राजधानी एक्सप्रेस बीते शुक्रवार को साढ़े दस घंटे देर से दिल्ली पहुंची।

रेलवे की ओर से यात्रियों को दी गई सिर्फ एक कटोरी खिचड़ीः रांची-नई दिल्ली राजधानी एक्सप्रेस बीते शुक्रवार को साढ़े दस घंटे देर से रात पौने दस बजे दिल्ली पहुंची जबकि, दिल्ली पहुंचने का इसका निर्धारित समय दिन के 11 बजे है। बता दें कि भले ही कोहरे की वजह से रांची-नई दिल्ली राजधानी एक्सप्रेस लेट हुई, लेकिन इसमें यात्रियों का क्या कसूर है कि जो रेलवे की ओर से उन्हें सिर्फ एक कटोरी खिचड़ी दी गई। लंबी दूरी की अन्य ट्रेनें भी घंटों लेटः रांची से दिल्ली जा रहे दंपति ने बताया कि साढ़े दस घंटे में मात्र एक बार रेलवे की ओर से एक कटोरी खिचड़ी दी गई। उसके बाद बच्चे भूख से बिलबिलाते रहे, लेकिन पैंट्री स्टाफ ने कहा कि ट्रेन में अब न तो पीने का पानी है और न ही खाने का कोई सामान। वहीं, लंबी दूरी की अन्य ट्रेनें भी घंटों विलंब से चल रही हैं।

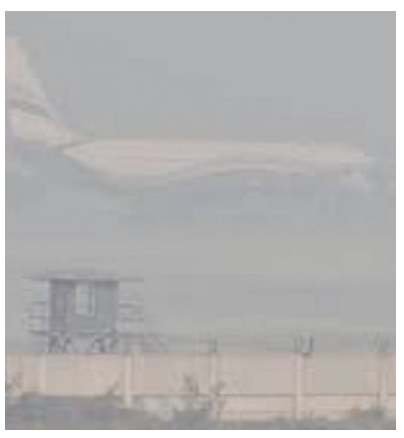

अमृतसर एयरपोर्ट पर फ्लाइट को लैंडिंग की नहीं मिली परमिशन, वापस लौटना पड़ा, कई उड़ानें रद्द

चंडीगढ़/अमृतसर: उत्तर भारत में ठंड का कहर जारी है जहां एक तरफ पहाड़ों पर पारा काफी लुढ़क गया है वहीं मैदानी इलाकों में धुंध का कहर जारी है। इसी बीच पंजाब के कई जिलों और चंडीगढ़ में आज घना कोहरा छाया हुआ है। इसका असर एयर ट्रैफिक पर सबसे ज्यादा पड़ा है। अमृतसर एयरपोर्ट पर 4 और चंडीगढ़ एयरपोर्ट पर 1 फ्लाइट कैंसिल करनी पड़ी। सबसे बड़ी ज्यादा स्थिति विकट तब पैदा हुई, जब दिल्ली से अमृतसर आई यात्रियों से भरी एक फ्लाइट एयरपोर्ट के ऊपर काफी देर तक चक्कर लगाती रही, लेकिन लैंडिंग की अनुमति नहीं मिलने के कारण उसे वापस दिल्ली लौटना पड़ा। मुंबई से अमृतसर पहुंची एयर इंडिया की फ्लाइट को भी एयर ट्रैफिक कंट्रोल ने लैंडिंग की अनुमति नहीं दी, जिसके बाद विमान को जयपुर की ओर भेज दिया गया। दुबई की फ्लाइट को दिल्ली की ओर डायवर्ट कर दिया गया। रात करीब 1 बजे दुबई से अमृतसर आने वाली एयर इंडिया एक्सप्रेस की फ्लाइट संख्या क-192 को दिल्ली की ओर मोड़ दिया गया। इसके अलावा सुबह 4:20 बजे अमृतसर से दोहा रवाना होने वाली कतर एयरवेज की उड़ान भी उड़ान नहीं भर सकी। दिल्ली, श्रीनगर, बेंगलुरु, हैदराबाद, शिमला सहित अन्य शहरों से अमृतसर आने और यहां से रवाना होने वाली कई घरेलू उड़ानें भी देरी से शुरू हुई। वहीं, कोहरे का असर चंडीगढ़ एयरपोर्ट पर आने और जाने वाली फ्लाइट पर भी पड़ा है।

यूपी में कोहरे और शीतलहर का कहर, 23 शहरों में रेड अलर्ट

लखनऊ: उत्तर प्रदेश में कड़ाके की ठंड और घने कोहरे ने जनजीवन की रफ्तार थाम दी है. मौसम विभाग के मुताबिक प्रदेश के कई शहर शून्य दृश्यता की चपेट में आ गए हैं। आईएमडी ने 23 शहरों के लिए घने कोहरे का रेड अलर्ट और 31 शहरों के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। वहीं शनिवार को प्रदेश के 20 जिलों में शीत दिवस की स्थिति बने रहने की चेतावनी दी गई है। पश्चिमी उत्तर प्रदेश के मेरठ में न्यूनतम तापमान गिरकर 5.9 डिग्री सेल्सियस पहुंच गया, जो इस सीजन का अब तक का सबसे कम तापमान दर्ज किया गया है। मेरठ और इटावा में जमा देने वाली सर्दी का असर साफ तौर पर देखा गया।

शून्य विजिबिलिटी से यातायात ठप

:शुक्रवार की सुबह प्रदेश के पांच प्रमुख केंद्रों परविजिबिलिटीशून्य दर्ज की गई, जिससे सड़क और हवाई यातायात बुरी तरह प्रभावित हुआ। बरेली, गोरखपुर, कुशीनगर और कानपुर में हालात सबसे ज्यादा खराब रहे। वहीं बहराइच, लखनऊ एयरपोर्ट, फतेहगढ़, कानपुर शहर और हरदोई में दृश्यता महज 20 मीटर के आसपास दर्ज की गई। तापमान की बात करें तो सुलतानपुर में अधिकतम तापमान केवल 13.1 डिग्री सेल्सियस रहा, जो सामान्य से 8.1 डिग्री कम है। बहराइच में अधिकतम तापमान 14.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

शीतलहर और पाले से बढ़ी परेशानी: प्रदेश शीतलहर और घने कोहरे के रेड अलर्ट की चपेट में है। दिन में भी कोहरा और धुंध छाए रहने से अधिकतम तापमान में 4.7 डिग्री सेल्सियस की गिरावट दर्ज की गई। बर्फीली हवाओं के कारण ठिठुरन और कंपकंपी अपने चरम पर पहुंच गई है। कई इलाकों में पाला भी गिरने लगा है। मौसम विभाग के अनुसार रविवार को भी रेड अलर्ट जारी रहेगा। नवंबर के बाद दिसंबर में भी कड़ाके की ठंड जारी है और महीने के अंतिम सप्ताह में इसकी तीव्रता लगातार बढ़ रही है।

दिल्ली की हवा फिर हुई जहरीली

ग्रैप-4 हटते ही बहुत खराब श्रेणी में पहुंचा एक्यूआई

एजेंसी

नई दिल्ली: राजधानी में प्रदूषण का प्रकोप एक बार फिर बढ़ गया है। ग्रेडेड रिस्पांस एक्शन प्लान (ग्रैप) के चौथे चरण की पाबंदियां हटने के मात्र तीन दिन बाद ही दिल्ली की वायु गुणवत्ता शनिवार को ह्यबहुत खराबह्ण श्रेणी में दर्ज की गई। सुबह सात बजे दिल्ली का औसत वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 353 तक पहुंच गया, जिससे प्रशासन और स्वास्थ्य विशेषज्ञों की चिंताएं बढ़ गई हैं। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के आंकड़ों के मुताबिक, दिल्ली के कई इलाकों में स्थिति गंभीर स्तर पर पहुंच गई है। विवेक विहार में एक्यूआई 424 और आनंद विहार में 410 दर्ज किया गया। इसके अलावा जहांगीरपुरी (417), नरेला (413), रोहिणी (409) और बवाना (404) जैसे क्षेत्रों में भी प्रदूषण का स्तर 400 के पार रहा। मौसम विभाग के अनुसार, शनिवार सुबह दिल्ली घने स्मॉग और धुंध की चादर में लिपटी रही। प्रदूषण और कोहरे के मेल से दृश्यता काफी प्रभावित हुई है। सफदरजंग में दृश्यता मात्र 400 मीटर और पालम में 800 मीटर दर्ज की गई, जिससे यातायात पर भी असर पड़ा है। उल्लेखनीय है कि बुधवार को प्रदूषण स्तर में मामूली सुधार (श्रेणी खराब) को देखते हुए केंद्र सरकार के पैनल ने ग्रैप-4 की कड़ी पाबंदियों को वापस ले लिया था। हालांकि, अब फिर से बढ़ते प्रदूषण ने बच्चों, बुजुर्गों और सांस के मरीजों के लिए बड़ा खतरा पैदा कर दिया है। जानकारों का मानना है कि बदलता मौसम और स्थानीय प्रदूषक हवा को और अधिक जहरीला बना रहे हैं।

'असम में 40 फीसदी बांग्लादेशी मुस्लिम', सीएम हिमंत बिस्वा सरमा बोले-

2027 की जनगणना से पता चल जाएगा

एजेंसी

गुवाहाटी : असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने एक कार्यक्रम के दौरान दावा किया कि राज्य की कुल जनसंख्या में से 40 फीसदी बांग्लादेशी मुस्लिम हैं। उन्होंने कहा कि साल 2027 में होने वाली जनगणना से ये स्पष्ट भी हो जाएगा। गुवाहाटी के एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सीएम हिमंत बिस्वा सरमा ने राज्य की जनसांख्यिकी को लेकर चौंकाने वाला दावा करते हुए कहा, '2027 की जनगणना से पता चल जाएगा कि असम में रहने वाली कुल आबादी में से 40 फीसदी जनसंख्या बांग्लादेशी मुसलमानों की है।' सीएम सरमा ने कहा, '2011 की जनगणना के अनुसार राज्य में 34 प्रतिशत मुस्लिम

आबादी थी, अगर हम कहें कि 3 फीसदी असमी मुस्लिम थे, तो बांग्लादेशी मूल के मुस्लिमों की जनसंख्या करीब 34 प्रतिशत थी। 2021 में कोई जनगणना नहीं हुई। 2027 में जब जनगणना होगी तो बांग्लादेशी मूल के मुस्लिमों की जनसंख्या 40 प्रतिशत के करीब होगी।' सीएम सरमा ने हालात को बताया चिंताजनकः सीएम हिमंत बिस्वा सरमा ने हाल ही में एक मीडिया कार्यक्रम के दौरान भी यही बात कही थी और कहा कि असम एक बारूद के ढेर पर बैठा है, जहां बांग्लादेशी मूल के लोगों की आबादी 40 प्रतिशत तक पहुंच गई है। सरमा ने कहा कि चिंताजनक बात ये है कि इन लोगों को भारत में अब वैधता मिल चुकी है। राज्य की मूल पहचान खतरे में है। उन्होंने कहा कि यह न सिर्फ असम बल्कि पूरे देश की सुरक्षा के लिए चिंता का विषय हो सकता है। अवैध अप्रवासियों के खिलाफ सरमा सरकार सख्तः असम के मुख्यमंत्री का यह बयान ऐसे वक्त सामने आया है, जब उनकी सरकार ने राज्य में अवैध अप्रवासियों के खिलाफ बिना किसी समझौते के सीधी कार्रवाई करने की नीति अपनाई है। मुख्यमंत्री ने बताया कि सभी डिप्टी कमिश्नर्स को निर्देश दिए गए हैं कि वे अवैध अप्रवासियों और ट्रिब्यूनल द्वारा विदेशी घोषित किए गए लोगों के खिलाफ कार्रवाई करें और उन्हें निष्कासित करें। पुलिस और सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) सहित प्रवर्तन एजेंसियां उन्हें बांग्लादेश प्रत्यर्पित करने के लिए आवश्यक कार्रवाई करेंगी । अप्रवासी (असम से निष्कासन) अधिनियम, 1950, राज्य सरकार को उन अवैध अप्रवासियों को निष्कासित करने का अधिकार देता है जिनका निरंतर निवास 'आम जनता के हितों के लिए हानिकारक' माना जाता है। यह कानून प्रशासनिक आदेशों के माध्यम से पहचान और निष्कासन के लिए कानूनी ढांचा प्रदान करता है।

मणिपुर में केसीपी ग्रुप पर एक्शन, 8 उग्रवादी गिरफ्तार, हथियार और रेडियो सेट बरामद

नई दिल्ली: मणिपुर में सुरक्षा बलों ने इंफाल ईस्ट और इंफाल वेस्ट जिलों में बड़े पैमाने पर तलाशी अभियान चलाकर प्रतिबंधित कांगलेपाक कम्युनिस्ट पार्टी (केसीपी) के विभिन्न गुटों से संबंधित 8 सक्रिय कैडरों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने शनिवार को इसकी जानकारी दी। हथियार दो रेडियो सेट बरामद: एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी के अनुसार, इंफाल ईस्ट जिले के अंद्रो लेइतनपेकफाम इलाके से केसीपी(पीपुल्स वॉर ग्रुप) के चार सदस्यों को गुरुवार को पकड़ा गया। उनके पास से एक .32 पिस्तौल, एक मैगजीन, तीन जिंदा कारतूस और दो रेडियो सेट बरामद किए गए।

कमरे में अंगीठी जलाना पड़ा महंगा, दम घुटने से चार की मौत

एजेंसी

छपरा : बिहार के सारण जिले के भगवान बाजार थाना क्षेत्र में एक घर के लोगों को ठंड से बचने के लिए कमरे में अंगीठी जलाकर सोना महंगा पड़ गया। अंगीठी के धुएं से दम घुटने से चार लोगों की मौत हो गई। पुलिस के अनुसार, यह हादसा अंबिका भवानी कॉलोनी, भारत मिलाप चौक के पास हुआ। ठंड से बचने के लिए घर के अंदर जलाई गई अंगीठी से निकले जहरीले धुएं ने एक ही परिवार के चार लोगों की जान ले ली, जबकि पांच अन्य की हालत गंभीर बनी हुई है। मृतकों में एक वृद्ध महिला और तीन मासूम बच्चे शामिल हैं। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि परिवार के सदस्य रात में ठंड अधिक होने के कारण कमरे में अंगीठी जलाकर सो गए। बंद कमरे में अंगीठी का धुआं

फैलने से गैस जमा हो गई, जिससे सभी लोग बेहोश हो गए। उन्होंने बताया कि रात में इस घटना की किसी को जानकारी नहीं हो पाई। शनिवार सुबह जब अन्य लोगों ने अपने कमरे का दरवाजा खोला तो कुछ लोग अचेत अवस्था में मिले, जबकि चार की मौत हो चुकी थी। मृतकों में कमलावती देवी (70), तेजांश (3), मासूम अध्या, और नौ माह की गुड़िया शामिल हैं। भगवान बाजार थाना के पुलिस अधिकारी एसके सिंह ने बताया कि घटना की सूचना मिलते ही पुलिस घटनास्थल पर पहुंच गई और शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेजा। उन्होंने बताया कि इस हादसे में पांच अन्य लोग बेहोश हो गए थे, जिन्हें इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जिनमें तीन की हालत गंभीर बताई जा रही है। लोगों की स्थिति नाजुक देखते हुए इन्हें अन्य स्थानों के लिए रेफर कर दिया गया है। उन्होंने आगे कहा कि प्रथम दृष्टया मौत अंगीठी के उठे धुएं से दम घुटना ही प्रतीत हो रहा है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही मौत के सही कारण का पता चल सकेगा। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

जापान में बर्फबारी बनी काल : एक्सप्रेसवे पर टकराईं 50 से ज्यादा गाड़ियां,कई वाहन जलकर खाक, एक की मौत, कई घायल

एजेंसी

टोक्यो : जापान से एक बड़ी खबर सामने आ रही है। जहां साल के अंत की छुट्टियों की शुरूआत के बीच शुक्रवार देर रात एक बड़ा सड़क हादसा हो गया। बर्फबारी के कारण एक्सप्रेसवे पर हुए इस हादसे में एक महिला की मौत हो गई, जबकि 26 लोग घायल हो गए। इनमें से पांच की हालत गंभीर बताई जा रही है। यह हादसा टोक्यो से करीब 160 किलोमीटर दूर गुनमा प्रांत के मिनाकामी शहर के पास कान-एत्सु एक्सप्रेसवे पर हुआ। पुलिस के मुताबिक, सबसे पहले दो ट्रकों की टक्कर हुई।

इसके बाद पीछे से आ रही गाड़ियां बर्फ से ढकी सड़क पर ब्रेक नहीं लगा सकीं और एक के बाद एक कई वाहन आपस में टकरा गए। इस हादसे में 50 से

ज्यादा वाहन शामिल थे। टक्कर के बाद एक्सप्रेसवे का एक हिस्सा पूरी तरह जाम हो गया।

12 से ज्यादा गाड़ियों में लगी आग:

मीडिया रिपोर्टस के अनुसार हादसे के आखिरी हिस्से में आग भी लग गई, जो धीरे-धीरे एक दर्जन से ज्यादा वाहनों तक फैल गई। कुछ गाड़ियां पूरी तरह जल गईं। राहत की बात यह रही कि आग से किसी के घायल होने की खबर नहीं है। दमकल विभाग ने करीब सात घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया।

'इंदिरा भवन' में सीडब्ल्यूसी की बैठक जारी

'जी राम जी' कानून सहित कई मुद्दों पर होगी चर्चा

एजेंसी

नई दिल्ली: कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने शनिवार को नई दिल्ली के इंदिरा भवन स्थित अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) मुख्यालय में कांग्रेस कार्य समिति (सीडब्ल्यूसी) की बैठक की अध्यक्षता की। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी, कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी और अन्य वरिष्ठ दलीय नेता बैठक में उपस्थित हैं। बैठक में कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल, हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू, तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी, कांग्रेस के वरिष्ठ नेता हरीश

रावत, पूर्व विदेश मंत्री सलमान खुर्शीद, सांसद राजीव शुक्ला और सांसद अभिषेक मनु सिंहवी सहित अन्य नेता भी मौजूद थे। गौरतलब है कि कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया भी बैठक में मौजूद थे, जबकि राज्य में नेतृत्व परिवर्तन की अटकलें लगाई जा रही हैं। उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार 2023 के विधानसभा चुनाव के बाद हुए ढाई साल के नेतृत्व परिवर्तन समझौते को पूरा करने पर अड़े हुए हैं। डीके शिवकुमार को समिति की बैठक में आमंत्रित नहीं किया गया है। उन्होंने पहले कहा था, मुझे पता है कि दो-तीन मुख्यमंत्रियों को आमंत्रित किया गया है। लेकिन उपमुख्यमंत्री को आमंत्रित नहीं किया गया है।

कांग्रेस सांसद शशि थरूर भी पार्टी के साथ अपने उतार-चढ़ाव भरे संबंधों के बावजूद बैठक में मौजूद थे। हाल के दिनों में, थरूर कांग्रेस की बैठकों में अनुपस्थित रहने और रामनाथ गोयनका व्याख्यान में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के भाषण की प्रशंसा करने के कारण सुर्खियों में रहे हैं। विदेश में व्यस्त होने के कारण उन्होंने दिल्ली के रामलीला मैदान में कांग्रेस की 'वोट चोर गद्दी छोड़' रैली में भाग नहीं लिया। थरूर लोकसभा विपक्ष के नेता राहुल गांधी की अध्यक्षता में हुई कांग्रेस सांसदों की बैठक में भी अनुपस्थित रहे। पार्टी सूत्रों के अनुसार, थरूर ने अपनी अनुपलब्धता के बारे में पार्टी को पहले ही सूचित कर दिया था, और एक अन्य वरिष्ठ कांग्रेस नेता और चंडीगढ़ सांसद मनीष तिवारी भी बैठक में शामिल नहीं हुए। शशि थरूर की टाइमलाइन के अनुसार, वे कोलकाता में प्रभा खैतान फाउंडेशन द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में थे। इससे पहले, भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता सीआर केशवन ने सवाल उठाया था कि क्या पार्टी बिहार विधानसभा चुनाव में विपक्ष के नेता राहुल गांधी की विफलता और उनके विनाशकारी वोट चोरी अभियान के लिए उन्हें जवाबदेह ठहराएगी।

न्यूज IN ब्रीफ

झामुमो ने जिलाध्यक्ष नीलेश ज्ञाशेन की अगुवाई में निकाला विजय जुलूस

चतरा : झारखंड राज्य मंत्रीपरिषद द्वारा पेशा नियमावली कानून को मंजूरी दिए जाने पर हजारों की संख्या में झामुमो कार्यकर्ताओं ने जिलाध्यक्ष नीलेश ज्ञाशेन के नेतृत्व में चतरा जिला मुख्यालय में निकाला विजय जुलूस।

सदर थाना के सामने स्थित झामुमो जिला कार्यालय से जुलूस पूरे चतरा नगर का भ्रमण करते हुए केसरी चौक पहुंची। जहां कार्यकर्ताओं ने एक दूसरे को अबीर गुलाल लगाकर जमकर जश्न मनाया, आतिशबाजी,ढोल नगाड़ों और गगनभेदी नारों से गूंजा चतरा । इस दौरान लोगों के बीच मिठाईयां भी बांटी गई ।वहीं झामुमो जिलाध्यक्ष नीलेश ज्ञाशेन ने पत्रकारों को संबोधित करते हुए कहा,कि झारखंड के स्थानीय और आदिवासी समाज के वर्षों की मांग को हेमंत सरकार ने पूरा करने का काम किया है। राज्य के लिए पेशा कानून की मंजूरी ऐतिहासिक निर्णय है।

लकलकवानाथ मंदिर से तीर्थ यात्रा जत्था हुआ रवाना

चतरा: लकलकवानाथ मंदिर परिसर से श्रद्धालुओं का एक जत्था श्री खाटू श्याम जी सहित दर्जनों प्रमुख तीर्थ स्थलों के दर्शन हेतु रवाना हुआ। इस तीर्थ यात्रा का नेतृत्व सुशांत सिन्हा एवं मनोज गुप्ता के द्वारा किया गया। यात्रा के शुभारंभ अवसर पर धार्मिक माहौल देखने को मिला और श्रद्धालुओं में खासा उत्साह नजर आया ।मौके पर युवा समाजसेवी सह भावी नगर अध्यक्ष प्रत्याशी अभिषेक निषाद ने यात्रा के नेतृत्वकर्ताओं सुशांत सिन्हा एवं मनोज गुप्ता को अंगवस्त्र देकर सम्मानित किया। इसके पश्चात उन्होंने विधिवत फीता काटकर तीर्थ यात्रियों को ले जा रहे वाहन को रवाना किया। अभिषेक निषाद ने कहा कि ऐसी धार्मिक यात्राएं समाज में आपसी भाईचारे, सद्भाव और आध्यात्मिक चेतना को मजबूत करती हैं। उन्होंने श्रद्धालुओं की सुखद एवं सुरक्षित यात्रा की कामना की।इस अवसर पर विनीत केसरी, पप्पू यादव, दीपक शर्मा, कृष्णा साहू, पुरुषोत्तम पांडे, डब्बू , गजेंद्र कुमार राहुल, अंकित सिंहा सुजीत सहित कई गणमान्य लोग एवं श्रद्धालु उपस्थित थे। सभी ने भगवान से यात्रा की सफलता और श्रद्धालुओं के मंगलमय दर्शन की प्रार्थना की। मंदिर परिसर में जय श्री श्याम के जयकारों से वातावरण भक्तिमय बना रहा।

हंटरगंज में दिन दहाड़े युवती का मोबाइल छीन ले उड़े बाइक सवार

चतरा: जिले के हंटरगंज थाना क्षेत्र में अपराध चरम पर पहुंच गई है। पुलिस के खौफ से बेखौफ बदमाश वारदात कर रहे हैं। अपराधी इतने बेखौफ हो गए हैं कि थाना गेट के समीप होने के बावजूद वारदात कर रफूचक्कर भी हो जा रहे हैं। ऐसा ही एक मामला हंटरगंज थाना गेट के समीप, (200 मीटर की दुरी) में सामने आया है। चतरा - डोभी मुख्य पथ मेन बाजार स्थित थाना गेट के सामने जा रही युवती के हाथ से बाइक सवार दो बदमाश मोबाइल छीनकर चंपत हो गए। वारदात के बाद स्थानीय लोगों ने बदमाशों का पीछा भी किया, लेकिन वे गायब हो गए। सूचना के बाद पुलिस अलर्ट भी हुई पर बदमाशों को पकड़ नहीं सकी। पीड़िता रामगढ़ के तेलयातु रोड़ बरवाकाना निवासी स्वाति कुमारी है। वह वर्तमान में हंटरगंज पोस्ट ऑफिस में कार्यरत है। उन्होंने बताया कि नित्य प्रतिदिन की तरह मैं शाम को बाजार जा रही थी, इसी दौरान पीछे से बाइक पर सवार दो बदमाश पहुंचे और मोबाइल झपट कर चंपत हो गए। घटना के बाद काफी खोजबीन की लेकिन कुछ भी पता नहीं चल सका इसके बाद हंटरगंज थाना में लिखित आवेदन देकर खोजबीन की गुहार लगाई हूं। पुलिस फिलहाल घटनास्थल के आस-पास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाल रही है।

ऑक्शन के साथ केपीएल 4 का आगाज, खिलाड़ियों पर धनवर्षा

कान्हाचट्टी(चतरा): शुक्रवार को प्रखंड के बी के उच्च विद्यालय खेल मैदान में केपीएल सीजन 4 के लिए ऑक्शन का आयोजन किया गया। ऑक्शन में खिलाड़ियों का नीलामी हुई ।पिछले सीजन के तरह इस बार भी केपीएल में कुल आठ फ्रेंचाइजियों ने हिस्सा लिया है जिसमें टीम के मालिक व टीम इस प्रकार से है। फॉरेस्ट लाइन के सुनील कुमार,सुपर किंग 11 के राजेश दास, हरियोखद स्ट्राइकर्स के पूर्व मुखिया राजेन्द्र राम,कालेश्वरी नाइट राइडर्स के संतोष यादव, तामसीन टाइटन्स के बबलू कुमार सिंह,वनखंड ब्लास्टर के कमांडो रजक, महावीर सायल सनराइजर्स के गिरधारी ठाकुर ।राज चैलेंजर्स के राजरियो ग्रुप श्री विनायक। उक्त नीलामी में कुल 120 खिलाड़ियों की खरीदारी की गई। राज चैलेंजर ने अनुराग सिंह को 2 हजार 550 रूपए में सबसे अधिक बोली लगा कर खरीदा। वहीं सुपर किंग्स 11 ने पवन कुमार यादव को 2 हजार 450 रुपए के बोली लगा कर अपने नाम किया ।जो इस बार दूसरे महंगे खिलाड़ी होंगे ।केपीएल के सफल संचालन में अध्यक्ष पूर्व मुखिया योगेश यादव, सचिव मोहमद शेर शाह व कोषाध्यक्ष अवधेश सिंह, मुखिया छोटू सिंह, उदय चंद्रवंशी, कृष्णा पासवान, मुखिया प्रतिनिधी बद्री दांगी, पंकज सिंह, नवल किशोर सिन्हा, कमांडो रजक का इस बार के केपीएल के सफल आयोजन में अहम योगदान होने वाला है।

108 एंबुलेंस सेवा - राज्यकर्मी स्वास्थ्य बीमा योजना की समीक्षा बैठक

अब मोबाइल ऐप पर उपलब्ध होगी 108 एंबुलेंस सर्विस बीमा योजना में सीजीएचएस दर पर होगा इलाज सुनिश्चित

प्राइवेट ऑपरेटर भी जुड़ेगें सरकारी नेटवर्क से

संवाददाता

रांची : झारखंड सरकार के स्वास्थ्य, चिकित्सा शिक्षा एवं परिवार कल्याण विभाग के अपर मुख्य सचिव अजय कुमार सिंह की अध्यक्षता में 108 एंबुलेंस सेवा एवं राज्यकर्मी स्वास्थ्य बीमा योजना की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में स्वास्थ्य सेवाओं को अधिक सुदृढ़, सुलभ और पारदर्शी बनाने को लेकर कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए।

निजी एंबुलेंस को भी इस सेवा से जोड़ा जाएगाः बैठक में 108 एंबुलेंस सेवा को लेकर अपर मुख्य सचिव ने निर्देश दिया कि एक मोबाइल ऐप विकसित किया जाए, जिसके माध्यम से ऐप डाउनलोड कर या 108 नंबर डायल कर आसानी से एंबुलेंस बुलाई जा सके। निजी एंबुलेंस को भी इस सेवा से जोड़ा जाएगा और उन्हें प्रति किलोमीटर की दर से भुगतान किया जाएगा। ऐसी एंबुलेंस का विभागीय सर्टिफिकेशन, निबंधन और नियमित मूल्यांकन किया जाएगा। नियमों का उल्लंघन करने पर निबंधन रद्द किया जाएगा। इसके साथ ही ममता वाहन को भी ऐप से जोड़ने, सॉफ्टवेयर के लिए आरएफपी तैयार करने और एंबुलेंस संचालन से जुड़ी कंपनी द्वारा सॉफ्टवेयर रन कराने के

निर्देश दिए गए। सॉफ्टवेयर को हर वर्ष अपडेट किया जाएगा। अपर मुख्य सचिव कुमार ने मौजूदा एंबुलेंस की डेंटिंग-पेंटिंग कराने और नई खरीदी जाने वाली एंबुलेंस की प्रत्येक चार वर्ष में पेंटिंग सुनिश्चित करने का निर्देश भी दिया, ताकि एंबुलेंस बेहतर स्थिति में रहकर आम जनता को समय पर गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवा उपलब्ध करा सकें ।वर्तमान बीमा कंपनी का कार्यकाल फरवरी माह में समाप्त हो रहा हैः कुमार ने राज्यकर्मी स्वास्थ्य बीमा योजना के बारे में निर्देश देते हुए कहा कि वर्तमान बीमा कंपनी का कार्यकाल फरवरी माह में समाप्त हो रहा है। उन्होंने निर्देश दिया कि अवधि समाप्त होने से पहले ही नई बीमा कंपनी का चयन कर लिया जाए, ताकि राज्य कर्मियों एवं उनसे जुड़े अन्य कर्मियों को इलाज में किसी प्रकार की परेशानी न हो। उन्होंने यह भी कहा कि राज्य के सभी प्रमुख अस्पतालों में सीजीएचएस दर पर इलाज सुनिश्चित किया जाए और अस्पतालों को इसके अंतर्गत सूचीबद्ध किया जाए। उन्होंने यह भी निर्देश दिया कि राज्य से सटे बिहार, उड़ीसा और पश्चिम बंगाल सहित अन्य राज्यों के जिलों और सभी महानगरों में भी सीजीएचएस दर पर अस्पतालों का निबंधन कराया जाए, ताकि राज्यकर्मी स्वास्थ्य बीमा योजना के अंतर्गत बाहर इलाज कराने में किसी तरह की बाधा न आए।

टीएसपीसी उग्रवादियों ने रेल लाइन निर्माण कार्य बंद रखने की दी धमकी

संवाददाता

चतरा : जिले के टंडवा थाना क्षेत्र के शिवपुर-कठौतिया रेललाइन (निमार्णाधीन) के ब्रिज नंबर-103 के पास गुरुवार की रात टीएसपीसी उग्रवादियों ने मजदूरों को धमकी और काम बंद रखने की चेतावनी दी ।उग्रवादी बाइक से आये थे और निर्माण स्थल पर पर्चा भी छोड़ा ।पर्चा में शिवपुर-कठौतिया रेललाइन का काम कर रही आइएससी कंपनी को बिना संगठन से बात किये कार्य नहीं करने की चेतावनी दी गयी है। मजदूरों को भी कंपनी के बहकावे में आकर काम नहीं करने की हिदायत दी गंभीर गयी है। आदेश नहीं मानने पर परिणाम भुगताने की भी बात कही गयी है ।पर्चा टीएसपीसी के पूर्वी पश्चिमी सीमांत सब जोनल कमेटी कौशल जी के नाम पर छोड़ा गया है ।घटना से मजदूरों में दहशत है ।घटना की सूचना पाकर शुक्रवार को एसडीपीओ प्रभात रंजन बरवार, थाना प्रभारी अनिल उरांव दल-बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे और मामले की जांच की ।साथ ही मजदूरों से पूछताछ की. इधर, पुलिस की सुरक्षा में निर्माण कार्य जारी रहा ।सूत्रों के अनुसार, उग्रवादियों ने दहशत फैलाने के उद्देश्य से हवाई फायरिंग भी की है ।हालांकि पुलिस को गोली का खोखा नहीं मिल पाया है ।एसडीपीओ ने बताया कि मामले की जांच शुरू की गयी है ।पुलिस सुरक्षा में कार्य चल रहा है। इसमें शामिल लोगों को बख्शा नहीं जायेगा ।सूत्रों का कहना है कि उग्रवादी लेवी को लेकर लगातार निर्माण कार्य में लगे मजदूरों को धमकी दे रहे हैं। पांच दिनों में तीसरी घटनाः पांच दिनों में टीएसपीसी उग्रवादियों ने तीसरी घटना को अंजाम दिया है। पहली घटना में 21 दिसंबर की रात गिद्धौर थाना क्षेत्र के दुवारी में चल रहे रेललाइन निर्माण कार्य स्थल पर मजदूरों के साथ मारपीट की गयी थी ।साथ ही निर्माण कार्य बंद रखने की चेतावनी थी ।कौशल जी के नाम से ही पर्चा भी छोड़ा गया था ।घटना के दूसरे दिन उग्रवादियों ने हवाई फायरिंग की थी, जिसके डर से मजदूर काम छोड़ कर घर चले गये, जिससे पांच दिनों से निर्माण बंद है। वहीं तीसरी घटना टंडवा थाना क्षेत्र के शिवपुर-कठौतिया रेललाइन निर्माण कार्य के ब्रिज नंबर 103 के पास घटी है।

पुलिस को अफीम तस्करों के खिलाफ मिली बड़ी सफलता

एक किलो अफीम के साथ चार तस्कर गिरफ्तार

संवाददाता

चतरा : पुलिस अधीक्षक सुमित कुमार अग्रवाल को मिली गुप्त सूचना के आधार पर गिद्धौर थाना क्षेत्र से पुलिस ने एक बड़ी सफलता अर्जित करते हुए 1 किलो 44 ग्राम अर्ध ठोस अफीम के साथ चार अंतर्राज्यीय अफीम तस्करों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने तस्करों द्वारा प्रयुक्त की जा रही सवारी वाहन संख्या जेएच 04 ई-2730 को बरामद कर लिया। पुलिस द्वारा मिली जानकारी के मुताबिक चतरा एसपी को सूचना प्राप्त हुई थी कि कुछ व्यक्ति संदिग्ध रूप से एक सवारी वाहन से हजारीबाग जिले के कटकमसांडी थाना क्षेत्र से चतरा की ओर जा रहे हैं। सूचना के सत्यापन एवं आवश्यक कार्रवाई हेतु गिद्धौर फुटबॉल मैदान के पास एंटी-क्राइम चेकिंग अभियान चलाया गया।

चेकिंग के दौरान एक सवारी वाहन की तलाशी ली गई, जिसमें अफीम लेकर जाते हुए चार व्यक्तियों को गिरफ्तार किया गया। इस संबंध में गिद्धौर थाना कांड संख्या-109/25, दिनांक-25.12.2025, धारा 17(बी)/18(सी)/22(बी)/27(ए)/28/29 एनडीपीएस एक्ट के अंतर्गत मामला दर्ज कर सभी अभियुक्तों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। गिरफ्तार तस्करों में खूंटी जिला के ग्राम कोजरम और करोड़ा के रतन मुण्डा (27 वर्ष) और कोलय मुंडा (21 वर्ष),रांची जिला के आरेडीह ग्राम (दशमफॉल) के राजकिशोर लोहरा (26 वर्ष) एवं खूंटी जिला के करोड़ा गांव के पाण्डा मुंडा (21 वर्ष) का नाम शामिल है। छापामारी दल में गिद्धौर के थाना प्रभारी शिवा यादव,सअनि विद्यानंद शर्मा,सअनि महेंद्र ठाकुर और थाना सशस्त्र बल के जवान शामिल थे।

पर्वतारोही व साइकिलिस्ट समीरा खान पहुंची हंटरगंज, बोलीं

बेटियों को भी मिले बेटों जैसी स्वतंत्रता

बालिका सशक्तिकरण अभियान के तहत छात्राओं को किया जागरूक

संवाददाता

चतरा : 27 देशों की साइकिल से यात्रा करते हुए बिहार के रास्ते होते हुए प्रसिद्ध साइक्लिस्ट एवं पर्वतारोही समीरा खान शुक्रवार को झारखंड के चतरा जिले के हंटरगंज पहुंची। इस दौरान रामनारायण प्लस टू उच्च विद्यालय परिसर में उनका भव्य स्वागत किया गया ।विद्यालय के छात्राओं ने उत्साह, सम्मान और गरिमा के साथ उनका अभिनंदन किया ।उन्होंने छात्राओं से संवाद कर उन्हें जीवन में आगे बढ़ने

की प्रेरणा दी ।उन्होंने छात्राओं को संबोधन करते हुए बताया कि कठिन लक्ष्य भी हौसले और विश्वास से प्राप्त किए जा सकते हैं। कठिनाइयां व्यक्ति को मजबूत बनाती हैं। एवरेस्ट जैसी ऊंचाइयां सिखाती हैं कि सपनों को साकार करने के लिए साहस और अनुशासन आवश्यक है ।समीरा ने कहा कि युवतियां किसी भी क्षेत्र में पीछे नहीं हैं। आत्मविश्वास, लगन और मेहनत से हर लक्ष्य प्राप्त किया जा सकता है। उन्होंने पहाड़ की चढ़ाई को जीवन की चुनौतियों से जोड़ते हुए कहा कि धैर्य और संयम से हर बाधा को पार किया जा सकता है ।समीरा ने कहा अभी भी लड़कियों को लड़कों की अपेक्षा काफी सामाजिक, पारिवारिक बंधनों का सामना करना पड़ता है। हम बेटियों को भी बेटों जैसी स्वतंत्रता के पक्षधर हैं ।बेटियों को भी बेटों जैसा अवसर मिलना चाहिए। उदाहरण देते हुए कहा कि पढ़ने-लिखने वाली लड़कियों को भी नौकरी, व्यापार में सफल नहीं होने पर परिवार के लोग घर बसाने के लिए शादी कर देते हैं। यह बात अक्सर लड़कों के साथ नहीं होती है। उन्होंने कहा लड़कियों को भी पूरी स्वतंत्रता मिलनी चाहिए। इस अवसर पर विद्यालय प्राचार्य अनूप कुमार, बीपीओ संदीप कुमार, शिक्षक विनय कुमार, पुरूषोतम कुमार समेत कई शिक्षक मौजूद रहे। सभी ने समीरा के साहसिक जीवन से प्रेरणा लेकर आगे बढ़ने का संकल्प लिया।

उपायुक्त ने सुनीं आमजनों की समस्याएं

संवाददाता

चतरा : उपायुक्त कीर्तिश्री ने शुक्रवार को समाहरणालय स्थित कार्यालय कक्ष में आयोजित जनता दरबार में जिले के विभिन्न प्रखंडों से पहुँचे आमजनों की समस्याएँ सुनीं। भूमि विवाद, आपूर्ति विभाग से संबंधित, स्वास्थ्य सेवाओं तथा शिक्षा विभाग से जुड़े मुद्दों सहित अनेक मामलों को लोगों ने उपायुक्त के समक्ष विस्तार से रखा ।उपायुक्त ने उपस्थित विभागीय अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि सभी मामलों का त्वरित, निष्पक्ष एवं समयबद्ध निपटारा सुनिश्चित किया जाए, ताकि आमजन को शीघ्र समाधान मिल सके।

गौरतलब है कि जिला प्रशासन द्वारा प्रत्येक मंगलवार एवं शुक्रवार को पूर्वाह्न 11:30 बजे से दोपहर 12:30 बजे तक समाहरणालय में नियमित रूप से जनता दरबार आयोजित किया जाता है। इस दौरान आमजन अपनी समस्याएँ सीधे जिला प्रशासन के समक्ष रख सकते हैं। जिला प्रशासन ने अधिक से अधिक लोगों से जनता दरबार का लाभ उठाने की अपील की है।

सीमा पंचायत के सोनपुर गांव में दाल मिल का हुआ उद्घाटन

दो हजार परिवारों को मिलेगा आजीविका का सीधा लाभ

संवाददाता

चतरा : झारखंड स्टेट लाइवलीहुड प्रोमोशन सोसाइटी के सहयोग से सीमा पंचायत अंतर्गत सोनपुर गांव में प्लाश उत्तम कृषि प्रसंस्करण केंद्र (दाल मिल) का उद्घाटन शुक्रवार भव्य रूप से किया गया। उद्घाटन कार्यक्रम में सांसद चतरा लोकसभा क्षेत्र के सांसद कालीचरण सिंह, उपायुक्त कीर्तिश्री तथा जिला परिषद अध्यक्षा ममता कुमारी ने संयुक्त रूप से फीता काटकर केंद्र का विधिवत शुभारंभ किया ।इस अवसर पर झारखंड स्टेट लाइवलीहुड प्रोमोशन सोसाइटी के जिला परियोजना प्रबंधक द्वारा जानकारी दी गई कि इस कृषि प्रसंस्करण इकाई के प्रारंभ होने से लगभग दो हजार परिवार प्रत्यक्ष रूप से आजीविका से जुड़ेंगे। इससे स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर सृजित होंगे तथा ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी। उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए सांसद कालीचरण

सिंह ने कहा कि इस प्रकार के कृषि प्रसंस्करण केंद्र ग्रामीण क्षेत्रों में महिला सशक्तिकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल हैं। इससे महिलाओं को आत्मनिर्भर बनने का अवसर मिलेगा तथा उनकी आय में निरंतर वृद्धि सुनिश्चित होगी। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार एवं राज्य सरकार की मंशा है कि गांवों में ही रोजगार के साधन विकसित हों और स्थानीय उत्पादों को उचित बाजार उपलब्ध कराया जाए।

वहीं उपायुक्त ने अपने संबोधन में कहा कि जिला प्रशासन आजीविका संवर्धन एवं स्वयं सहायता समूहों को मजबूत बनाने के लिए सतत प्रयासरत है। इस तरह के प्रसंस्करण केंद्रों से न केवल कृषि उत्पादों का मूल्य संवर्धन होगा, बल्कि ग्रामीण महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनने का भी अवसर प्राप्त होगा। उन्होंने भरोसा दिलाया कि भविष्य में भी इस प्रकार की योजनाओं को प्रशासन का पूरा सहयोग मिलेगा ।कार्यक्रम के दौरान जिला परिषद अध्यक्षा ममता कुमारी ने भी इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि यह केंद्र क्षेत्र के विकास में मील का पत्थर साबित होगा और महिलाओं को स्थायी आजीविका का साधन प्रदान करेगा। उक्त कार्यक्रम में झारखंड स्टेट लाइवलीहुड प्रोमोशन सोसाइटी के जिला परियोजना प्रबंधक गौरव जायसवाल सहित प्रखंड विकास पदाधिकारी, संबंधित पदाधिकारी, कर्मी तथा स्वयं सहायता समूह की बड़ी संख्या में महिलाएं उपस्थित रहीं। कार्यक्रम का समापन ग्रामीण आजीविका को सुदृढ़ करने के संकल्प के साथ किया गया।

कल शाम रांची पहुंचेंगी राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू

सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम,ड्रोन, सीसीटीवी और स्पेशल फोर्स से निगरानी

मेट्रो रेज

रांची : राजधानी रांची में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के प्रस्तावित दौरे को देखते हुए जिला प्रशासन ने सुरक्षा व्यवस्था और मजबूत कर दी है। इसके तहत कुछ प्रमुख इलाकों को नो फ्लाइंग जोन घोषित किया गया है ताकि सुरक्षा में किसी भी तरह की चूक न हो।

प्रतिबंध कब तक

यह प्रतिबंध 28 दिसंबर की सुबह 6 बजे से 30 दिसंबर की रात 10 बजे तक लागू रहेगा। इस दौरान किसी भी व्यक्ति या संस्था को उड़ान संबंधी गतिविधियों की अनुमति नहीं दी जाएगी।

सुरक्षा आदेश का आधार रांची डीसी मंजूनाथ भजंत्री के निर्देश पर सदर एसडीएम उत्कर्ष कुमार ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) की धारा 163 के तहत यह आदेश जारी किया है। इसका मकसद राष्ट्रपति के दौरे के दौरान कानून-व्यवस्था बनाए रखना और किसी भी संभावित खतरे को रोकना है।

नियम उल्लंघन पर कार्रवाई प्रशासन ने साफ किया है कि आदेश का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। आम नागरिकों से अपील की गई है कि वे सुरक्षा व्यवस्था में सहयोग करें और निर्धारित नियमों का पालन करें।

बनाया गया नो फ्लाइंग जोन

डीसी मंजूनाथ भजंत्री के निर्देश पर जारी आदेश के अनुसार बिरसा मुंडा एयरपोर्ट से हिनू चौक, बिरसा चौक, अरगोड़ा चौक होते हुए लोक भवन तक के 200 मीटर के दायरे को नो फ्लाइंग जोन बनाया गया है। इस क्षेत्र में किसी भी तरह के ड्रोन, पैराग्लाइडिंग और हॉट एयर बैलून उड़ाने पर पूरी तरह रोक रहेगी।

शॉट सर्किट से सत्यम हार्डवेयर में लगी आग

रांची : राजधानी रांची के अरगोड़ा चौक पास स्थित सत्यम हार्डवेयर में देर रात आग लग गई। यह आग इतनी तेज थी कि दुकान पूरी तरह जलकर नष्ट हो गई। आग लगते ही आसपास के इलाके में हड़कंप मच गया। स्थानीय लोगों ने तुरंत इसकी सूचना दमकल विभाग को दी। दमकल की गाड़ियों ने मौके पर पहुंचकर काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया।प्रारंभिक जांच में आग लगने का कारण शॉर्ट सर्किट बताया जा रहा है। हालांकि, आग से हुए नुकसान का सही आंकलन अभी नहीं हो पाया है। इस घटना में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है, लेकिन दुकान में रखा सारा सामान जलकर खाक हो गया।

रांची में शीत लहर के कारण 31 दिसंबर तक स्कूल बंद

संवाददाता

रांचीः जिले में शीत लहर के प्रभाव के चलते अधिकारियों ने शुक्रवार को निर्णय लिया कि जिले के सभी सरकारी और निजी स्कूलों में किंडरगार्टन से कक्षा 12 तक की कक्षाएं 27 से 31 दिसंबर तक स्थगित रहेंगी। छात्रों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए यह कदम उठाया गया है।

जिला शिक्षा कार्यालय द्वारा जारी एक आदेश में कहा गया है, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 163 के तहत, रांची जिले में संचालित सभी सरकारी, गैर-सरकारी और निजी स्कूलों को 27 दिसंबर से 31 दिसंबर, 2025 तक केजी से कक्षा 12 तक की कक्षाएं निलंबित करने का निर्देश दिया गया है। शुक्रवार को 7 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया तापमानः इस आदेश में भारतीय मौसम विज्ञान विभाग द्वारा जारी चेतावनी का हवाला दिया गया है, जिसमें झारखंड में अगली सूचना तक भीषण ठंड और शीत लहर की स्थिति का पूवार्नुमान लगाया गया है।इसमें कहा गया है, यह ध्यान देने योग्य है कि रांची जिले को येलो जोन में रखा गया है, जो भीषण ठंड और शीत लहर की उच्च संभावना को दर्शाता है। रांची जिला शिक्षा अधिकारी विनय कुमार ने बताया कि हालांकि अधिकांश स्कूलों में शीतकालीन अवकाश घोषित कर दिया गया है, लेकिन कुछ स्कूलों में अभी भी कक्षाएं चल रही हैं।मौसम विभाग के एक अधिकारी ने बताया कि शुक्रवार को रांची में न्यूनतम तापमान 7 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया और पारा और भी गिर सकता है।

बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों पर बर्बरता बर्दाश्त नहीं: मोहम्मद शाहिद अय्यूबी

- अगर हिंदुओं और दलितों पर जुल्म न थमा, तो भारत बंद करे बिजली और कोयले की सप्लाई

संवाददाता

रांचीः झारखंड मुस्लिम युवा मंच के केंद्रीय अध्यक्ष मोहम्मद शाहिद अय्यूबी ने बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों, विशेषकर हिंदुओं और दलितों पर हो रहे निरंतर अत्याचारों पर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए भारत सरकार से कड़े कूटनीतिक और आर्थिक कदम उठाने की मांग की है।

- शाहिद अय्यूबी ने एक कड़ा संदेश जारी करते हुए कहा कि मानवीय क्रूरता और व्यापारिक सहयोग एक साथ नहीं चल सकते। उन्होंने केंद्र सरकार और संबंधित राज्य सरकारों से अपील की है कि वे बांग्लादेश के साथ होने वाले व्यापार को 'रणनीतिक हथियार' के रूप में इस्तेमाल करें।
- संसाधनों की आपूर्ति पर रोक की मांग भारत वर्तमान में अडानी पावर, पश्चिम बंगाल और त्रिपुरा ग्रिड के माध्यम से बांग्लादेश को लगभग 2,656 मेगावाट बिजली दे रहा है। साथ ही झारखंड और मेघालय से भारी मात्रा में कोयले की आपूर्ति की जा रही है।

अय्यूबी ने मांग की है कि यदि बांग्लादेश सरकार अल्पसंख्यकों की सुरक्षा में विफल रहती है, तो इस आपूर्ति को तत्काल प्रभाव से काटने की चेतावनी दी जाए।

- **आर्थिक शक्ति का उपयोगः** मंच का मानना है कि केवल जुबानी विरोध काफी नहीं है। भारत को अपनी आर्थिक शक्ति दिखाते हुए स्पष्ट कर देना चाहिए कि बिजली और व्यापार की निरंतरता वहां हिंदुओं की जान की सुरक्षा पर निर्भर करेगी।
- सीमावर्ती व्यापार पर कड़ा रुखः नेपाल से भारतीय ग्रिड के जरिए जाने वाली बिजली और सभी सीमावर्ती व्यापार को इस मुद्दे से जोड़ने की मांग की गई है।
- जब पड़ोस के घर में मानवता लहूलुहान हो, तो हम संसाधनों की आपूर्ति जारी रखकर मूकदर्शक नहीं बने रह सकते। भारत सरकार को दो टूक संदेश देना चाहिए कि अल्पसंख्यकों पर जुल्म बंद हो, अन्यथा भारत अपने संसाधनों की सप्लाई काटने के लिए पूरी तरह तैयार है

दूसरी ओर बांग्लादेश के पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना को भारत सरकार द्वारा। डेढ़ वर्षों से सुरक्षित आवास , सिक्योरिटी ,चिकित्सा सहायता,भोजन आदि का व्यवस्था भारत सरकार द्वारा की जा रही है।

मोहम्मद शाहिद अय्यूबी केंद्रीय अध्यक्ष, झारखंड मुस्लिम युवा मंच

?भारत सरकार से मांग करता है कि अंतरराष्ट्रीय मंचों के साथ-साथ आर्थिक मोर्चे पर भी बांग्लादेश पर दबाव बनाया जाए ताकि वहां रहने वाले हर अल्पसंख्यक नागरिक की सुरक्षा सुनिश्चित हो सके।

एक्वा वर्ल्ड में मस्ती और उमंग का उत्सव रिलायंस कार्निवल 28 दिसंबर से 4 जनवरी तक

मेट्रो रेज

रांचीः एक्वा वर्ल्ड द्वारा नव वर्ष के अवसर पर आठ दिवसीय नव वर्ष का मेला रिलायंस कार्निवल 2026 का आयोजन किया जा रहा है। एक्वा वर्ल्ड के निदेशक गण सत्य प्रकाश चंदेल और लोकेश कुमार ने बताया कि कार्निवल सुबह 11:00 बजे से रात 9:00 बजे तक चलेगा आज कार्निवाल का ऑफिशियल बुकलेट को आयोजन समिति ने जारी किया। इस अवसर पर एक्वा वर्ल्ड समूह के चेयरपर्सन प्रतुल शाह देव, सत्य प्रकाश चंदेल, लोकेश कुमार ,वसीम आलम, आनंद नायक, प्रदुमन व अन्य उपस्थित थे। कार्निवल में प्रतियोगिताओं और कार्यक्रमों की धूम रहेगी। बड़े और बच्चों के लिए फैशन शो का आयोजन होगा। पहली बार रांची में ट्रांसजेंडर और दिव्यांग बच्चों के लिए भी फैशन शो का आयोजन किया जा रहा है। इसके अतिरिक्त मैजिक शो, महापेटू प्रतियोगिता, फैंसी ड्रेस ,डांस प्रतियोगिता सहित दर्जनों प्रतियोगिताओं की धूम रहेगी। कैटवॉक प्रतियोगिता के जरिए रांची की मिस दिवा और मिस्टर हंक का भी चयन होगा। इस कार्यक्रम में वामस मॉडलिंग ग्रुप और विपुल नायक के दीपांजलि ग्रुप का भी सहयोग मिल रहा है।

कार्यक्रम के मुख्य सहयोगियों में सेंट्रल कोलफील्ड लिमिटेड, देवस इंफ्राकन, सलूजा गोल्ड ,बाबूलाल प्रेम कुमार, बिग शॉप ,कश्मीर वस्त्रालय, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया,फिरायालाल, इंजेक्शन केयर, ए बी पेट्रोनस,बैड मंकी नोटपैड, शैल्बी डिवाइन, हॉस्पिटल कैल्विन एंड हॉब्स, आरके कंस्ट्रक्शन ,इंजेक्शन केयर। कार्निवल 2026 को शुभारंभ 27 दिसंबर को शाम 4:00 बजे रिलायंस कार्निवल 2026 का शुभारंभ 27 दिसंबर को शाम 4:00 बजे केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ करेंगे। इस अवसर पर अनेक गणमान्य व्यक्ति भी उपस्थित रहेंगे।

नववर्ष के आगमन को लेकर पुलिस है मुस्तैद व चौकस

विनय मिश्रा

रांचीः जिले में पदस्थापित कोतवाली डीएसपी प्रकाश सोय अपने बेहतर कार्य प्रणाली, उपलब्धि और कामयाबी के लिए पहचाने जाते हैं। नववर्ष के आगमन को लेकर श्री सोय का कहना है कि बेहतर विधि व्यवस्था और आम लोगों को किसी प्रकार की कोई असुविधा और कठिनाई ना हो इसकी पूर्ण व्यवस्था की गई है। नववर्ष को लेकर 31 दिसंबर और 1 जनवरी को लेकर पुलिस पूर्ण रूप से मुस्तैद है। यातायात, नियमों का अनुपालन के साथ साथ नशे की हालत में वाहन नहीं चलाने की हिदायत दी गई है।तेज वाहन चलाने वालों पर भी पैनी नजर रखी जाएगी। कोतवाली डीएसपी प्रकाश सोय का मानना है कि सुरक्षा और सावधानी को ध्यान में रखते हुए अपनी जवाबदेही को समझते हुए इसका निर्वहन करें श्री सोय ने कहा नववर्ष सभी के लिए मंगलमय हो इसका ध्यान सबों को रखनी चाहिए। पुलिस सुरक्षा के साथ अपने दायित्व का निर्वहन कर रही है इसमें सबों का सकारात्मक सहयोग आवश्यक है। उन्होंने कहा कि

सावधानी हटी दुर्घटना घटी

इसलिए हमें सचेत रहने की आवश्यकता है।

भारतीय एकता कमेटी के मुख्य कार्यालय में कंबल वितरण

जरूरतमंदों की मदद करना सबसे शुभ कामः गुलाम मुस्तफा

रांची/मेट्रो रेजः आज शनिवार को भारतीय एकता कमेटी के मुख्य कार्यालय करबला टैंक रोड रांची में जरूरतमंद लोगों के बीच कंबल का वितरण किया गया। इस शुभ अवसर पर संस्थापक अध्यक्ष गुलाम मुस्तफा और सचिव रामेश्वर राम ने कंबल का वितरण किया। गुलाम मुस्तफा ने कहा कि जरूरतमंद लोगों की मदद करना सबसे बड़ा नेक काम है। यही सबसे बड़ी मानवता व सबसे बड़ी इंसानियत है। सचिव रामेश्वर राम ने कहा के 33 वर्ष हो गए भारतीय एकता कमेटी को समाज सेवा करते हुए लेकिन झारखंड सरकार का कोई भी अनुदान नहीं मिलता है। जिसके वजह से समाज सेवा करने में बहुत कठिनाई का सामना करना पड़ता है। झारखंड सरकार से हम सब अनुदान का आग्रह करते हैं। मोहम्मद यूनुस, मोहम्मद अशफाक, एलियस कच्छप, मनोज राम, दीपक कुमार व तबरेज आलम ने भी झारखंड सरकार से भारतीय एकता कमेटी को हर संभव मदद करने की अपील की। गुलाम मुस्तफा ने कहा कि समय पर जरूरतमंद लोग कंबल लेने आयें। आज शनिवार को रामनगर डॉमटोली, नजीर अली लेन, चिश्तिया नगर कर्बला चौक ,बलदेव सहाय लेन और सेक्टर 2 धुर्वा से भी लोग कंबल लेने पहुंचे।

बड़ी संख्या में लोगों ने थामा आजसू का दामन

मुरीः आजसू पार्टी प्रधान कार्यालय सिल्ली में पश्चिम बंगाल पुरुलिया जिला के विभिन्न राजनीतिक दल के सदस्यों ने पार्टी के नीति एवं सिद्धांतो से प्रभावित होकर आजसू का दामन थामा। सभी सदस्यों को आजसू सुप्रीमो सह पाटी अध्यक्ष सुदेश कुमार महतो व अन्य जनप्रतिनिधियों ने अंगवस्त्र पहनाकर पार्टी में शामिल कराया। तथा पाटी की नीतियों, सिद्धांतों और संगठनात्मक सोच से अवगत कराया। इस अवसर पर आजसू सुप्रीमो सुदेश कुमार महतो ने कहा कि क्षेत्र में एक कुशल और जनता के प्रति जवाबदेह नेतृत्व की कमी से गुजर रहा है। इस राज्य को एक ऐसा नेतृत्व चाहिए जो हर वर्ग और सबके विचारों को साथ लेकर चले। वर्तमान और भविष्य की पीढ़ी के लिए राज्य को बेहतर बनाने की चुनौती सामने है। पार्टी में शामिल होने वाले सदस्यों ने कहा कि क्षेत्र की प्रगति के प्रति सुदेश की सोच और उनके कार्यों से प्रभावित होकर जमीनी स्तर पर कार्य करने वाली आजसू पार्टी में हम सभी बड़ी संख्या के तादाद में शामिल हुए।इस मौके पर प्रमुख जितेन्द्र बड़ाइक, रंग बहादुर महतो, ज्योति कुमारी, विजय महतो, रतनलाल गुप्ता, लम्बोदर महतो,नरोत्तम गोरांइ, किरीटी महतो , त्रिलोचन महतो, लक्षण महतो, , मो चांद, डबलु महली व अन्य उपस्थित थे।

दो दिवसीय डबल खस्सी फुटबॉल

पलासडीह को हराकर हेरलाबेड़ा लोटा ने जीता खिताब

मेट्रो रेज

सिल्लीः मिलन फुटबॉल क्लब लोटा सिल्ली की ओर से लोटा स्कूल मैदान में आयोजित दो दिवसीय डबल खस्सी फुटबॉल टूर्नामेंट का फाइनल मैच मिलन फुटबॉल क्लब हेरला बेड़ा लोटा बनाम पलासडीह फुटबॉल क्लब के बीच खेला गया। रोमांचक मुकाबले के बाद पेनल्टी शूट आउट में जीएफसी हेरला बेड़ा की टीम 5-1 से विजयी रही. फाइनल मैच के विजेता टीम को आमंत्रित अतिथि टाटी पंचायत के मुखिया रामानंद बेदिया एंव लोटा पंचायत के पूर्व मुखिया रवींद्रनाथ मुंडा ने संयुक्त रूप से एक खस्सी व कप देकर पुरस्कृत किया। वहीं उपविजेता टीम को विधायक प्रतिनिधि राकेश महतो ने एक खस्सी व कप देकर पुरस्कृत किया. सेमी फाइनल मैच के विजेता उप विजेता टीम व टूर्नामेंट के बेस्ट खिलाडी प्रेम हेमबरम को झामुमो किसान मोर्चा के पूर्व जिला सचिव गोकुल महतो, झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा के प्रखंड अध्यक्ष हरे कृष्ण महतो कांग्रेस पार्टी के प्रखंड अध्यक्ष कार्तिक चंद्र महतो सामुदायिक अस्पताल सिल्ली के डॉ विवेक कुमार समाजसेवी परमानंद महतो आदि ने नगद राशि देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर टाटी मुखिया रामानंद बेदिया ने कहा की खेल के क्षेत्र में भी अच्छा पर्दशन कर युवा अपना भविष्य बना सकते है, कांग्रेस नेता कार्तिक व जेएलकेएम हरेकृष्ण ने कहा कि खेल में हार जीत लगी रहती है और एक दिन हारने वाला भी जीतता है, बीते 32 साल से मिलन फुटबॉल क्लब द्वारा लगातार सफल आयोजन किए जाने को लेकर आमंत्रित अतिथियों ने क्लब के सदस्यों को ध. इस आयोजन को सफल बनाने में क्लब के संरक्षक राधिका महतो, मिथुन सर रविंद्र नाथ मुंडा, भिरगु महतो ,भगीरथ महतो व अन्य का सराहनीय योगदान रहा।

राज्य में मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता को मिलेगी नई रफ्तार, एनएचएम ने 2 प्रचार वाहनों को किया रवाना

संवाददाता

रांचीः राज्य में मानसिक स्वास्थ्य को लेकर जागरूकता बढ़ाने और राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) झारखंड ने एक अहम पहल की है। इसके तहत दो विशेष प्रचार वाहनों को राज्यभर में भ्रमण के लिए रवाना किया गया।

मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम सभी 24 जिलों में संचालित किया जा रहा

अभियान निदेशक, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन झारखंड, शशि प्रकाश झा ने नामकुम स्थित कार्यालय परिसर से इन प्रचार वाहनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इन प्रचार वाहनों का मुख्य उद्देश्य जिला और गांव स्तर पर

प्रचार वाहन लगातार 90 दिनों तक राज्य के दूर-दराज और ग्रामीण इलाकों में करेंगे भ्रमण

वहीं दूसरा प्रचार वाहन संथाल परगना क्षेत्र के सभी जिलों में मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम से जुड़ी योजनाओं, सेवाओं और सहायता के बारे में जानकारी फैलाएगा। दोनों प्रचार वाहन लगातार 90 दिनों तक राज्य के दूर-दराज और ग्रामीण इलाकों में भ्रमण करेंगे। इस दौरान ये वाहन गांव-गांव जाकर लोगों को मानसिक स्वास्थ्य से संबंधित सरकारी सेवाओं, निशुल्क परामर्श, उपचार की सुविधा और सहायता प्राप्त करने के विभिन्न माध्यमों की जानकारी देंगे। साथ ही लोगों को मानसिक तनाव, अवसाद, नशा मुक्ति और अन्य मानसिक समस्याओं के प्रति जागरूक किया जाएगा। एनएचएम अधिकारियों का कहना है कि अक्सर लोग मानसिक बीमारी को लेकर झिझक या सामाजिक डर के कारण इलाज नहीं कराते हैं। इस अभियान का उद्देश्य इसी सोच को बदलना है, ताकि लोग बिना किसी संकोच के सामने आएं और समय रहते उपचार करा सकें। प्रचार वाहनों के माध्यम से जानकारी पहुंचने से खासकर ग्रामीण और आदिवासी क्षेत्रों में रहने वाले लोगों तक मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच सुनिश्चित हो सकेगी।

आम लोगों तक मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम की जानकारी पहुंचाना है। अधिकारियों ने बताया कि मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम झारखंड के सभी 24 जिलों में संचालित किया जा रहा है। इसके माध्यम से मानसिक रोगों को लेकर समाज में फैली भ्रांतियों को दूर करने, जागरूकता बढ़ाने और जरूरतमंद लोगों को समय पर इलाज के लिए प्रेरित करने का प्रयास किया जा रहा है। जानकारी के अनुसार, एक प्रचार वाहन केंद्रीय मानसिक चिकित्सालय (सीआईपी), रांची के सहयोग से गांवों में आयोजित किए जाने वाले मानसिक स्वास्थ्य शिविरों का प्रचार-प्रसार करेगा। इस वाहन के माध्यम से लोगों को यह बताया जाएगा कि मानसिक रोगों का इलाज संभव है और इसके लिए विशेषज्ञ डॉक्टरों व परामर्श सेवाएं उपलब्ध हैं।

आग लगने से लाखों की सम्पत्ति का नुकसान

मुरीः छोटा मुरी स्थित स्व. राणा चौधरी के घर में आग लग गयी जिससे लाखों का नुकसान हो गया। हांलाकि समय पर दमकलकर्मियों ने आग पर काबू पा लिया। घर के सदस्य रंजन चौधरी ने बताया कि घर के ऊपरी तल्ला स्थित कमरे में 25 दिसम्बर को रात में खाना खाने बैठे थे कि कमरे से आवाज आने लगी, देखा तो कमरे से आग की लपटे निकल रही थी। आग-आनन फानन में आग को बुझाने का प्रयास किया गया। पुलिस के सहयोग से दमकल के आने पर आग पर काबू पाया गया ,पर घर का सारा कीमती समान जल गया।

OFFICE OF THE EXECUTIVE ENGINEER
WATER RESOURCES DEPARTMENT
IRRIGATION MECHANICAL DIVISION, RANCHI- 834002.

Very Short Notice Inviting e-quotation
Notice No.- 21/2025-26

Government of Jharkhand through its Public Works Department (PWD) is engaged in framing/ revision of Schedule of Rates and as part of this endeavor, quotations through e-tender are invited for rate of items/materials annexed as Annexure-1 for Construction Works from Quarry owners/ Crusher owners/ Reputed Manufacturer/ Authorized dealers/ Suppliers and other stakeholders authorized for respective items having valid GSTIN of materials. The rates conforming to specifications for inclusion in the Schedule of Rates for Government of Jharkhand to be used in different Civil construction/infrastructure works and repair works shall be submitted online in the website Http://Jharkhandtenders.gov.in Details of material and its Specifications are available on the above e-tender portal. The quotationer may download the documents from the website and quote their rate of materials online from 01.01.2026 at the 10:30hrs. to 06.01.2026 at 17:00 hrs. The quotation will be opened on 08.01.2025 at 10:30 hours.

The quotation is invited to ascertain and assess the Rate of Materials at par with lowest market rate for framing of Schedule of Rate.

Address for Communication:-
Executive Engineer
Irrigation Mechanical Division
In front of Nepal House
Bairake No. – 03
Doranda, Ranchi – 834002.
Mobile No. – 9199101446

PR 369466 Water Resource (25-26)_D

Executive Engineer
Irrigation Mechanical Division
Ranchi.

सुविचार

सबसे मुश्किल रास्ता वह होता है जब आपको अकेले चलना पड़ता है, लेकिन वही रास्ता आपको मजबूत भी बनाता है।

सच से मुंह मोड़ने की बेशर्मी है बांग्लादेश में हिंदूओं की हत्याओं पर मौलाना रशीदी का वक्तव्य

बांग्लादेश में अल्पसंख्यक हिंदुओं के विरुद्ध हो रही हिंसा अब किसी छिटपुट घटना या आकस्मिक उन्माद का विषय नहीं रह गई है। यह बार-बार दोहराया जाने वाला, स्पष्ट पैटर्न वाला और भय पैदा करने वाला यथार्थ है, जिसे आज वही लोग नकार सकते हैं जो या तो जानबूझकर आंखें मूंदे हुए हैं या फिर वैचारिक कारणों से सच्चाई स्वीकार करने को तैयार नहीं हैं। हाल के दिनों में राजबाड़ी जिले में 29 वर्षीय हिंदू युवक अमृत मंडल उर्फ सम्राट की भीड़ द्वारा पीट-पीटकर हत्या और उससे पहले दीपू चंद्र दास की हत्या कर उसके शव को पेड़ पर लटका कर जलाने की घटना साफ तौर पर साबित करती है कि बांग्लादेश में हिंदू होना कभी भी जानलेवा हो सकता है। ऐसे समय में, जब संवेदनशीलता, नैतिक स्पष्टता और पीड़ितों के साथ खड़े होने की आवश्यकता है, भारत में ऑल इंडिया इमाम एसोसिएशन के अध्यक्ष मौलाना साजिद रशीदी का घोर निराशाजनक बयान सामने आया है। उनका यह कहना कि ह्लबांग्लादेश में हिंदुओं की हत्या को नरसंहार नहीं कहा जाना चाहिएह्व और यह कि ह्लकोई अल्पसंख्यक खतरे में नहीं हैह्व, वास?तव में नैतिक पतन, बौद्धिक बेईमानी और मानवीय संवेदना के अभाव का खुला प्रदर्शन है।

रशीदी का यह तर्क कि बांग्लादेश में हिंसा हिंदुओं के खिलाफ नहीं हो रही है, सरकार और प्रशासन के खिलाफ लोगों के गुस्से का नतीजा है, तथ्यों के साथ क्रूर मजाक भी कहा जा सकता है। यदि यह गुस्सा वास्तव में सत्ता या प्रशासन के विरुद्ध है तब फिर उसका शिकार हिंदू युवक-युवतियां एवं उनके परिवार ही क्यों बनाए जा रहे हैं? क?यों मंदिर तोड़े जा रहे हैं, मूर्तियां खंडित करने का क?या औचित?य है? हिंदू बस्तियां ही क्यों जलाई जातीं और हिंदू परिवार ही क्यों पलायन को मजबूर होते दिख रहे हैं? कहना होगा कि यह कोई संयोग नहीं है, यथार्थ में एक स्थापित और पहचाना जा सकने वाला पैटर्न है, जिसे नकारना या छिपाना सच्चाई से भागने जैसा है। रशीदी की बयानबाजी का सबसे घिनौना पहलू यह है कि वे हिंसा को ह्लधार्मिक दृष्टि से जोड़नेह्व को गलत बताते हैं, जबकि जमीनी सच्चाई यह है कि पीड़ितों की पहचान बार-बार उनकी धार्मिक पहचान (मजहब) से तय होती है। जब हर बड़ी हिंसक घटना में पीड़ित एक ही समुदाय से हों तो उसे धर्मनिरपेक्ष गुस्से का नाम देना सच को ढंकने की चालाक कोशिश है। यह वही पुराना तरीका है, जिसमें पीड़ित को ही अदृश्य बना दिया जाता है।

मौलाना रशीदी द्वारा गाजा और भारत की मॉब लिंचिंग का उदाहरण देना भी उनकी बौद्धिक दिवालियापन को उजागर करता है। यह तथाकथित तुलना बिल?कुल अप्रासंगिक है और नैतिक रूप से भी आपत्तिजनक भी है। नरसंहार एक दिन में लाखों लोगों की हत्या का नाम नहीं है। यह एक धीमी, सुनियोजित और लगातार चलने वाली प्रक्रिया भी हो सकती है, जिसमें किसी समुदाय को डर, हिंसा और असुरक्षा के माहौल में जीने को मजबूर किया जाए, जिससे कि वो अंततः अपना घर, जमीन और देश छोड़ पलायन कर जाए। वस?तुतः बांग्लादेश में हिंदुओं की घटती आबादी इसी सच्चाई की गवाही देती है। यह एक एतिहासिक तथ?य है कि साल 1971 के बाद से आज तक बांग्लादेश में हिंदुओं की संख्या में लगातार गिरावट आई है। यह गिरावट कोई प्राकृतिक जनसंख्या परिवर्तन का परिणाम नहीं है, यह तो उस हिंसा, धमकी, जमीन हड़पने और सामाजिक बहिष्कार का सीधा नतीजा है जो हिन?दुओं के साथ वर्षों बसर से लगातार यहां किया जा रहा है। वास?तव में जब कोई समुदाय दशकों तक इसी तरह निशाने पर रहे, तो उसे नरसंहार के दायरे से बाहर रखने की जिद केवल शब्दों का खेल है, सच्चाई का नहीं। रशीदी का यह कहना कि इस्लाम किसी को मारने की अनुमति नहीं देता, सुनने में अच्छा लग सकता है, किंतु यह बयान जमीनी हकीकत से पूरी तरह अलग है। सवाल यह नहीं है कि धर्म क्या कहता है, सवाल यह है कि धर्म के नाम पर या धर्म की आड़ में क्या हो रहा है। जब एक ही समुदाय बार-बार मारा जा रहा हो और दोषियों को सजा न मिलती हो, तब यह कोई व्यक्तिगत अपराध नहीं रह जाता है, ऐसे में यह एक सामूहिक और संस्थागत अपराध का रूप ले लेता है। जो बांग्लादेश में देखा जा रहा है।

सबसे खतरनाक बात यह है कि रशीदी जैसों के इस तरह के बयान हिंसा करने वालों को नैतिक संबल देते हैं। जब प्रभावशाली मजहबी नेता यह कहने लगें कि ह्लकोई अल्पसंख्यक खतरे में नहीं हैह्व, तो यह संदेश जाता है कि पीड़ितों की चीखें मायने नहीं रखतीं। आज यह बयान न सिर्फ बांग्लादेश के हिंदुओं के लिए अपमानजनक है, बल्कि भारत जैसे देश में रहने वाले करोड़ों हिंदुओं की पीड़ा का भी उपहास है। रशीदी ह्लदोहरे मापदंडह्व की बात करते हैं, लेकिन असली दोहरा मापदंड उनकी अपनी सोच में झलकता है। जब पीड़ित हिंदू हों, तो शब्दों की कसौटी बदल जाती है, परिभाषाएँ सख्त हो जाती हैं और संवेदना सीमित हो जाती है। यह चयनात्मक नैतिकता किसी भी सभ्य समाज के लिए घातक है। मानवाधिकार धर्म देखकर लागू नहीं होते और हिंसा को सही या गलत ठहराने के पैमाने भी धर्म के आधार पर नहीं बदले जा सकते। आज आवश?यकता इस बात की है कि बांग्लादेश में हिंदुओं के खिलाफ हो रही हिंसा को बिना किसी वैचारिक चश्मे के देखा जाए। उसे स्वीकार किया जाए, उस पर खुलकर बात की जाए और पीड़ितों के साथ खड़ा हुआ जाए। मौलाना रशीदी जैसे बयान इस प्रक्रिया में बाधा हैं, वे सच्चाई को कुचलने का काम करते हैं। यह बेशर्मी है, नैतिक जिम्मेदारी से पलायन है। कहना होगा कि जब निर्दोष लोग मारे जा रहे हों और कोई प्रभावशाली आवाज यह कहे कि ह्लकुछ भी गलत नहीं हो रहाह्व, तो वह आवाज भी अपराध में सहभागी बन जाती है। बांग्लादेश के हिंदुओं की पीड़ा को नकारना या हल्का दिखाना एक गंभीर नैतिक अपराध है और इस पर चुप्पी या समर्थन, दोनों ही समान रूप से दोषी हैं। यही वह सच्चाई है, जिससे भागने की कोशिश मौलाना रशीदी कर रहे हैं, जिसकी भरसक आलोचना चहुंओर से होना ही चाहिए।

गुरू गोबिंद सिंह जी: त्याग और बलिदान के सच्चे प्रतीक

किसी भी व्यक्ति को न किसी से डरना चाहिए और न ही दूसरों को डराना चाहिए। उन्होंने समाज में फैले भेदभाव को समाप्त कर समानता स्थापित की थी और लोगों में आत्मसम्मान तथा निडर रहने की भावना पैदा की। एक आध्यात्मिक गुरु होने के साथ-साथ वे एक निर्भयी योद्धा, कवि, दार्शनिक और उच्च कोटि के लेखक भी थे।

योगेश कुमार गोयल

सिखों के 10वें गुरु गोबिंद सिंह जी का प्रकाश पर्व इस वर्ष 27 दिसंबर को मनाया जा रहा है। हिन्दू कैलेंडर के अनुसार गुरु गोबिंद सिंह का जन्म 1667 ई. में पौष माह की शुक्ल पक्ष की सप्तमी तिथि को 1723 विक्रम संवत को पटना साहिब में हुआ था। प्रतिवर्ष इसी दिन गुरु गोबिंद सिंह का प्रकाशोत्सव मनाया जाता है। गुरु गोबिंद सिंह जी को बचपन में गोबिंद राय के नाम से जाना जाता था। उनके पिता गुरु तेग बहादुर सिखों के 9वें गुरु थे।

पटना में रहते हुए गुरू जी तीर-कमान चलाना, बनावटी युद्ध करना इत्यादि खेल खेला करते थे, जिस कारण बच्चे उन्हें अपना सरदार मानने लगे थे। पटना में वे केवल 6 वर्ष की आयु तक रहे और सन् 1673 में सपरिवार आनंदपुर साहिब आ गए। यहीं पर उन्होंने पंजाबी, हिन्दी, संस्कृत, बृज, फारसी भाषाएं सीखने के साथ घुड़सवारी, तीरंदाजी, नेजेबाजी इत्यादि युद्धकलाओं में भी महारत हासिल की। कश्मीरी पंडितों के धार्मिक अधिकारों की रक्षा के लिए उनके पिता और सिखों के 9वें गुरु तेग बहादुर जी द्वारा नवम्बर 1975 में दिल्ली के चांदनी चौक में शीश कटाकर शहादत दिए जाने के बाद मात्र 9 वर्ष की आयु में गुरु गोबिंद सिंह जी ने सिखों के 10वें गुरू पद की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी संभाली और खालसा पंथ के संस्थापक बने। शौर्य, साहस, त्याग और बलिदान के सच्चे प्रतीक तथा इतिहास को नई धारा देने वाले अद्वितीय, विलक्षण और अनुपम व्यक्तित्व के स्वामी गुरु गोबिंद सिंह जी को इतिहास में एक विलक्षण क्रांतिकारी संत व्यक्तित्व का दर्जा प्राप्त है। वे कहते थे कि किसी भी व्यक्ति को न किसी से डरना चाहिए और न ही दूसरों को डराना चाहिए। उन्होंने समाज में फैले भेदभाव को समाप्त कर समानता स्थापित की थी और लोगों में आत्मसम्मान तथा निडर रहने की भावना पैदा की।

एक आध्यात्मिक गुरु होने के साथ-साथ वे एक निर्भयी योद्धा, कवि, दार्शनिक और उच्च कोटि के लेखक भी थे। उन्हें विद्वानों का संरक्षक भी माना जाता था। कहा जाता है कि 52 कवियों और लेखकों की उपस्थिति सदैव उनके दरबार में बनी रहती थी और इसीलिए उन्हें ह्यसंत सिपाहीह्व भी कहा जाता था। उन्होंने स्वयं कई ग्रंथों की रचना की थी। ह्यबिचित्र नाटकह्व को गुरु गोबिंद सिंह की आत्मकथा माना जाता है, जो उनके जीवन के विषय में जानकारी का सबसे महत्वपूर्ण स्रोत है। यह ह्यदशम ग्रंथह्व का एक भाग है, जो गुरु गोबिंद सिंह की कृतियों के संकलन का नाम है। इस दशम ग्रंथ की रचना गुरू जी ने हिमाचल के पोंटा साहिब में की थी। कहा जाता है कि एक बार गुरु गोबिंद सिंह अपने घोड़े पर सवार होकर हिमाचल प्रदेश से गुजर रहे थे और एक स्थान पर उनका घोड़ा अपने आप आकर रुक गया। उसी के बाद से उस जगह को पवित्र माना जाने लगा और उस जगह को पोंटा साहिब के नाम से जाना जाने लगा।

दरअसल ह्यपोंटाह्व शब्द का अर्थ होता है ह्यपांवह्व और जिस जगह पर घोड़े के पांव अपने आप थम गए, उसी जगह को पोंटा साहिब नाम दिया गया। गुरु जी ने अपने जीवन के चार वर्ष पोंटा साहिब में ही बिताए, जहां अभी भी उनके हथियार और कलम रखे हैं।1699 में बैसाखी के दिन तख्त श्री केसगढ़ साहिब में कड़ी परीक्षा के बाद पांच सिखों को ह्यपंज प्यारेह्व चुनकर गुरु गोबिंद सिंह ने खालसा पंथ की स्थापना की थी, जिसके बाद प्रत्येक सिख के लिए कृपाण या श्रीसाहिब धारण करना अनिवार्य कर दिया गया। वहीं पर उन्होंने ह्यखालसा वाणीह्व भी दी, जिसे ह्यवाहे गुरु जी का खालसा, वाहेगुरु जी की फतेहह्व कहा जाता है। उन्होंने जीवन जीने के पांच सिद्धांत दिए थे, जिन्हें ह्यपंच ककारह्व (केश, कड़ा, कृपाण, कंघा और कच्छा) कहा जाता है। गुरु गोबिंद सिंह ने ही ह्यगुरु ग्रंथ साहिबह्व को सिखों के स्थायी गुरु का दर्जा दिया था। सन् 1708 में गुरु गोबिंद सिंह ने महाराष्ट्र के नांदेड़ में शिविर लगाया था। वहां जब उन्हें लगा कि अब उनका अंतिम समय आ गया है, तब उन्होंने संगतों को आदेश दिया कि अब गुरु ग्रंथ साहिब ही आपके गुरु हैं।गुरु जी का जीवन दर्शन था कि धर्म का मार्ग ही सत्य का मार्ग है और सत्य की हमेशा जीत होती है। वे कहा करते थे कि मनुष्य का मनुष्य से प्रेम ही ईश्वर की भक्ति है, अतः जरूरतमंदों की मदद करो। अपने उपदेशों में उनका कहना था कि ईश्वर ने मनुष्यों को इसलिए जन्म दिया है ताकि वे संसार में अच्छे कर्म करें और बुराई से दूर रहें।

उन्होंने कई बार मुगलों को परास्त किया। आनंदपुर साहिब में तो मुगलों से उनके संघर्ष और उनकी वीरता का स्वर्णिम इतिहास बिखरा पड़ा है। सन् 1700 में दस हजार से भी ज्यादा मुगल सैनिकों को सिख जांबाजों के सामने मैदान छोड़ कर भागना पड़ा था और गुरु जी की सेना ने 1704 में मुगलों के अलावा उनका साथ दे रहे पहाड़ी हिन्दू शासकों को भी करारी शिकस्त दी थी। मुगल शासक औरंगजेब की भारी-भरकम सेना को भी आनंदपुर साहिब में दो-दो बार धूल चाटनी पड़ी थी।

गुरु गोबिंद सिंह के चारों पुत्र अजीत सिंह, फतेह सिंह, जोरावर सिंह और जुझार सिंह भी उन्हीं की भांति बेहद निडर और बहादुर योद्धा थे। अपने धर्म की रक्षा के लिए मुगलों से लड़ते हुए गुरु गोबिंद सिंह ने अपने पूरे परिवार का बलिदान कर दिया था। उनके दो पुत्रों बाबा अजीत सिंह और बाबा जुझार सिंह ने चमकौर के युद्ध में शहादत प्राप्त की थी। 26 दिसम्बर 1704 को गुरु गोबिंद सिंह के दो अन्य साहिबजादों जोरावर सिंह और फतेह सिंह को इस्लाम धर्म स्वीकार नहीं करने पर सरहिंद के नवाब द्वारा दीवार में जिंदा चुनवा दिया गया था और माता गुजरी को किले की दीवार से गिराकर शहीद कर दिया गया था। गुरु गोबिंद सिंह ने 7 अक्टूबर 1708 को महाराष्ट्र के नांदेड़ में स्थित श्री हुजूर साहिब में अपने प्राणों का त्याग किया था।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

दुनिया भर के लिए बड़ी चुनौती बना पर्यावरण संकट

गुणात्मक जीवन के बजाय बाहुल्य को विकास माना जाने लगा। प्रकृति के साथ दुर्व्यवहार का अंतहीन सिलसिला आरंभ हो गया। प्रकृति के दोहन से ही बाहुल्य के लिए सामान बनाए जा सकते थे इसलिए प्राकृतिक संसाधनों के असीमित दोहन की शुरूआत हो गई। उपनिवेशवाद के दौर में कम मशीनी शक्ति वाले देशों पर तथाकथित विकसित देशों द्वारा कब्जे किये गए और उनके संसाधनों को बेदर्दी से नष्ट किया गया।

कुलभूषण उपमन्यु

पिछली डेढ़ शताब्दी, जब से औद्योगिक क्रांति ने विकास की गति तेज की और प्रकृति को जीतने की होड़ मच गई, मशीनों ने बंधक-निर्माण-शक्ति मानव के हाथ में दे दी तब से विकास की परिभाषा भी धीरे-धीरे बदल गई। गुणात्मक जीवन के बजाय बाहुल्य को विकास माना जाने लगा। प्रकृति के साथ दुर्व्यवहार का अंतहीन सिलसिला आरंभ हो गया। प्रकृति के दोहन से ही बाहुल्य के लिए सामान बनाए जा सकते थे इसलिए प्राकृतिक संसाधनों के असीमित दोहन की शुरूआत हो गई। उपनिवेशवाद के दौर में कम मशीनी शक्ति वाले देशों पर तथाकथित विकसित देशों द्वारा कब्जे किये गए और उनके संसाधनों को बेदर्दी से नष्ट किया गया। सभ्य कहलाने वाले देशों द्वारा कमजोर देशों के मूल निवासियों को किस तरह प्रताड़ित किया, उनकी सभ्यताओं को असभ्य घोषित करके नष्ट करने का कार्य किया गया, वह अपने आप में घिनौना इतिहास है। इसके अवशेष अमेरिका और ऑस्ट्रेलिया के मूल निवासियों के रूप में देखे जा सकते हैं। किन्तु यह आधुनिक सभ्यता अब अपने ही भार से भस्मासुर की तरह नष्ट होने की दिशा में बढ़ती प्रतीत हो रही है। इस सभ्यता ने अपने ही मूल पर आघात करना शुरू कर दिया है। वैज्ञानिक समझ के विकास के चलते सब गलत दिशा को समझ भी रहे हैं किन्तु विज्ञान का दुरूपयोग प्रकृति विनाशक शक्ति के रूप में किया जा रहा है। दुनिया के सबसे विद्वान वैज्ञानिकों की बहुसंख्या युद्ध विज्ञान के विकास में संलग्न कर दी गई है क्योंकि निर्णय लेने वाले लोग आदिम क्रूर मानसिकता के ही वाहक बने हुए हैं जिनके हाथ में मशीन और विज्ञान, प्रकृति एवं प्राणी समाज के साथ मनमानी करने का हथियार बन गया है। ज्ञान, सुख और शांति का वाहक बनने के बजाय युद्ध और क्रूरता का वाहक बन गया है। इस स्थिति में संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम के सातवें अधिवेषण में नैरोबी में प्रस्तुत की गई ग्लोबल आउटलुक 2025 रिपोर्ट पर्यावरण के साथ किये जा रहे दुर्व्यवहार को सरेखित करती है और अपने तौर-तरीकों पर मानव समाज को पुनर्विचार करके संशोधित करने की दिशा दिखलाती है। जलवायु परिवर्तन, प्रकृति के साथ किये जा रहे दुर्व्यवहार की प्रतिक्रिया के रूप में एक बड़े खतरे के रूप में चुनौती पेश कर रहा है। मशीनीकरण को चलाए रखने के लिए जिस उर्जा की बड़े पैमाने पर जरूरत है, वह जीवाश्म ईंधन से पैदा की जा रही है। इस उत्पादन प्रक्रिया में बड़े पैमाने पर धुआं और जहरीली गैसें उत्सर्जित होती हैं जो हरित प्रभाव पैदा करके वायुमंडल के तापमान में अप्रत्याशित वृद्धि कर रही हैं। तापमान वृद्धि से पूरा जलवायु का संतुलन हिल गया है। कहीं अतिवृष्टि हो रही है तो कहीं अनावृष्टि हो रही है। ग्लेशियर पिघल कर समाप्त होने की ओर अग्रसर हैं जो आसन्न जल संकट का कारण बनेंगे। रिपोर्ट के अनुसार हरित प्रभाव गैसों के उत्सर्जन से अभी 1.5 डिग्री सेंटीग्रेड तक तापमान में वृद्धि हुई है जो साल 2024 में 1.55 डिग्री सेंटीग्रेड हो गई है। इस गति से वृद्धि होने पर जलवायु पर बहुत बुरा प्रभाव पड़ रहा है जो आगे बढ़ता जाएगा। यदि तापमान वृद्धि को रोका नहीं गया तो इसके कारण जैव विविधता पर भी बुरा असर पड़ने वाला है। जिससे 10 लाख प्रजातियों के विलुप्त होने का खतरा पैदा हो गया है। 20 से 40% प्रतिशत भू-भाग वैश्विक स्तर पर अनुपजाऊ होने के कगार पर है, जिससे 300 करोड़ लोग प्रभावित होंगे। जलवायु से जुड़ी भीषण घटनाओं के कारण जनधन की भारी हानि हो रही है। आर्थिक रूप में वार्षिक 14300 करोड़ डॉलर की हानि पिछले दो दशकों से हो रही है। वायु प्रदूषण के कारण साल 2019 में स्वास्थ्य संबंधी आर्थिक नुकसान 8.1 ट्रिलियन डॉलर आंका गया, जो वैश्विक अर्थ व्यवस्था का 6.1 प्रतिशत है। 90 लाख मौतें प्रदूषण संबंधी कारणों से हुईं। 80 हजार लाख टन प्लास्टिक कचरा फैला हुआ है, जिससे गंभीर रासायनिक तत्वों से संपर्क हो रहा है और इससे 1.5 ट्रिलियन डॉलर की आर्थिक हानि प्रति वर्ष हो रही है। नैनो प्लास्टिक तत्व मानव शरीर तक पहुंच कर स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं पैदा कर रहे हैं। अनुमान है कि यदि साल 2040 तक तापमान वृद्धि 2 डिग्री सेंटीग्रेड तक पंहुच गई तो जलवायु परिवर्तन के कारण पारिस्थितिक-व्यवस्था का अपूरणीय विनाश हो सकता है जिससे बड़े पैमाने पर विस्थापन होगा। अर्थव्यवस्थाएँ चौपट हो सकती हैं और बेरोजगारी, गरीबी और अस्थिरता बढ़ेगी। उपजाऊ जमीनों के नष्ट होने से भूख, विविधता विनाश, पौष्टिक आहार की कमी, अकाल और सामाजिक असंतोष के हालात बनेंगे। इस स्थिति से निपटने के लिए तत्काल गंभीर प्रयास करने की जरूरत है। किन्तु जलवायु नियंत्रण समझौतों के विषय में बहुत से देश विमुखता दिखा रहे हैं। जो मान भी रहे हैं वे भी हरित प्रभाव गैसों के उत्सर्जन में कटौती के लिए स्व घोषित लक्ष्य ही मानने तक सीमित रहना चाहते हैं। इस स्थिति से बाहर निकल कर कुछ आवश्यक कदम उठाने होंगे। खासकर हरित प्रभाव गैसों के उत्सर्जन में भारी कटौती करनी होगी। जिसके लिए कार्बन मुक्त उर्जा विकल्पों की ओर मुड़ना होगा। सौर उर्जा, पवन उर्जा, हाइड्रो काइनेटिक उर्जा आदि विकल्प उपलब्ध और विकसित करने होंगे। पेट्रोल, डीजल पर दी जा रही सब्सिडी को हरित उर्जा की ओर मोड़ना पड़ेगा।

अत्यधिक संसाधन दोहन और दुरूपयोग को नियंत्रित करने के लिए ह्लयूज एंड थ्रोह्व उत्पाद पद्धति को बदल कर टिकाऊ और मरम्मत किये जा सकने योग्य उत्पाद बनाने होंगे। बेकार पदार्थों और कचरे के पुनः चक्रीकरण की व्यवस्थाओं को प्रोत्साहित करना संसाधनों के अत्यधिक दोहन को रोकने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम साबित होगा। वायु प्रदूषण को रोकना, पारिस्थितिक तंत्र को बचाना और पुनर्जीवित करने पर जोर देना पड़ेगा।

जलवायु परिवर्तन से मुकाबला करने के लिए इसे रोकने के जरूरी कदम उठाने के साथ-साथ जलवायु अनुकूलन की विधियाँ तलाशनी होंगी। परिवहन के कारण होने वाले भारी प्रदूषण से निपटने के लिए टिकाऊ सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था को आरामदायक बनाते हुए उसे विकसित करना पड़ेगा। समस्याएँ तो आती रहेंगी किन्तु समाधान के लिए प्रकृति आधारित हल प्राथमिकता से ढूंढे जाएं तो हालत सुधरने में मदद जरूर मिलेगी।

(लेखक, जाने-माने पर्यावरण विद् हैं।)

मोक्ष नगरी बनारस से गंगाजल लाने की मनाही क्यों

गंगा किनारे बसा बनारस एक बेहद महत्वपूर्ण तीर्थस्थल है। यह प्राचीन होने के अलावा आध्यात्मिक दृष्टि से भी खास महत्व रखता है। वहीं बनारस का भगवान शिव से भी संबंध माना जाता है। आमतौर पर श्रद्धालु हरिद्वार और प्रयागराज से गंगाजल लाते हैं और इन जगहों से गंगाजल लाना शुभ भी माना जाता है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि बनारस से गंगाजल लाने की मनाही होती है। जिसके पीछे एक खास वजह मानी जाती है। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको बताने जा रहे हैं कि बनारस से गंगाजल लाने की मनाही क्यों होती है।

जानिए क्यों नहीं लाया जाता गंगाजल

बनारस को काशी के नाम से भी जाना जाता है। काशी को मोक्ष नगरी भी कहा जाता है। बनारस में मौजूद मणिकर्णिका घाट पर रोजाना कई लोगों को दाह संस्कार किया जाता है और फिर उस राख को गंगा नदी में प्रवाहित किया जाता है। धार्मिक

मान्यता है कि ऐसा करने से मृतक व्यक्ति जन्म-मरण के चक्र से मुक्त होता है और उसको मोक्ष की प्राप्ति होती है। इस कारण बनारस से गंगाजल लाने की मनाही होती है। क्योंकि जाने-अंजाने में यहां से गंगाजल लाने पर मृत आत्माओं के अवशेष या राख के कण आ सकते हैं। जो मृतक की मुक्ति में बाधा पैदा कर सकते हैं। इसके अलावा यह भी मान्यता है कि इस स्थान के गंगाजल में कई जीवों का स्पर्श होते हैं। जोकि मोक्ष के लिए भटक रहे होते हैं। वहीं बनारस में तांत्रिक अनुष्ठान और मोक्ष कर्म भी संपन्न किए जाते हैं। ऐसे में इस स्थान से गंगाजल घर लेकर जाने से आपको लाभ स्थान पर निगेटिव परिणाम का सामना करना पड़ सकता है।

मान्यताएं

बनारस को लेकर यह भी कहा जाता है कि अगर आप यहां से गंगाजल या मिट्टी को अपने साथ लेकर आते हैं, तो इससे आपको पाप लग सकता है। इसके पीछे यह वजह मानी जाती है कि यहां की मिट्टी और जल लाने से आप इस जल में मौजूद जीवों को मोक्ष से वंचित कर देते हैं। जिस वजह से आपको भी पाप का भागी बनना पड़ सकता है।

टिप्स

कम चीनी बच्चों को देती है स्वस्थ भविष्य,

कुछ दशकों पहले तक जो बीमारियां उम्र बढ़ने के साथ हुआ करती थीं। वह बीमारियां अब कम उम्र के लोगों और बच्चों को भी अपना शिकार बना रही हैं। यह वजह है कि हेल्थ एक्सपर्ट कम उम्र से ही स्वास्थ्य को लेकर विशेष सावधानी बरतने की सलाह देते हैं। बता दें कि बच्चों का खानपान, खासकर अधिक शुगर और नमक का सेवन कई गंभीर बीमारियों का कारण बनता जा रहा है। शोध बताते हैं कि बच्चों के खाने में शुगर की अधिकता जैसे चॉकलेट, बिस्किट और जूस आदि उनके स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचा रही है गर समय रहते इसको कंट्रोल न किया जाए, तो इससे कई गंभीर बीमारियों का खतरा हो सकता है। ऐसे में अगर आपका लाडला बच्चा भी अगर चीनी वाली चीजों का अधिक सेवन कर रहा है, तो आपको सावधान हो जाना चाहिए, क्योंकि यह गंभीर बीमारियों को न्योता देने जैसा है।

दा चीनी बच्चों की सेहत के लिए हानिकारक

अध्ययनों से यह पता चलता है कि अधिक चीनी का सेवन करने से बच्चों में बार-बार बीमार पड़ने, एकाग्रता की कमी, मोटापा, हाइपरएक्टिविटी, प्रतिरोधक क्षमता की कमजोरी, दांतों की सड़न और डायबिटीज जैसी बीमारियों का जोखिम बढ़ाता है। वहीं पैक्ड फूड्स में भी हाई कैलोरी और हाई शुगर होती है, जिसको बच्चे काफी ज्यादा पसंद करते हैं। लेकिन लंबे समय तक इन चीजों का सेवन करना सेहत के लिए नुकसानदायक हो सकता है। एक अध्ययन में विशेषज्ञों ने बताया कि ज्यादा चीनी का सेवन करने से वेट बढ़ने और मोटापे से लेकर दिल की बीमारियों और डायबिटीज तक बच्चों की सेहत को कई नुकसान हो सकते हैं।

3 साल तक के बच्चों को नहीं देनी चाहिए चीनी

क्या जीवन के शुरूआती दौर में शुगर की मात्रा का सेवन कम करने से बड़े होने पर दिल की बीमारियों का जोखिम कम किया जा सकता है। हालांकि इसको समझने के लिए विशेषज्ञों की टीम ने अध्ययन किया।

मेट्रो रेज की ओर से स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक जीतेन्द्र कुमार सिंह के लिए जेके न्यूज नेटवर्क, पिपरटोली, अरगोड़ा, रांची 834002 (झारखंड) से प्रकाशित तथा शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा, पेट्रोल पंप रातू रोड, रांची , (झारखंड) से मुद्रित।

प्रधान संपादक : जीतेन्द्र कुमार सिंह, **संपादक** : लाल दिवाकर नाथ शाहदेव*, *पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार। समस्त दिवानी विवादों, न्यायोचित कार्रवाइयों एवं दंडित परिवादों के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। फोन : 7369017908, R.N.I. No.-JHAHIN/2017/75028 **website :** www.metrorays.in

email : metrorays.ranchi@gmail.com

न्यूज IN ब्रीफ

चोरी किए गए लोहे का सामान वापस करने की बात

साहिबगंज : नगर थाना क्षेत्र के गुल्ली भट्ठा स्थित बम काली के वाहन का करोन,सप्टा चक्का चोरों ने चोरी कर लिया। जिसका पूरा वाक्या सीसीटीवी फुटेज में कैद हो गया।जिसमें चार युवक के अलावा एक नाबालिग शामिल हैं।सीसीटीवी में साफ तौर में देखा जा रहा है कि चार चोर कंबल ओढ़ गली में आए और वहां का छक्का का पूरा सेट लेकर जा रहे हैं जिसमें एक नाबालिग भी है। सूत्रों के अनुसार बताया जा रहा है कि सोशल मीडिया में वीडियो वायरल होने के बाद चोरी किए गए लोहे का सामान वापस करने की बात आ रही है।

आठ लोगों पर बिजली चोरी का आरोप डेढ़ लाख रुपये का जुर्माना

साहिबगंज : वर्ष के अंतिम महीने में भी विद्युत विभाग अपने राजस्व लक्ष्य को पूरा करने को लेकर पूरी तरह सक्रिय नजर आ रहा है।इसी क्रम में शुक्रवार को लोहंडा क्षेत्र में अधीक्षण अभियंता नथन रजक के नेतृत्व में सघन छापामारी अभियान चलाया गया।इस दौरान विद्युत चोरी के आरोप में आठ लोगों के खिलाफ कार्रवाई की गई है।मौके पर मौजूद कनीय अभियंता नील गगन ने बताया कि जांच के दौरान यह पाया गया कि संबंधित उपभोक्ता अवैध तरीके से लाइन काटकर या सीधे तार जोड़कर विद्युत का उपयोग कर रहे थे।विद्युत अधिनियम के तहत इसे गंभीर अपराध मानते हुए तत्काल कार्रवाई की गई।छापामारी के दौरान अवैध कनेक्शन हटाए गए और संबंधित उपभोक्ताओं पर कुल डेढ़ लाख रुपये का जुमार्ना लगाया गया।जिसे राजस्व वसूली के रूप में जमा कराया जाएगा.अधिकारियों ने बताया कि इस प्रकार की कार्रवाई आगे भी लगातार जारी रहेगी ताकि विद्युत चोरी पर अंकुश लगाया जा सके और ईमानदार उपभोक्ताओं के हितों की रक्षा हो सके छापामारी अभियान में विद्युत कार्यपालक अभियंता शंभूनाथ चौधरी,सहायक अभियंता ज्ञानचंद समेत अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद थे।विद्युत विभाग ने आम लोगों से अपील की है कि वे वैध कनेक्शन लेकर ही बिजली का उपयोग करें और विद्युत चोरी से बचे।

सिखों ने मनाया बाल वीर बलिदानी दिवस

साहिबगंज : सिख धर्मा वलंबियों ने शुक्रवार को बाल वीर बलिदानी दिवस पर बाटा रोड स्थित गुरुद्वारा से सैंकड़ों की संख्या में सिख समुदाय के महिला-पुरुष ने शोभा यात्रा निकाली गई । इस शोभा यात्रा शहर के चौक बाजार,पटेल चौक,कॉलेज रोड टमटम स्टैंड काली मंदिर समीप से वापस मुख्य मार्ग होते हुए गुरुद्वारा परिसर में समाप्त हुई। शोभा यात्रा में भाजपा किसान मोर्चा के राष्ट्रीय मंत्री बजरंगी प्रसाद यादव भाजपा जिला अध्यक्ष उज्ज्वल मंडल,कुंदन साह,महेश तांती,महिला जिला अध्यक्ष गरिमा साह, ललन सिंह व अन्य भी शामिल शामिल हुए।यात्रा के उपरांत गुरुद्वारा में लंगर चलाया गया।मौके पर बलवीर सिंह,बिल्लू सिंह, जगजीत सिंह मनसुख सिंह,रवि अजमानी,शिशुपाल सिंह,राजेंद्र सिंह, लवली कौर सहित अन्य थे।

बांग्लादेश में लगातार हिन्दुओं को निशाना बनाया जा रहा है : करण

साहिबगंज : बांग्लादेश में हिंदुओं पर अत्याचार के विरोध में शुक्रवार की विहिप व बजरंग दल ने रैली निकाल आक्रोश व्यक्त किया।इसके पूर्व रेलवे मैदान स्थित तारा मंदिर परिसर से सैकड़ों युवाओं की मौजूदगी में विरोध रैली निकाली गई।रैली का नेतृत्व विश्व हिंदू परिषद बजरंग दल के जिला संयोजक आदित्य यादव ने किया।इस दौरान कार्यकताओं ने बांग्लादेश सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की।रैली कलिंगा होटल,नगर थाना मोड़,पटेल चौक,रेलवे स्टेशन चौक ग्रीन होटल मोड़ और टमटम स्टैंड होते हुए पूर्वी फाटक तक पहुंची।जहां कार्यकताओं ने बांग्लादेश सरकार का पुतला दहन कर आक्रोश व्यक्त किया।इस दौरान करण सिंह यादव ने कहा की बांग्लादेश में लगातार हिन्दुओं को निशाना बनाया जा रहा है। और वहाँ की सरकार मुकदर्शक बनी हुई है।श्री यादव ने भारत सरकार से बंगलादेश सरकार पर कड़ा हस्तक्षेप करने और वहाँ रह रहे हिन्दुओं को सुरक्षा प्रदान करने की मांग की है।मौके पर विश्व हिन्दू परिषद एवं बजरंग दल के दर्जनों कार्यकर्ता मौजूद थे।

हमारे स्तर पर जो भी हो सके हर संभव समस्या दूर करने का प्रयास करेंगे : एसपी

साहिबगंज : झारखंड पुलिस एसोसिएशन शाखा झारखंड सशस्त्र पुलिस 9 साहिबगंज मे अध्यक्ष पर अमलेश कुमार सिंह ने निर्विरोध निर्वाचित होने पर साहिबगंज पुलिस अधीक्षक कार्यालय में पुलिस अधीक्षक अमित कुमार सिंह से मिलकर उन्हें शॉल ओढ़ाकर बुके और मिठाई खिलाकर खुशी का इजहार किया।अध्यक्ष अमलेश कुमार सिंह ने पुलिस पदाधिकारी,पुलिस कर्मियों चतुर्थवर्गीय कर्मचारी के समस्या के बारे मे अवगत कराया।वही पुलिस अधीक्षक अमित कुमार सिंह ने आश्वासन दिया कि हमारे स्तर पर जो भी हो सके हर सम्भव समस्या दूर करने का प्रयास करेंगे।वही अध्यक्ष अमलेश कुमार सिंह ने झारखंड पुलिस एसोसिएशन शाखा झारखंड सशस्त्र पुलिस 9 मे 28 दिसम्बर को आयोजित होने वाले वनभोज कार्यक्रम मे पुलिस अधीक्षक को आमंत्रित भी किया।

महिला के साथ मारपीट कर किया घायल

साहिबगंज : जिरवाबाडी थाना क्षेत्र में एक महिला के साथ मारपीट कर महिला को किया घायल बताया जा रहा है कि जिरवाबाडी थाना क्षेत्र अंतर्गत बड़ा पचगढ़ सिंगाड़ी गांव निवासी राजकुमार रिखियासन की 28 वर्षीय पत्नी लक्ष्मी देवी के साथ गुरुवार को जोगिंदर रिखियासन ने मारपीट कर घायल कर दिया घायल महिला लक्ष्मी देवी ने आरोप लगाते हुए बताई की मैं घर पर थी और जोगिंदर रिखियासन आया और मेरे साथ अभद्र व्यवहार करने लगा जब मैं मना करने लगी तो मुझे पकड़ने लगा भागने की कोशिश किया तो उसने मुझ पर हमला कर दिया जिससे मैं घायल हो गई।

पुलिया निर्माण में भारी अनियमितता बरतने पर मुखिया और ग्रामीणों ने कार्य को बंद कराया

संवाददाता

साहिबगंज : बोरियो प्रखंड क्षेत्र बोरियो के पीडब्ल्यूडी बोरियो संथाली से पोखरिया भाया बिशनपुर तक बन रहे प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना में संवेदक वो संबंधित इंजीनियर द्वारा अपने कार्य अवधि से काफी देर होने के साथ निर्माण कार्य में अनियमितता बरती जा रही है। इस सड़क का निर्माण ग्रामीण कार्य विभाग द्वारा कराया जा रहा है। पीएमजीएसवाई अंतर्गत पुलिया निर्माण में भारी अनियमितता बरतने पर बिशनपुर पंचायत के मुखिया और ग्रामीणों ने विरोध करते हुए कार्य को बंद करा दिया है। मुखिया नीरज बेसरा के नेतृत्व में ग्रामीणों ने विरोध करते हुए बताया कि बड़ा कुसमी के समीप पुलिया निर्माण में भारी अनियमितता बरती जा रही है। बालू के जगह केवल डस्ट गर्दी और निम्न गुणवत्ता का सीमेंट का प्रयोग कर बोल्डर जोड़ाई का काम कराया जा रहा है। ग्रामीणों को संदेह है कि जिस तरह से पुलिया के निर्माण कार्य में सामग्री का उपयोग किया जा रहा है, इससे पुलिया की गुणवत्ता पर असर पड़ेगा और महज कुछ ही दिनों में पुलिया क्षतिग्रस्त हो जाएगी। बता दें कि इस सड़क का निर्माण कार्य

फरवरी 2025 में ही पूर्ण कर दिया जाना था, लेकिन दिसम्बर माह होने तक भी कार्य पूर्ण नहीं किया गया है। इस सड़क के निर्माण कार्य में भारी घोटाले की संभावना है, क्योंकि बोरियो संथाली से लेकर पोखरिया संथाली तक सड़क का निर्माण पहले से ही किया जा चूका है, जिसमें संवेदक द्वारा सिर्फ डेटिंग पेंटिंग और मरम्मती कराकर योजना राशि को डकारने की तैयारी चल रही है।

मुखिया नीरज बेसरा ने बताया कि ग्रामीणों के द्वारा पुलिया निर्माण में भारी अनियमितता बरतने की शिकायत पर स्थल पर पहुंचकर वस्तु स्थिति की जांच की गई। जांच के दौरान देखा कि डस्ट का प्रयोग कर पुलिया निर्माण किया जा रहा था। इसका विरोध करते हुए तत्काल रूप से कार्य को बंद करा दिया गया है। उन्होंने कहा कि जब तक कार्य को गुणवत्ता पूर्ण नहीं किया जाएगा तब तक कार्य को करने नहीं दिया जाएगा, क्योंकि इस सड़क से दर्जनों सुदूरवर्ती गांवों प्रखंड मुख्यालय से सीधे तौर पर जुड़ती है। खराब सड़क होने की वजह से वर्षों से इस सड़क के निर्माण की मांग ग्रामीण करते रहे हैं, ऐसे में अगर फिर से सड़क की गुणवत्ता खराब रहेगी तो ग्रामीणों को असुविधा होना निश्चित है। भ्रष्टाचार के कारण सड़क की खराब गुणवत्ता किसी भी कीमत में स्वीकार नहीं किया जाएगा। ग्रामीणों का कहना है कि कई बार संवेदक एजेंसी नीतेश सिंह प्राइवेट लिमिटेड को गुणवत्तापूर्ण व ससमय निर्माण कार्य को पूरा करने का आग्रह कर चुके हैं।परंतु संवेदक अपने मनमाने रवैये से बाज नहीं आ रहे है। अंततः परेशान होकर दर्जनों ग्रामीणों ने मुखिया नीरज बेसरा के नेतृत्व में उक्त सड़क के बड़ा कुसमी गांव के समीप पुलिया निर्माण के कार्य को रोक दिया है। ग्रामीणों का मांग है कि पुलिया व सड़क निर्माण के समय जेई की उपस्थिति सुनिश्चित हो, तथा अनियमितता में सुधार हो। मौके पर ग्रामीण ननकू हांसदा,मंत्री टुडू, देवीलाल मुर्मू सहित दर्जनों ग्रामीण मौजूद थे।

उपायुक्त ने सुनी आम लोगों की समस्या बना लोगों की उम्मीदों का केंद्र

संवाददाता

साहिबगंज : समाहरणालय स्थित उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी कार्यालय प्रकोष्ठ में आयोजित जनता दरबार ने एक बार फिर यह साबित किया कि यह पहल अब लोगों की उम्मीदों का केंद्र बन चुकी है।

उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी हेमंत सती की अध्यक्षता में आयोजित जनता दरबार में ग्रामीण एवं शहरी नागरिक उपस्थित हुए और अपनी समस्याएं सीधे जिला प्रशासन के समक्ष रखीं। भूमि विवाद, पेंशन भुगतान, पेयजल संकट, स्वास्थ्य सेवाएं, बिजली आपूर्ति, शिक्षा व्यवस्था सहित विभिन्न विभागीय मामलों से जुड़ी शिकायतें सामने आईं।उपायुक्त श्री सती ने प्रत्येक शिकायतकर्ता से व्यक्तिगत बातचीत की और उनकी समस्याओं को गंभीरता से सुना।

उन्होंने मौके पर ही संबंधित अधिकारियों को शीघ्र कार्रवाई का निर्देश देते हुए साफ शब्दों में कहा कि जनहित से जुड़े मामलों में किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। प्रशासन का लक्ष्य है। हर नागरिक को समयबद्ध, पारदर्शी और गुणवत्तापूर्ण समाधान उपलब्ध कराना।ज्ञात हो कि साहिबगंज में प्रत्येक मंगलवार और शुक्रवार को जनता दरबार आयोजित किया जाता है। इस व्यवस्था ने प्रशासनिक कार्यसंस्कृति को नई दिशा दी है। लोग बिना किसी मध्यस्थ के अपनी समस्याएं सीधे जिला प्रशासन तक पहुँचा रहे हैं। इससे जहां शासन और जनता के बीच संवाद मजबूत हुआ है, वहीं विश्वास भी गहरा हुआ है कि प्रशासन उनकी समस्याओं को सुनने और समाधान करने के लिए प्रतिबद्ध है।

कब्रिस्तान घेराबंदी को लेकर दो गुटों में विवाद

संवाददाता

साहिबगंज : राजमहल थाना क्षेत्र के सरकंडा गांव में शुक्रवार को कब्रिस्तान घेराबंदी को लेकर दो गुटों में विवाद हो गया। गांव के मुस्लिम परिवारों के लिए वर्षों पुरानी जमीन पर सरकारी योजना से कब्रिस्तान के चारदीवारी का निर्माण के लिए गड्ढा खुदवाया जा रहा था। तब ग्रामीणों ने विरोध किया और ग्रामीणों का कहना है कि जिस जमीन पर कब्रिस्तान घेराबंदी का निर्माण कार्य कराने की बात कही जा रही है।वो जमीन आनाबाद सरकारी है।लेकिन गांव के ही एक मुस्लिम परिवार द्वारा उक्त जमीन में अपना मालिकाना हक जताया जा रहा है जो सरासर गलत है। ग्रामीणों ने दाग संख्या 265 पर अधिकार जताने वाले मोहम्मद असलम अंसारी से जब जमीन के कागजात दिखाने को कहा तो असलम अंसारी द्वारा अदालत में कागज दिखाने की बात कही गई, जिसके बाद विवाद

पैदा हो गया। बता दें कि सरकारी स्वीकृति के बाद ठेकेदार द्वारा कब्रिस्तान की घेराबंदी की जा रही है, लेकिन झारभूमि में ऑनलाइन देखने पर दाग संख्या 265 अनआबाद सरकारी भूमि दिख रही है। हालांकि जमीन से जुड़े विवाद देखते हुए राजमहल थाना की पुलिस मौके पर पहुंच कर स्थिति को नियंत्रण कर जांच पड़ताल में जुटी है। जमीन को मेरे परदादा ने कब्रिस्तान के लिए किया था दान। दाग संख्या 265 के भूखंड पर मालिकाना हक जता रहे मो असलम अंसारी ने बताया कि उनके परदादा नखराज मियां ने मुस्लिम परिवारों को कब्र के लिए उक्त दाग संख्या की जमीन दान की थी। लेकिन अब जब कब्रिस्तान की घेराबंदी की जा रही है तब ग्रामीणों द्वारा विरोध किया जा रहा है।

कांग्रेसजनों ने डॉ.मनमोहन सिंह के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धांजलि दी

साहिबगंज : जिला कांग्रेस कार्यालय साहेबगंज में पूर्व प्रधानमंत्री डॉ.मनमोहन सिंह की पुण्यतिथि मनाई गई।जिला कांग्रेस कमिटी साहिबगंज के अध्यक्ष बरकतुल्लाह खान के नेतृत्व में कांग्रेसजनों ने डॉ.मनमोहन सिंह के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। साथ ही 2 मिनट का मौन धारण कर उनके आत्मा की शान्ति के लिए प्रार्थना की गई।इस कार्यक्रम के पश्चात जिला अध्यक्ष बरकतुल्लाह खान ने 28 दिसंबर को होने वाले कांग्रेस स्थापना दिवस की तैयारियों पर चर्चा की।साथ स्थापना दिवस के मौके पर हर घर पर कांग्रेस का झंडा लगाने के लिए कार्यकताओं के बीच कांग्रेस का झंडा वितरण किया एवं जरूरी दिशा निर्देश दिए।कार्यक्रम में अनुकूल मिश्रा,मोहम्मद कलीमुद्दीन,बासुकीनाथ यादव सरफराज आलम,मनीष प्रताप, रामबिलास यादव अमृतंजय कुमार यादव,सतीस कुमार पासवान,देवराज सिंह,रोहन रॉय,मुन्ना कुमार,मजहर खान,परमानंद सिंह,अली कुरैशी, आफताब आलम उर्फ चिंटू,सब्दुल अंसारी,मो मेराजुद्दीन,मो जाहिद खान, विनोद कुमार मंडल एवं दर्जनों कांग्रेसजन मौजूद रहे।

सिविल सोसाइटी ने मनाया वीर बालक दिवस

संवाददाता

दुमका : शुक्रवार को पूर्वाह्न 11.30 बजे पटेल सेवा संघ, शहीद सरदार भागवत राउत विचार मंच और सिविल सोसायटी के संयुक्त तत्वावधान में चौथे वीर बाल दिवस का आयोजन किया गया जिसकी शुरूआत 2022 में माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र दामोदरदास मोदी जी के द्वारा की गयी थी।

यह दिवस उन दो महान वीर बालकों की बलिदान की गाथा याद दिलाता है जब इसी तिथि को सन् 1705 ईस्वी में सरहिंद के नवाब वजीर खान को चुनौती देते हुए दसवें गुरु श्रद्धैय गुरु गोविन्द सिंह जी के दो किशोर वीर बालकों ने अपना बलिदान देकर अप्रतिम साहस, धर्मनिष्ठता, राष्ट्रप्रेम और वीरता का एक अनुपम उदाहरण दिया।

मात्र छः साल के साहिबजादा जोरावर सिंह जी और नौ साल के साहिबजादा फतेह सिंह जी को जीवित दीवार में चुनवा दिया गया परन्तु उन्होंने प्राणों के भय से इस्लाम स्वीकार करना स्वीकार नहीं किया।उनका यह बलिदान समस्त संसार के लिए एक अनुपम उदाहरण बन गया कि जान दे देंगे पर ईमान नहीं देंगे।

आज इस महान दिवस के पुनीत अवसर पर

हम सब इनके बलिदान को शत शत नमन करते हुए विनम्र श्रद्धांजलि भी अर्पित करते हैं।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि अंचल अधिकारी, दुमका अमर कुमार, सिविल सोसायटी दुमका के अध्यक्ष राधेश्याम वर्मा,उपाध्यक्ष प्रेम केशरी, जय माता दी सेवा समिति के अध्यक्ष और पटेल सेवा संघ के उपाध्यक्ष राजेश कुमार राउत,सरदार सुरेन्द्र सिंह, हरजीत सिंह,नवकिरत सिंह,वीर सिंह चावला,विजय कुमार सोनी, लक्ष्मीनारायण साह,विनोद राउत,गजेन्द्र कुमार,अंकित केशरी, रिंकू कुमार मंडल,रोहित यादव आदि

उपस्थित थे।कार्यक्रम की अध्यक्षता राधेश्याम वर्मा ने की तथा धन्यवाद ज्ञापन संदीप कुमार जय बमबम ने की।

कार्यक्रम में बारह वर्षीय बालक वीर सिंह चावला ने इन दोनों महान वीरों की संक्षिप्त वीर गाथा को पंजाबी भाषा में प्रस्तुत कर सभी को अभिभूत कर दिया।

भारत स्काउट्स एवं गाइड्स के बच्चे अग्नि सुरक्षा के उपायों से हुए रूबरू

संवाददाता

दुमका : भारत स्काउट्स एवं गाइड्स दुमका द्वारा श्रीराम कृष्ण आश्रम उच्च विद्यालय में संचालित पाँच दिवसीय गाइड्स शिविर के चौथे दिन अग्नि शमन विभाग, दुमका के कर्मी संतोष कुमार एवं शैलेन्द्र कुमार के द्वारा शिविर में भाग ले रही गाइड्स को आग के प्रकार एवं उससे बचाव के उपाय के बारे में विधिवत जानकारी दी गई। अग्निशमन कर्मी शैलेन्द्र कुमार एवं संतोष कुमार ने सारगर्भित ढंग से अग्नि सुरक्षा के बारे में गाइडों को जानकारी दी। शिविर के चौथे दिन गाइडों ने मंकी ब्रिज एवं कई अन्य प्रकार के गजट का प्रदर्शन किया। भारत स्काउट्स एवं गाइड्स के वरीय उपसभापति दिवाकर महतो, मुख्य जिला आयुक्त हरिश्चंद्र चौधरी, राष्ट्रपति पुरस्कार शिक्षक पूर्व प्रभारी प्राचार्य डॉ0 दिलीप कुमार झा, श्रीराम कृष्णा आश्रम उच्च विद्यालय,दुमका के प्रभारी प्राचार्य अशोक कुमार यादव,जिला सचिव विजय कुमार दूबे,जिला संगठन आयुक्त अपरेश कुमार, सहायक स्काउट मास्टर अनुराग नन्दन, सेवानिवृत्त शिक्षक शम्भूनाथ मिश्रा ने शिविर का निरीक्षण किया।शिविर में भाग लेने वाली गाइडों ने उत्साहपूर्वक अपने अपने गजट का प्रदर्शन किया।उपसभापति दिवाकर महतो ने गाइडों को उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि इस प्रशिक्षण सीखे गए सभी कौशल भावी जीवन में बहुत उपयोगी होगा। मुख्य जिला आयुक्त हरिश्चंद्र चौधरी ने कहा

कि स्काउट गाइड के शिविर में भाग लेने वाले स्काउट्स एवं गाइड्स जीवन मे आने वाले किसी भी कठिन परिस्थितियों को सुगमतापूर्वक सामना कर लेते हैं। राष्ट्रपति पुरस्कार प्राप्त शिक्षक डॉ0 दिलीप कुमार झा ने कहा कि मैं स्काउट्स एवं गाइड्स से इतना प्रभावित हूँ कि मैं सेवानिवृत्त होने के बाद सक्रिय रूप से भारत स्काउट्स एवं गाइड्स संस्था से जुड़ जाऊंगा।जिला संगठन आयुक्त अपरेश कुमार द्वारा गाइडों को प्राथमिक चिकित्सा की भी जानकारी दी गई। सहायक शिविर प्रधान अनुराग नन्दन एवं शिविर सहायक गुलशन विश्वकर्मा द्वारा विभिन्न प्रकार के उपयोगी गांठ एवं उपयोगी गजट के बारे में जानकारी दी गई।मौके पर प्रभारी प्राचार्य अशोक यादव,सेवानिवृत्त शिक्षक शम्भूनाथ मिश्रा, जिला संगठन आयुक्त अपरेश कुमार, शिक्षक अजीत कुमार शील,शिविर सहायक अनुराग नन्दन, गुलशन विश्वकर्मा, हरिमोहन, तुषार कुमार एवं अनुराग कुमार साह मौजूद थे।

होस्ट करेंगे दुनिया का सबसे बड़ा गेम शो 'व्हील ऑफ फॉर्च्यून'

14 साल बाद टीवी पर लौटेंगे अक्षय

'खिलाड़ी कुमार' यानी अक्षय कुमार फिल्मों में लोगों को एंटरटेन करने के बाद अब टीवी पर गेम खिलाने के लिए आ रहे हैं। एक बार फिर अक्षय कुमार बड़े पर्दे के अलावा छोटे पर्दे पर नजर आने वाले हैं। वो एमी अवॉर्ड विनर टीवी गेम शो 'व्हील ऑफ फॉर्च्यून' भारत में लेकर आ रहे हैं। अक्षय कुमार इस शो को होस्ट करेंगे। जानिए कब और कहां आएगा यह शो...

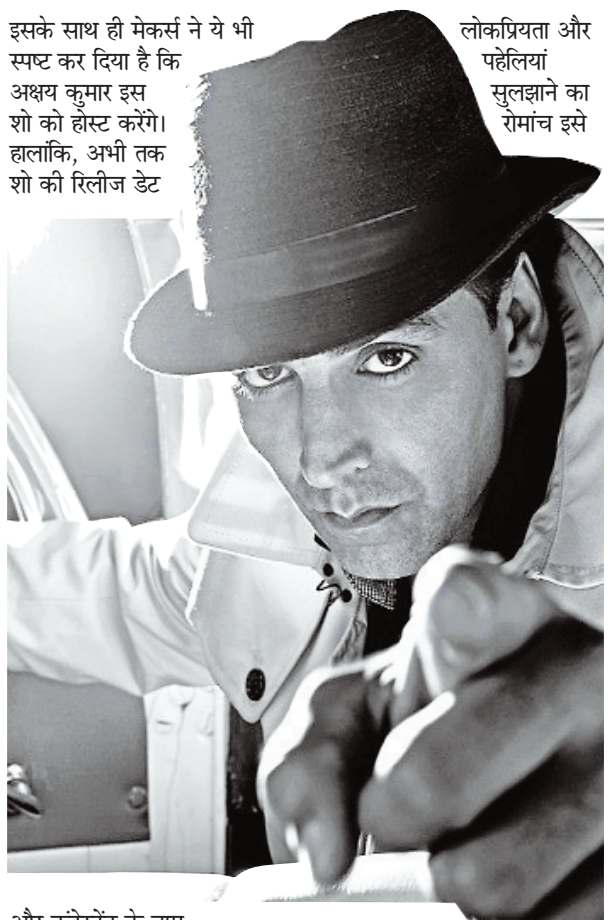

सोनी टीवी पर आएगा शो

आठ बार एमी अवॉर्ड जीतने वाला अमेरिका का नंबर वन टेलीविजन गेम शो 'व्हील ऑफ फॉर्च्यून' अब भारत में सोनी टीवी और सोनी लिव पर प्रसारित होने के लिए तैयार है। अक्षय कुमार शो में बतौर होस्ट शामिल होंगे। सोनी टीवी की ओर से इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट शेयर करते हुए बताया गया, 'दुनिया के सबसे बड़े टेलीविजन गेम शो ने भारत को नमस्ते कहा है।'

इसके साथ ही मेकर्स ने ये भी स्पष्ट कर दिया है कि अक्षय कुमार इस शो को होस्ट करेंगे। हालांकि, अभी तक शो की रिलीज डेट और कंटेस्टेंट के नाम सामने नहीं आए हैं।

अक्षय ने जताई खुशी

इस गेम शो से जुड़ने पर अभिनेता अक्षय कुमार ने भी खुशी जाहिर की है। एक्टर ने कहा कि 'व्हील ऑफ फॉर्च्यून' दुनिया भर में लाखों लोगों का पसंदीदा शो रहा है। मैं इसके भारतीय संस्करण को यहां के दर्शकों के सामने पेश करने के लिए बेहद उत्साहित हूं। कई पीढ़ियों से चली आ रही शो की लोकप्रियता और पहेलियां सुलझाने का रोमांच इसे दुनियाभर में लोकप्रिय बना चुका है। मुझे भरोसा है कि भारतीय दर्शक भी इसका भरपूर आनंद लेंगे। अक्षय कुमार इससे पहले 'खतरों के खिलाड़ी' के पहले, दूसरे और चौथे सीजन को भी होस्ट कर चुके हैं। चौथा सीजन साल 2011 में आया था। इसके अलावा वो एक कॉमेडी शो लेकर भी आए थे। हालांकि, ये ज्यादा दिन तक नहीं चला था। हाल ही में अक्षय करण जौहर के साथ 'पिच टू गेट रिच' में भी नजर आए थे। अब अक्षय दुनिया के सबसे पॉपुलर शो को लेकर आ रहे हैं।

सिस्टम और भ्रष्टाचार पर सवाल उठाती कहानी

'रात अकेली है- द बंसल मर्डर्स' सस्पेंस से भरपूर फिल्म

रात अकेली है - द बंसल मर्डर्स, निर्देशकः हनी त्रेहान, कलाकारः राधिका आप्टे, रजत कपूर, संजय कपूर, अखिलेंद्र मिश्रा, दीप्ति नवल, रेवती, नवाजुद्दीन सिद्दीकी, चित्रांगदा सिंह, प्रियंका सेतिया, कहां देखें: नेटफ्लिक्स, रिलीज डेटः 19 दिसंबर 2025, रन टाइमः 2 घंटे 15 मिनट, रेटिंग्सः 4 स्टार्स। 'रात अकेली है- द बंसल मर्डर्स' ने दर्शकों का ध्यान अपनी ओर खींचा है। यह फिल्म 2020 में रिलीज हुई पहली हिट फिल्म 'रात अकेली है' का सीक्वल है। हालांकि, फिल्म को इस तरह बनाया गया है कि अगर आपने पहली फिल्म नहीं देखी है, तब भी आप इसे आसानी से समझ सकते हैं। फिल्म की कहानी बंसल परिवार के इर्द-गिर्द घूमती है। यह एक अमीर और प्रतिष्ठित परिवार है, लेकिन एक रात अचानक वहां कई हत्याओं की घटनाएं घटती हैं। इस घटना से पूरे परिवार और समाज में हलचल मच जाती है। पुलिस इंस्पेक्टर जटिल यादव (नवाजुद्दीन सिद्दीकी) मामले की जांच करते हैं। वह जल्दी ही अपराधी का पता लगा लेते हैं।

आदाह शर्मा बनीं

'यूथ फॉर चेंज भारत - से नो टू ड्रग्स' अभियान की चेहरा

अभिनेत्री आदाह शर्मा को यूथ फॉर चेंज भारत - से नो टू ड्रग्स अभियान का चेहरा घोषित किया गया है। यह एक राष्ट्रव्यापी पहल है, जिसका उद्देश्य युवाओं को नशे से दूर रहने और स्वस्थ व सकारात्मक जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करना है।

इस अभियान की शुरुआत इंदौर से हुई, जिसने युवाओं की ऊर्जा और सांस्कृतिक जुड़ाव से प्रेरित एक सशक्त आंदोलन की नींव रखी। अभियान के लिए आदाह शर्मा का चयन एक स्वाभाविक निर्णय माना जा रहा है। वर्षों से उन्होंने विभिन्न फिल्मी शैलियों में काम कर युवा दर्शकों के साथ एक मजबूत रिश्ता बनाया है। द केरल स्टोरी जैसी गंभीर फिल्मों से लेकर 1920 फ्रेंचाइज़ी में उनकी लोकप्रिय भूमिका, सनफ्लावर और कमांडो में उनके अलग अंदाज़ और रीता सान्याल में कॉमेडी तक–आदाह ने अपनी बेहतरीन बहुमुखी प्रतिभा साबित की है।अभियान को लेकर अपनी खुशी जाहिर करते हुए आदाह ने कहा, 'मुझे इस अभियान का चेहरा चुने जाने पर बहुत खुशी है। हमने इसकी शुरुआत इंदौर, मध्य प्रदेश से की। हम यह संदेश फैलाना चाहते हैं कि असली मज़ा पैकेट या गोलियों में नहीं होता, बल्कि सबसे बेहतरीन 'हाई' नशे से दूर रहकर ज़िंदगी को पूरी तरह महसूस करने में है। ढोल बजाना बिल्कुल अचानक हुआ और मुझे बहुत मज़ा आया। '

60 करोड़ की धोखाधड़ी के मामले में शिल्पा शेट्टी ने आरोपों को बताया बेबुनियाद

60 करोड़ की धोखाधड़ी के मामले में फंसे बॉलीवुड एक्ट्रेस शिल्पा शेट्टी और राज कुंद्रा की मुश्किलें बढ़ती जा रही हैं। इस मामले में पुलिस कोर्ट में चार्जशीट दायर करने वाली है इसी बीच, एक्ट्रेस ने बेस्ट डील टीवी प्राइवेट लिमिटेड केस को लेकर ऑफिशियल बयान जारी किया है और भगवद गीता के श्लोक के जरिए अधर्म और न्याय की बात की है। बेस्ट डील टीवी केस (60 करोड़ की धोखाधड़ी) में शिल्पा शेट्टी का कहना है कि उन पर लगाए सभी आरोप बेबुनियाद हैं और एक महिला की गरिमा को ठेस पहुंचाने की कोशिश की जा रही है। आधिकारिक स्टेटमेंट जारी करते हुए अभिनेत्री ने कहा कि 'इस मामले से मेरा नाम जोड़ने की बेबुनियाद कोशिश से मुझे बहुत दुख पहुंचा है। कंपनी के साथ मेरा जुड़ाव पूरी तरह से नॉन-एग्जीक्यूटिव पद पर था, जिसमें ऑपरेशंस, फाइनेंस, फैसले लेने या किसी भी साइनिंग अथॉरिटी में मेरी कोई भूमिका नहीं थी। आधिकारिक बयान में आगे कहा गया कि कई दूसरी जानी-मानी हस्तियों की तरह, मैंने भी होम शॉपिंग चैनल के लिए कुछ प्रोडक्ट्स को सिर्फ प्रोफेशनल तौर पर एंडोर्स किया था। मेरे परिवार की तरफ से कंपनी को 20 करोड़ रुपये का लोन दिया गया था और अभी तक रकम को चुकाया नहीं गया है। उन्होंने आगे कहा कि कुछ शरारती तत्व क्रिमिनल लायबिलिटी की तरफ धकेलने की कोशिश कर रहे हैं, जो कानूनी तौर पर गलत है और कानून के तय सिद्धांतों के खिलाफ है।

बिना वजह के आरोप न सिर्फ तथ्यों को गलत तरीके से पेश करते हैं, बल्कि पब्लिक में एक महिला की गरिमा को भी ठेस पहुंचाते हैं। भगवद गीता का श्लोक याद करते हुए उन्होंने लिखा कि अन्याय का विरोध करना आपका कर्तव्य होता है, अगर आप ऐसा नहीं कर रहे हैं, तो ये अपने आप ही एक अधर्म है। उन्होंने आगे लिखा कि माननीय बॉम्बे हाई कोर्ट में पहले ही एक याचिका दायर की जा चुकी है, मुझे न्यायिक प्रक्रिया पर पूरा भरोसा है। बता दें कि 60 करोड़ की धोखाधड़ी के मामले में एक व्यापारी ने शिल्पा शेट्टी और राज कुंद्रा की कंपनी बेस्ट डील टीवी प्राइवेट लिमिटेड में निवेश किया था। व्यापारी का आरोप है कि लोन के रूप में कंपनी को 60 करोड़ रुपये दिए गए थे, लेकिन पैसा वापस देने की स्थिति में शिल्पा ने डायरेक्टर के पद से इस्तीफा दे दिया।

'कैंसर मतलब जिंदगी खत्म नहीं'

सबा के शो में हिना खान ने बताया मुश्किल दौर का अनुभव

टीवी एक्ट्रेस हिना खान ने अपने किरदारों से लाखों लोगों का दिल जीता है और आज भी रियलिटी शो कर फैंस को एंटरटेन कर रही हैं। साल 2024 अभिनेत्री के लिए मुश्किलों भरा रहा था, क्योंकि उन्होंने इसी साल स्टेज-3 के ब्रेस्ट कैंसर की जानकारी सोशल मीडिया के जरिए फैंस को दी थी। बीमारी का पता चलने से लेकर इलाज में होने वाली परेशानियों का सामना उन्होंने पूरी हिम्मत और धैर्य के साथ किया। अब उन्होंने अपने कैंसर जर्नी के बारे में सबा पटौदी के शो 'ऑल अबाउट हर' में खुलकर बात की और अपने दर्द को साझा किया।

सबा पटौदी ने अपने शो 'ऑल अबाउट हर' का नया वीडियो इंस्टाग्राम पर शेयर किया है, जिसमें वे हिना खान के साथ दिख रही हैं। हिना खान ने पहली बार किसी पॉडकास्ट पर अपनी बीमारी और उसमें होने वाली तकलीफों पर खुलकर बात की है। वीडियो में हिना खान कहती हैं कि 1 साल तक बहुत सारे स्कैन हुए और समझ नहीं आ रहा था कि क्या हो रहा है। कीमोथेरेपी पर बात करते हुए उन्होंने कहा कि ये बहुत दर्दनाक एक्सपीरियंस था, जिसे शब्दों में कह पाना मुश्किल है। उन्होंने आगे कहा कि लोगों के मन में डर है कि अगर कैंसर है तो जिंदगी खत्म है, लेकिन ऐसा नहीं है। कैंसर को हराया जा सकता है। अगर कैंसर को पूरी तरह खत्म नहीं किया जा सकता तो मैनेज करेंगे, लेकिन जिंदगी को जरूर जीएंगे। सबा पटौदी ने अपने शो 'ऑल अबाउट हर' में एक डॉक्टर के साथ कैंसर के हर बारीक पहलू पर बात की। अभिनेत्री ने कैप्शन में लिखा, 'कुछ कहानी हिम्मत के लिए बताई जाती हैं और हिना खान की कहानी उन्हीं हिम्मत भरी कहानियों में से एक है। हिना की कहानी सिर्फ मजबूती की नहीं, बल्कि दरियादिली की भी है। हिना खान ने सोशल मीडिया पर अपने ट्रीटमेंट की सारी जर्नी को शेयर किया है। आज भी वे अपने परिवार की ताकत और प्यार की वजह से कैंसर से लड़ रही हैं।

बताया कैसे रखा मायानगरी में कदम

आदित्य धर ने अकेले ही इंडियन सिनेमा का भविष्य पूरी तरह से बदल दिया है, चाहे वह उत्तर हो या दक्षिण... ऐसा इसलिए है क्योंकि धुरंधर सिर्फ एक फिल्म नहीं है... यह एक क्वांटम लीप है। उन्होंने फिल्म को लेकर और भी बहुत कुछ लिखा। अपनी फिल्म और अपने काम की इतनी तारीफ सुनकर आदित्य धर ने राम गोपाल वर्मा को अपनी प्रेरणा बताया। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, 'मैं सालों पहले एक सूटकेस, एक सपने और इस अजीब विश्वास के साथ मुंबई आया था कि एक दिन मैं राम गोपाल वर्मा के अंडर काम करूंगा। ऐसा कभी नहीं हुआ।

उर्वशी और गुरु रंधावा की वापसी!

मनोरंजन जगत में हलचल पहले से कहीं ज्यादा तेज़ है, क्योंकि दर्शकों की सबसे पसंदीदा जोड़ियों में से एक – उर्वशी रौतेला और गुरु रंधावा – आधिकारिक तौर पर फिर साथ आ चुके हैं। उनकी पिछली कोलैबोरेशन्स पहले ही पॉप-कल्चर में एक खास जगह बना चुकी हैं, और अब उनकी वापसी की खबर ने दुनियाभर के फैंस में सनसनी फैला दी है। प्रवक्ता के अनुसारः 'उर्वशी रौतेला और गुरु रंधावा एक बार फिर साथ काम करेंगे!' फैंसः 'जब दो सुपरस्टार साथ आते हैं, जादू होता है – इंतज़ार नहीं हो रहा! यह री-यूनियन सिर्फ एक इंडस्ट्री अपडेट नहीं है – यह उन लाखों लोगों के लिए एक भावुक पल है जिन्होंने इन दोनों पावरहाउस को स्क्रीन पर जादू बिखेरते देखा है। उनकी केमिस्ट्री, करिश्मा और स्टार पावर हमेशा वायरल सफलता में बदली है, और उनके अगले प्रोजेक्ट को लेकर उत्सुकता चरम पर है। जैसे ही यह खबर सामने आई, सोशल मीडिया फैंस की प्रतिक्रियाओं से भर गया – किसी को यकीन नहीं हो रहा था, तो कुछ खुशी से झूम उठे। कई फैंस ने बताया कि उन्होंने इस जोड़ी को कितना मिस किया, जबकि बाकी इस बात को लेकर उत्साहित थे कि ये दोनों अगला ब्लॉकबस्टर पल क्या लेकर आएंगे।

राम गोपाल वर्मा से मिली आदित्य धर को फिल्में बनाने की प्रेरणा

फिल्म निर्माता और निर्देशक आदित्य धर की फिल्म 'धुरंधर' अपने नाम की तरह लोगों के दिलों से लेकर बॉक्स ऑफिस पर राज कर रही है। हिंदी सिनेमा से जुड़ा हर शख्स फिल्म को 'आइकॉनिक' बता रहा है। अब हिंदी फिल्मों के डायरेक्टर राम गोपाल वर्मा ने फिल्म की तारीफ की और उसका जवाब देते हुए आदित्य ने उनके साथ काम करने की इच्छा जाहिर की। आदित्य का कहना है कि वे राम गोपाल वर्मा की वजह से ही फिल्में बनाना सीख पाए हैं। 'रंगीला' और 'आग' जैसी फिल्में बनाने वाले डायरेक्टर राम गोपाल वर्मा ने फिल्म 'धुरंधर' की तारीफ में एक के बाद एक ट्वीट किए और फिल्म को हिंदी सिनेमा का क्वांटम लीप कहा।

एटकिंसन की चोट से इंग्लैंड को बड़ा झटका, हैमस्ट्रिंग पकड़कर मैदान से बाहर

एजेंसी

मेलबर्न : ऑस्ट्रेलिया दौरे पर इंग्लैंड की तेज गेंदबाजी इकाई को एक और बड़ा झटका लगा है। बॉक्सिंग डे टेस्ट के दूसरे दिन इंग्लैंड के तेज गेंदबाज गस एटकिंसन बाएं पैर की हैमस्ट्रिंग में खिंचाव के कारण मैदान छोड़कर बाहर चले गए। एटकिंसन ने दूसरे दिन सुबह नाइटवॉचमैन स्कॉट बोलैंड को आउट कर इंग्लैंड को शुरूआती सफलता दिलाई थी, लेकिन अपनी पांचवीं ओवर की आखिरी गेंद डालते समय वह असहज दिखे। उन्होंने लगभग 61 मील प्रति घंटे (98 किमी/घंटा) की रफ्तार से गेंद फेंकी और तुरंत अपनी बाईं हैमस्ट्रिंग पकड़ ली। इसके बाद वह सीधे ड्रेसिंग रूम की ओर चले गए, जहां उनका मेडिकल आकलन किया गया। उनकी जगह ओली पोप ने सब्स्टीट्यूट फील्डर के तौर पर मैदान संभाला। लंच के बाद एटकिंसन मैदान पर वापस नहीं लौटे और अब उनका सिडनी में होने वाले पांचवें टेस्ट में खेलना संदिग्ध माना जा रहा है। इंग्लैंड टीम के प्रवक्ता ने बताया, गस एटकिंसन को गेंदबाजी के दौरान बाईं हैमस्ट्रिंग में जकड़न महसूस हुई है। अगले कुछ घंटों में उनकी स्थिति का आकलन किया जाएगा। पहले दिन एटकिंसन ने 14 ओवर में 28 रन देकर 2 विकेट झटके थे। उल्लेखनीय है कि इसी साल इंग्लैंड में भारत के खिलाफ घरेलू सीरीज के दौरान भी वह दाईं हैमस्ट्रिंग की चोट के कारण सीमित टेस्ट ही खेल पाए थे। जिम्बाब्वे के खिलाफ लगी चोट के बाद वह सीरीज से बाहर हो गए थे। एशेज सीरीज में उन्होंने पहले दो टेस्ट में तीन विकेट लिए थे, लेकिन एडिलेड टेस्ट से बाहर कर दिए गए थे। इसके बाद उन्हें एमसीजी में खेले जा रहे चौथे टेस्ट के लिए वापस बुलाया गया। एटकिंसन की चोट ऑस्ट्रेलिया दौरे पर इंग्लैंड की तेज गेंदबाजी के लिए ताजा झटका है। अनुभवी तेज गेंदबाज मार्क वुड पहले टेस्ट में सिर्फ 11 ओवर डालने के बाद घुटने की चोट के चलते स्वदेश लौट चुके हैं, जबकि जॉफ्रा आर्चर साइड स्ट्रेन के कारण आखिरी दो टेस्ट से बाहर हो गए हैं। इंग्लैंड के पास अभी भी दो तेज गेंदबाज ऐसे हैं जिन्हें इस सीरीज में मौका नहीं मिला है–मैथ्यू पॉट्स, जिनके नाम 36 टेस्ट विकेट हैं, और मैथ्यू फिशर, जिन्हें वुड के रिप्लेसमेंट के तौर पर टीम में शामिल किया गया था। इसके अलावा ऑफ स्पिनर शोएब बशीर भी अब तक ऑस्ट्रेलिया में टेस्ट डेब्यू नहीं कर पाए हैं।

कोलकाता समेत पूरे बंगाल में ठंड का कहर, तापमान 12 डिग्री के नीचे

एजेंसी

कोलकाता : राज्य में ठंड ने एक बार फिर अपना असर दिखाया है। क्रिसमस के बाद अब ठंड का प्रकोप और तेज हो गया है। शुक्रवार सुबह कोलकाता का न्यूनतम तापमान गिरकर 12 डिग्री के आसपास पहुंच गया। इससे पहले गुरुवार को तापमान 13 डिग्री दर्ज किया गया था। यानी एक ही दिन में ठंड ने नया रिकॉर्ड बना दिया। सिर्फ कोलकाता ही नहीं, बल्कि पूरे पश्चिम बंगाल में ठंड का असर साफ नजर आ रहा है। पश्चिमी विक्षोभ के हटते ही उत्तर दिशा से ठंडी हवाएं बिना रुकावट राज्य में प्रवेश कर रही हैं। इसका नतीजा यह हुआ कि पहाड़ी इलाकों के मुकाबले मैदानी क्षेत्र भी ज्यादा ठंडे हो गए। शुक्रवार को बीरभूम जिले के श्रीनिकेतन का तापमान गिरकर आठ डिग्री दर्ज किया गया, जिससे उसने कलिम्पोंग को भी पीछे छोड़ दिया। अलीपुर मौसम विभाग के अनुसार, शनिवार को अलीपुर में न्यूनतम तापमान 12.9 डिग्री दर्ज किया गया, जो सामान्य से 1.6 डिग्री कम है। शुक्रवार को दिन का अधिकतम तापमान भी सिर्फ 21.2 डिग्री रहा, जो सामान्य से 4.4 डिग्री कम था। इसी वजह से पूरे दिन ठंड का एहसास बना रहा। दमदम में न्यूनतम तापमान अलीपुर से भी कम, 12.2 डिग्री रिकॉर्ड किया गया। मौसम विभाग ने बताया है कि शनिवार को आसमान साफ रहेगा। सुबह के समय हल्की से मध्यम कोहरे की स्थिति कुछ इलाकों में बनी रह सकती है। अगले दो दिनों में रात के तापमान में एक से दो डिग्री तक और गिरावट आने की संभावना है। इसके बाद अगले तीन दिनों तक तापमान में किसी बड़े बदलाव की उम्मीद नहीं है। उत्तर बंगाल में अगले सात दिनों तक तापमान में खास बदलाव की संभावना नहीं जताई गई है। ठंड के मामले में दार्जिलिंग सबसे आगे है, जहां शनिवार को न्यूनतम तापमान 5.4 डिग्री दर्ज किया गया। वहीं अलीपुरद्वार और बीरभूम के श्रीनिकेतन में संयुक्त रूप से दूसरा स्थान रहा, जहां तापमान आठ डिग्री रहा।

राज्य के अधिकांश हिस्सों में कोहरे को लेकर चेतावनी जारी की गई है। दक्षिण बंगाल के जिलों में सुबह के समय हल्का से मध्यम कोहरा रहने के कारण दृश्यता 999 मीटर से घटकर 200 मीटर तक हो सकती है। उत्तर बंगाल में घने कोहरे और कड़ाके की ठंड की चेतावनी दी गई है।

कूचबिहार में स्थिति सबसे ज्यादा गंभीर बनी हुई है। शुक्रवार शाम को घने कोहरे के कारण वहां दृश्यता लगभग शून्य तक पहुंच गई थी। मौसम विभाग ने बताया है कि अगले तीन दिनों तक कूचबिहार में तीव्र ठंड की स्थिति बनी रहेगी।

राजस्थान में शीतलहर का कहर, कई जिलों में कोहरा और ठंड से जनजीवन प्रभावित

जयपुर : राजस्थान में तेज सर्दी का दौर लगातार जारी है। शनिवार सुबह जयपुर, सीकर सहित कई जिलों में हल्के बादल छाए रहे, जबकि शीतलहर और सर्द हवाओं ने लोगों की परेशानी बढ़ा दी। ठंड इतनी तेज रही कि धूप निकलने के बावजूद भी सर्दी से राहत नहीं मिली। मौसम विज्ञान केंद्र जयपुर के अनुसार, राज्य में अगले एक सप्ताह मौसम साफ रहने की संभावना है, हालांकि सर्दी का असर इसी तरह बना रहेगा। शुक्रवार को करौली, पाली, फतेहपुर सहित कई शहरों में न्यूनतम तापमान 10 डिग्री सेल्सियस से नीचे रहा। शुक्रवार को सिरोही राज्य का सबसे ठंडा दिन रहा, जहां अधिकतम तापमान मात्र 21.2 डिग्री सेल्सियस मापा गया। वहीं करौली में न्यूनतम तापमान 3.6 डिग्री और फतेहपुर में 4.6 डिग्री सेल्सियस मापा गया। भीलवाड़ा जिले के मांडल क्षेत्र में शनिवार सुबह घने कोहरे के कारण बड़ा हादसा हो गया। रेलवे ब्रिज पर बिजली विभाग की बोलेरो आगे चल रहे ट्रक से टकरा गई। हादसे में बिजली विभाग के दो कर्मचारी घायल हो गए। कोहरे के कारण विजिबिलिटी करीब 20 मीटर रह गई थी। बोलेरो बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। पुलिस की मदद से घायलों को बाहर निकालकर अस्पताल पहुंचाया गया। हादसे के बाद कुछ समय के लिए ब्रिज पर यातायात भी बाधित रहा। सीकर सहित पूरे शेखावाटी क्षेत्र में शनिवार सुबह ओस जम गई। यहां न्यूनतम तापमान 3.5 डिग्री सेल्सियस रहा। जयपुर, सीकर, झुंझुनूं और आसपास के इलाकों में सुबह हल्के बादल छाए रहे। अलवर जिले में भी हल्का कोहरा देखने को मिला, जहां न्यूनतम तापमान छह डिग्री सेल्सियस रहा। उत्तर भारत से आ रही बर्फीली हवाओं के प्रभाव से उत्तर-पूर्वी राजस्थान में सुबह और शाम कड़ाके की ठंड पड़ रही है। मौसम विभाग ने लोगों को सतर्क रहने और आवश्यक सावधानी बरतने की सलाह दी।

भोपाल के टिंबर मार्केट में लगी भीषण आग, तीन दुकानें जलकर खाक, 4 लोग घायल

एजेंसी

भोपाल : मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल के पुल पातरा इलाके में स्थित टिंबर मार्केट में शनिवार तड़के लगभग पौने 3 बजे भीषण आग लग गई। आग पहले एक फर्नीचर की दुकान में लगी और देखते ही देखते फैलकर आरा मशीन तक पहुंच गई। विकराल रुप से लगी आग ने फर्नीचर-आरा मशीन समेत तीन जगहों को अपनी चपेट में ले लिया। आग लगने से पूरे इलाके में अफरा-तफरी मच गई। सूचना के बाद मौके पर पहुंची फायर ब्रिगेड की टीम आग बुझाने के प्रयास में जुट गई। आग बुझाते समय आरा मशीन की दीवार गिर गई। जिससे 2 कर्मचारियों समेत समेत 4 लोग घायल हो गए। चारों को अस्पताल ले जाया गया है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, तड़के 2.45 बजे सबसे पहले फर्नीचर मार्केट स्थित भोपाल डेकोरेटर शोरूम में आग लगी, जिसने पास की आरा मशीन को भी चपेट में ले लिया। आग इतनी भीषण थी की पलक झपकते ही पास के आरा मशीन को भी अपनी चपेट में ले लिया। इस दौरान दो बार आरा मशीन का शेड भी गिर गया। भोपाल डेकोरेशन और आरा मशीन अंजुम भाई की बताई जा रही है। जिस जगह आग लगी उसके ठीक पीछे रेलवे ट्रैक है। आग इतनी भयंकर लगी थी की दुकान पूरी तरह जलकर खाक हो गई। सूचना के बाद नगर निगम के बैरागढ़, फतेहगढ़, कबाड़खाना, माता मंदिर, कोलार फायर स्टेशन के अलावा भेल, पुलिस के 22 दमकल वाहन भी मौके पर पहुंचे हैं। अब तक करीब 50 टैंकर पानी डाला गया है। फिलहाल आग पर पूरी तरह से काबू नहीं पाया जा सका है। आरा मशीन के पिछले हिस्से में आग धधक रही है। लोहे की चद्दरों से आरा मशीन ढकी हुई है। इस वजह से आग पूरी तरह से काबू में नहीं आ पाई है। शोरूम में आग लगने से लाखों के नुकसान की आशंका जताई जा रही है। फायर ब्रिगेड और पुलिस की टीम राहत बचाव कार्य में जुटी हुई है। जानकारी के अनुसार, इस आरा मशीन के पास दो महीने पहले भी आग लगी थी। उस समय भी आग करीब एक घंटे तक जलती रही थी।

उत्तरी छत्तीसगढ़ में शीतलहर का असर ,अंबिकापुर का न्यूनतम तापमान 4.5 डिग्री सेल्सियस

रायपुर : छत्तीसगढ़ में उत्तरी हिस्से में शीतलहर का असर है। सरगुजा, जगदलपुर में सुबह के वक्त घना कोहरा है। सुबह के वक्त जगदलपुर-चित्रकोट मार्ग पर घना कोहरा छाया रहा, जिससे वाहन चालकों को खासा सतर्क रहना पड़ा।मौसम विज्ञान केंद्र रायपुर द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार अंबिकापुर संभाग में एक-दो स्थानों पर शीतलहर दर्ज की गई। प्रदेश में सर्वाधिक अधिकतम तापमान 28.0 डिग्री सेल्सियस जगदलपुर में, जबकि सबसे कम न्यूनतम तापमान 4.5 डिग्री सेल्सियस अंबिकापुर में रिकॉर्ड किया गया। मौसम विभाग के अनुसार अगले 24 घंटों के दौरान प्रदेश का मौसम शुष्क रहने की संभावना है। वहीं अगले 3 दिन तक कड़ाके की ठंड और शीतलहर का प्रकोप बना रहेगा।उत्तर छत्तीसगढ़ के जिलों में एक-दो पाकेट में शीतलहर चल सकती है। इसके बाद अगले चार दिनों में 1 से 3 डिग्री सेल्सियस तक क्रमिक वृद्धि होने की संभावना जताई गई है। राजधानी रायपुर में शुक्रवार को अधिकतम तापमान 27.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से 0.6 डिग्री कम रहा। वहीं न्यूनतम तापमान 13.6 डिग्री सेल्सियस रहा, जो सामान्य से 0.6 डिग्री अधिक है। अंबिकापुर में न्यूनतम तापमान 4.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से 2.7 डिग्री कम है।

इजराइल ने सोमालीलैंड को दिया संप्रभु राष्ट्र का दर्जा, तुर्किए और सोमालिया को झटका

एजेंसी

तेल अवीव : इजराइल ने सोमालीलैंड गणराज्य को स्वतंत्र राष्ट्र की मान्यता दे दी है। इजराइल ऐसा करने वाला संयुक्त राष्ट्र (यूएन) का पहला सदस्य देश है। इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने शुक्रवार को कहा कि उन्होंने सोमालीलैंड के राष्ट्रपति अब्दिरहमान मोहम्मद अब्दिलाही के साथ वर्चुअल माध्यम से एक संयुक्त घोषणा पर हस्ताक्षर किए हैं। सोमालीलैंड को इजराइल की तरफ से मान्यता दिए जाने से तुर्किए और सोमालिया को झटका लगा है। सोमालिया से साल 1991 अलग हुए सोमालीलैंड काफी समय से राजनयिक मान्यता की कोशिशें करता रहा है। हालांकि उसे अब तक बहुत कामयाबी नहीं मिली थी। शुक्रवार को इजरायल ने सोमालीलैंड को पूरी तरह से मान्यता दी है लेकिन ब्रिटेन, यूएई, डेनमार्क, कीनिया, ताइवान जैसे देशों से अनौपचारिक राजनयिक संबंध हैं। दी टाइम्स ऑफ इजराइल के मुताबिक शुक्रवार को इजराइल सोमालीलैंड गणराज्य को एक स्वतंत्र राज्य के रूप में मान्यता देने वाला पहला देश बन गया। यह अफ्रीकी क्षेत्र सोमालिया से अलग होने के तीन दशक से अधिक समय बाद हुआ है। इजराइल की ओर से प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू और विदेश मंत्री गिदोन सार ने घोषणापत्र पर हस्ताक्षर किए, जबकि सोमालीलैंड के राष्ट्रपति अब्दिरहमान मोहम्मद अब्दुल्लाही ने अपने देश की ओर से हस्ताक्षर किए। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर इजराइल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू ने सोमालीलैंड को इजराइल की तरफ से मान्यता दिए जाने की जानकारी साझा करते हुए कहा कि ₹हम आर्थिक क्षेत्रों, कृषि और सामाजिक विकास के क्षेत्रों में मिलकर काम करने का इरादा रखते हैं। सोमालीलैंड को मान्यता देने संबंधी घोषणा ने सोमालिया और तुर्की को असहज कर दिया है। सोमालिया के विदेश मंत्रालय ने इजरायल के कदम की निंदा करते हुए इसे उसकी संप्रभुता पर किया गया हमला करार दिया। जबकि तुर्किए ने इसे नेतन्याहू सरकार की गैर-कानूनी कार्रवाइयों का एक नया उदाहरण बताया, जिसका मकसद क्षेत्रीय और वैश्विक दोनों स्तरों पर अस्थिरता पैदा करना है। सोमालीलैंड अफ्रीका के हॉर्न क्षेत्र स्थित एक महत्वपूर्ण रणनीतिक क्षेत्र है। सोमालिया से अलग होकर स्वतंत्र रूप से शासन व्यवस्था संभाल रहे इसे अबतक किसी ने स्वतंत्र देश की औपचारिक मान्यता नहीं दी।

गठबंधन पर चर्चा अमित शाह स्तर पर होगी, 15 फरवरी से पहले औपचारिक चर्चा नहीं: असम मुख्यमंत्री

एजेंसी

गुवाहाटी : असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत बिस्व सरमा ने कहा है कि एनडीए के भीतर गठबंधन और सीट बंटवारे को लेकर चर्चा केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के स्तर पर ही होगी। उन्होंने संकेत दिया कि अमित शाह के असम दौरे के दौरान भी इस विषय पर बातचीत होने की संभावना है। राज्य भाजपा कार्यालय में आयोजित कोर कमेटी की बैठक के बाद मीडिया से बातचीत में बीती रात मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि 15 फरवरी से पहले गठबंधन को लेकर कोई औपचारिक चर्चा नहीं होगी, हालांकि अनौपचारिक रूप से कुछ समझ बनी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि बोडोलैंड पीपुल्स फ्रंट (बीपीएफ) और यूनाइटेड पीपुल्स पार्टी लिबरल (यूपीपीएल) दोनों एनडीए के घटक हैं, लेकिन दोनों दलों का हर स्तर पर एक साथ रहना संभव नहीं है। इसके लिए नए राजनीतिक समीकरण तलाशने होंगे। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि बीपीएफ या यूपीपीएल कांग्रेस या किसी अन्य दल के साथ नहीं जाएंगे। असम गण परिषद (एजीपी) के साथ सीट बंटवारे को लेकर मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 2021 के विधानसभा चुनाव को आधार वर्ष मानकर ही एजीपी के साथ समझौता किया जाएगा। उन्होंने दोहराया कि किसी भी राष्ट्रीय दल के लिए अपने मौजूदा विधायकों वाली सीटें छोड़ना संभव नहीं होता। कोर कमेटी की यह बैठक भाजपा के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष नितिन नवीन की उपस्थिति में संपन्न हुई, जिसमें संगठनात्मक और राजनीतिक रणनीतियों पर विस्तृत चर्चा की गई।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव आज सतना जिले को देंगे 652 करोड़ 54 लाख रुपये के विकास कार्यों की सौगात

एजेंसी

भोपाल : मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव आज यानि शनिवार को सतना जिले के प्रवास पर रहेंगे। इस दौरान वे जिले को 652 करोड 54 लाख रुपये लागत के विकास कार्यो की सौगात देंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव सतना शहर में 31 करोड़ 15 लाख रुपये की लागत से नवनिर्मित अंतरराज्यीय बस टर्मिनल और 8 करोड़ 39 लाख रुपये लागत के नवनिर्मित धवारी क्रिकेट स्टेडियम का लोकार्पण करेंगे। जनसम्पर्क अधिकारी राजेश सिंह ने बताया कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव आई.एस.बी.टी. सतना में आयोजित कार्यक्रम में सतना शहर के 168 लाख 33 हजार रुपये लागत के 6 कार्यो का लोकार्पण और 484 करोड़ 21 लाख रुपये लागत के 6 विकास कार्यो का भूमिपूजन भी करेंगे। साथ ही विभिन्न योजनाओं के हितग्राहियों को हितलाभ का वितरण करेंगे।

हिमाचल में नए साल पर बर्फबारी की उम्मीद

एजेंसी

30 दिसंबर से बदलेगा मौसम

शिमला : हिमाचल प्रदेश में ऊंची चोटियों पर हल्की बर्फबारी के बाद शनिवार को पूरे राज्य में मौसम साफ है और शिमला, मनाली सहित अधिकांश हिल स्टेशनों पर धूप खिलने से लोगों को कड़ाके की ठंड से कुछ राहत मिली है। जनजातीय जिलों लाहौल-स्पीति और किन्नौर में भी धूप खिली है। हालांकि रात और सुबह के समय ठंड का असर बना हुआ है। राज्य के निचले इलाकों में ठंड के साथ-साथ घने कोहरे ने परेशानी बढ़ाई है। मंडी और बिलासपुर जिलों में सुबह से घना कोहरा छाया रहा, जिससे दृश्यता प्रभावित हुई।

मौसम विभाग के अनुसार सुंदरनगर में दृश्यता घटकर 30 मीटर, बिलासपुर में 50 मीटर और मंडी में करीब 200 मीटर दर्ज की गई। इसी को देखते हुए मौसम विभाग ने 28 और 29 दिसंबर को राज्य के निचले हिस्सों, खासतौर पर मंडी और बिलासपुर जिलों में देर रात और सुबह के समय घने से बहुत घने कोहरे का ऑरेंज अलर्ट जारी किया है, जबकि 30 और 31 दिसंबर को कोहरे को लेकर येलो अलर्ट रहेगा। विभाग का कहना है कि 29 दिसंबर तक प्रदेश भर में मौसम शुष्क और साफ बना रहेगा, लेकिन इसके बाद पश्चिमी विक्षोभ के सक्रिय होने से मौसम में बदलाव के आसार हैं। मौसम विभाग ने 30 और 31 दिसंबर के साथ-साथ एक और दो जनवरी को राज्य के पहाड़ी और उच्च पर्वतीय क्षेत्रों में बारिश और बर्फबारी की संभावना जताई है। नए साल की पूर्व संध्या और नववर्ष के शुरूआती दिनों में शिमला, कुफरी और मनाली जैसे प्रमुख हिल स्टेशनों पर बर्फ गिरने का अनुमान है। इससे यहां पहुंचे पर्यटकों की उम्मीदें बढ़ गई हैं। ये सभी हिल स्टेशन इस सीजन की पहली बर्फबारी का इंतजार कर रहे हैं और दिसंबर का महीना खत्म होने को है, लेकिन अब तक यहां बर्फ नहीं गिरी है। शिमला में यह लगातार चौथा वर्ष है जब दिसंबर में बर्फबारी नहीं हुई। इससे पर्यटन व्यवसाय से जुड़े लोग भी नए साल की बर्फबारी को लेकर आशान्वित हैं। शनिवार को प्रदेश के न्यूनतम तापमान में औसतन 1.7 डिग्री सेल्सियस की गिरावट दर्ज की गई। राजधानी शिमला में न्यूनतम तापमान 7.5 डिग्री सेल्सियस, मनाली में 2.1, धर्मशाला में 7.4, मंडी में 4.1, सोलन में 1.4, पालमपुर में 3.0 और बिलासपुर में 6.5 डिग्री दर्ज किया गया। जनजातीय जिला लाहौल-स्पीति के कुकुमसेरी में न्यूनतम तापमान माइनस 4.2 और ताबो में माइनस 3.9 डिग्री सेल्सियस रहा, जबकि कल्पा में 0.6 और रिकांगपिओ में 2.9 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज हुआ। ऊना और हमीरपुर में शीतलहर की स्थिति बनी हुई है, जहां न्यूनतम तापमान क्रमशः 2.8 और 3.0 डिग्री सेल्सियस रहा। मौसम विभाग के अनुसार आगामी दिनों में रात के तापमान में और गिरावट आ सकती है। बर्फबारी की संभावना को देखते हुए नए साल पर शिमला, मनाली और कुफरी में बड़ी संख्या में पर्यटक रुख कर रहे हैं।

न्यूज IN ब्रीफ

थावे दुर्गा मंदिर चोरी कांड में बड़ी सफलता, पुलिस मुठभेड़ में आरोपित घायल

पटना : बिहार मेंगोपालगंज जिले के थावे मंदिर चोरी कांड में पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। एसपी अवधेश दीक्षित के मुताबिक, सदर एसडीपीओ के नेतृत्व में गठित एसआईटी टीम ने थावे थाना क्षेत्र के रिकी टोला के पास छापेमारी की। इस दौरान एक बदमाश ने पुलिस पर फायरिंग कर दी। आत्मरक्षा में पुलिस की जवाबी कार्रवाई में आरोपित इस्माइल आलम के पैर में गोली लगी। मौके से मां के मुकुट के कुछ हिस्से और मोबाइल फोन बरामद किए गए हैं। गोपालगंज के पुलिस अधीक्षक अवधेश दीक्षित ने बताया कि आज सुबह सदर एसडीपीओ के नेतृत्व में गठित विशेष जांच टीम यानी एसआईटी को गुप्त सूचना मिली थी कि दीपक राय गैंग का एक सदस्य गोपालगंज आया हुआ है और उसके पास चोरी से जुड़ा कुछ सामान मौजूद है। सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने थावे थाना क्षेत्र अंतर्गत रिकी टोला के समीप छापेमारी की। छापेमारी के दौरान एक आरोपित ने पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी। जवाबी कार्रवाई में आरोपित इस्माइल आलम के पैर में गोली लगी, जिसे घायल अवस्था में गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस के अनुसार, घायल आरोपित गाजीपुर-मोतिहारी क्षेत्र का रहने वाला है और फिलहाल शाहपुर थाना क्षेत्र में रह रहा था। मौके से मां थावे भवानी के मुकुट के कुछ महत्वपूर्ण हिस्से, घटना में इस्तेमाल किया गया मोबाइल फोन और अन्य साक्ष्य बरामद किए गए हैं। एसपी ने बताया कि आरोपित ने अपने बयान में गैंग का खुलासा करते हुए चोरी के बारे में बताया है। पुलिस के मुताबिक, यही आरोपी दीपक राय के साथ मंदिर में घुसकर चोरी करते हुए सीसीटीवी कैमरे में भी कैद हुआ था। फिलहाल अन्य आरोपितों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी जारी है।

मुख्यमंत्री ने असम साहित्य सभा के स्थापना दिवस पर दी शुभकामनाएं

गुवाहाटी : असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत बिस्व सरमा ने शनिवार को असम साहित्य सभा के गौरवशाली स्थापना दिवस के अवसर पर राज्यवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं दीं और असमिया भाषा के प्रति अपनी गहरी श्रद्धा व्यक्त की। मुख्यमंत्री ने अपने संदेश में कहा कि असमिया उनकी ॿचिर स्नेही भाषा जननीॿ है। उन्होंने असम साहित्य सभा के अतीत के महान पथप्रदर्शकों के साथ-साथ वर्तमान में संस्था से जुड़े प्रत्येक व्यक्ति को सादर प्रणाम अर्पित किया। डॉ. सरमा ने कहा कि असम साहित्य सभा ने असमिया भाषा के प्रचार और प्रसार के लिए निरंतर कार्य किया है और राज्य की भाषा एवं सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण में उसकी भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण रही है। इस पावन अवसर पर मुख्यमंत्री ने असम साहित्य सभा से वर्तमान में जुड़े सभी सदस्यों के साथ-साथ समस्त असमवासियों को आत्मीय शुभकामनाएं प्रेषित करते हुए आशा व्यक्त की कि यह संस्था भविष्य में भी असमिया भाषा को और अधिक सशक्त बनाने का कार्य जारी रखेगी।

नेकपा माओवादी के कम्युन पर पुलिस छापा, विस्फोटक सामग्री बरामद

काठमांडू : नेत्रविक्रम चन्द ॾविप्लवॿ के नेतृत्व वाली नेपाल कम्युनिस्ट पार्टी (माओवादी) के अघार्खांची जिला स्थित ॾकम्युनॿ से विस्फोटक सामग्री बरामद की गई है। शुक्रवार रात करीब 10 बजे अघार्खांची की शितगंगा नगरपालिकाॾ11, बोक्से क्षेत्र में जिला पुलिस प्रमुख डीएसपी दिवस बहादुर जिसी के नेतृत्व में गश्त के दौरान एक पशुशाला से बंदूक और ग्रेनेड समेत कई विस्फोटक पदार्थ बरामद किए गए। बरामद हथियार और विस्फोटकों में दो बंदूकें, 14 ग्रेनेड, 12 डेटोनेटर, लॉन्चर जैसा दिखने वाला पाइप, पांच लीटर का एक प्रेशर कुकर बम, एक स्टील बम, बिजली के तार के चार बंडल और 50 किलो बारूद शामिल हैं। पुलिस के अनुसार, विस्फोटक सामग्रियों को शनिवार तड़के नेपाली सेना की सहायता से निष्क्रिय कर दिया गया है। वहीं, नेकपा माओवादी के प्रवक्ता खड्गबहादुर विश्वकर्मा प्रकाण्ड ने कम्युन पर की गई इस कार्रवाई को ॾराज्य का आतंकॿ करार दिया है। उन्होंने दावा किया कि अघार्खांची की शितगंगा नगरपालिकाॾ11 स्थित पार्टी द्वारा संचालित कम्युन और आम नागरिकों के घरों पर छापेमारी कर आतंक फैलाया गया है। पार्टी द्वारा जारी विज्ञप्ति में उन्होंने कहा, ॿएक ओर सरकार शांतिपूर्ण चुनाव का माहौल बनाने का प्रचार कर रही है, वहीं दूसरी ओर माओवादी के उत्पादन केन्द्रों और आम जनता के घरों पर छापे मार रही है। इससे यह स्पष्ट होता है कि राज्य शांतिपूर्ण समाधान नहीं चाहता, बल्कि देश को अशांति की ओर धकेलना चाहता है। उन्होंने इस घटना की निष्पक्ष जांच के लिए मानवाधिकार संगठनों से भी अपील की है।

हिमाचल में रेजिडेंट डॉक्टरों की हड़ताल के बीच सरकार सख्त, अस्पताल सेवाएं बाधित न होने के आदेश, एसओपी जारी

शिमला : हिमाचल प्रदेश में रेजिडेंट डॉक्टरों की अनिश्चितकालीन हड़ताल आज से शुरू होने के बीच राज्य सरकार ने मरीजों की देखभाल प्रभावित न हो, इसके लिए सख्त कदम उठाए हैं। चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान निदेशालय (डीएमईआर) ने सभी सरकारी मेडिकल कॉलेजों और उनसे जुड़े अस्पतालों के लिए कड़े मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) जारी किए हैं। सरकार ने साफ कर दिया है कि हड़ताल के बावजूद जरूरी स्वास्थ्य सेवाएं किसी भी हालत में बाधित नहीं होंगी और लापरवाही पर जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। डीएमईआर की ओर से जारी आदेशों में कहा गया है कि प्रदेश के सभी मेडिकल कॉलेजों और अस्पतालों में आपातकालीन सेवाएं पहले की तरह 24 घंटे और सातों दिन जारी रहेंगी। इमरजेंसी में तैनात जूनियर रेजिडेंट, सीनियर रेजिडेंट और फैकल्टी सदस्य हर समय उपलब्ध रहेंगे। इसके अलावा ओपीडी सेवाएं भी नियमित रूप से चलेंगी और इनडोर मरीजों को प्राथमिकता दी जाएगी। वार्ड राउंड रोजाना अनिवार्य रूप से किए जाएंगे ताकि भर्ती मरीजों के इलाज में कोई कमी न आए। सरकार ने यह भी स्पष्ट किया है कि हड़ताल की अवधि में नियमित वैकल्पिक ऑपरेशन थिएटर बंद रहेंगे, लेकिन सभी आपातकालीन सर्जरी तय प्रोटोकॉल के अनुसार की जाएंगी। रेडियोलॉजी सेवाओं में एक्स-रे, अल्ट्रासाउंड, सीटी स्कैन, एमआरआई जैसी जांचें इमरजेंसी और भर्ती मरीजों के लिए प्राथमिकता के आधार पर जारी रहेंगी। वहीं पैथोलॉजी, बायोकेमिस्ट्री और माइक्रोबायोलॉजी लैब में सभी सैंपलों की जांच बिना किसी रुकावट के की जाएगी। इसके साथ ही मेडिकल कॉलेजों में अंडरग्रेजुएट पढ़ाई, प्रशिक्षण और परीक्षाएं अपने तय कार्यक्रम के अनुसार चलती रहेंगी। डीएमईआर ने इन आदेशों के तहत प्राचार्यों और विभागाध्यक्षों की जिम्मेदारी भी तय कर दी है। सभी विभागाध्यक्षों को ओपीडी, आईपीडी और इमरजेंसी सेवाओं के लिए कंसल्टेंट डॉक्टरों की ड्यूटी रोस्टर बनाने के निर्देश दिए गए हैं। मेडिकल कॉलेजों के प्राचार्य रोजाना शाम चार बजे मेडिकल सुपरिंटेंडेंट और सभी एचओडी के साथ बैठक कर सेवाओं की समीक्षा करेंगे और इसकी रिपोर्ट डीएमईआर को भेजेंगे। इसके अलावा आवश्यकता पड़ने पर फैकल्टी की शीतकालीन छुट्टियां रद्द करने का भी अधिकार प्राचार्यों को दिया गया है, ताकि सेवाएं सुचारू बनी रहें। आदेश में यह भी कहा गया है कि सभी प्राचार्य, अतिरिक्त निदेशक, मेडिकल सुपरिंटेंडेंट और उप चिकित्सा अधीक्षक इस अवधि में मुख्यालय में मौजूद रहेंगे और किसी भी प्रकार की छुट्टी पर नहीं जाएंगे। एसओपी का उल्लंघन करने या आवश्यक सेवाओं में बाधा डालने पर संबंधित के खिलाफ नियमों के तहत अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी।

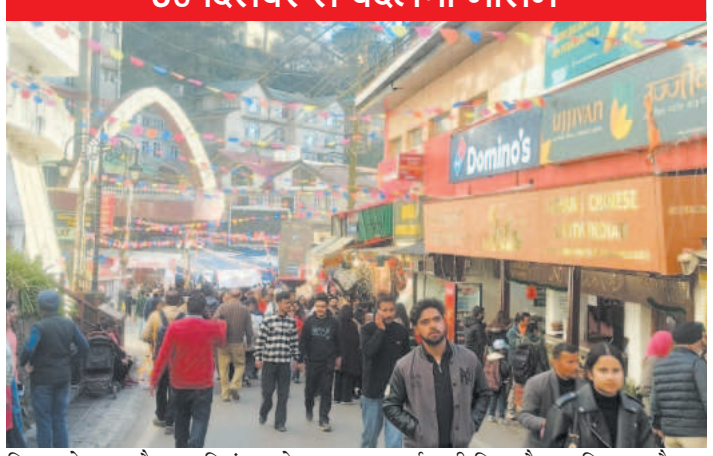

उधर, रेजिडेंट डॉक्टरों की हड़ताल का ऐलान आईजीएमसी शिमला से शुरू हुए विवाद के बाद किया गया है। मरीज से मारपीट के मामले में सीनियर रेजिडेंट डॉक्टर राघव नरूला की बर्खास्तगी के विरोध में रेजिडेंट डॉक्टर आज सुबह 9:30 बजे से अनिश्चितकालीन हड़ताल पर रहेंगे।

मध्य प्रदेश में शीतलहर का कहर, 31 शहरों में तापमान 10 से नीचे, कोहरे की वजह से कई ट्रेनें लेट

भोपाल : मध्य प्रदेश में कड़ाके की सर्दी ने जनजीवन को जकड़ लिया है। प्रदेश के 31 शहरों में न्यूनतम तापमान 10 डिग्री सेल्सियस से नीचे दर्ज किया गया है। उत्तर भारत से आ रही बर्फीली हवाओं के चलते कई जिलों में दिन का तापमान भी 25 डिग्री से नीचे बना हुआ है। घने कोहरे का असर रेल और सड़क यातायात पर साफ दिखाई दे रहा है। राजधानी, मालवा और झेलम समेत कई ट्रेनें अपने निर्धारित समय से देरी से चल रही हैं। मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार, हिमालय क्षेत्र में सक्रिय पश्चिमी विक्षोभ का असर खत्म होने के बाद उत्तर दिशा से ठंडी हवाएं प्रदेश में प्रवेश कर रही हैं, जिससे सर्दी और बढ़ गई है। प्रदेश का एकमात्र हिल स्टेशन पचमढ़ी सबसे ठंडा रहा, जहां रात का तापमान 3 से 4 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया। ठंड के कारण ओस की बूंदें जमने लगी हैं। आज शनिवार सुबह ग्वालियर, भिंड, दतिया, निवाड़ी, टीकमगढ़, छतरपुर, पन्ना, सतना, रीवा, मऊगंज, सीधी और सिंगरौली सहित कई जिलों में घना कोहरा छाया रहा। ठंड और कोहरे के कारण सुबह-सुबह सड़कों पर सन्नाटा पसरा रहा और लोग अलाव का सहारा लेते नजर आए। झाबुआ जिले में पिछले कई दिनों से मौसम का मिजाज एक जैसा बना हुआ है। यहां न्यूनतम तापमान 10.4 डिग्री दर्ज किया गया। भिंड में तीन दिन बाद फिर कोहरा छाया, जहां न्यूनतम तापमान 6 और अधिकतम 20 डिग्री सेल्सियस रहा।

न्यूज ब्रीफ

मजदूर लोग कूड़ा जलाकर अपना जान बचा रहे हैं : पंकज मंडल

साहिबगंज : जिला सहित आसपास क्षेत्र में इन दोनों कड़ाके की ठंड और शीतलहर में साहिबगंज जिला प्रशासन और नगर परिषद की ओर से हर मोड पर अलाव की व्यवस्था बहुत ही कम दिखाई दे रहा है। इस संबंध में बजरंग दल जिला प्रचार प्रसार प्रमुख साहिबगंज पंकज मंडल ने बताया कि लेबर और मजदूर लोग कूड़ा और कचरा जलाकर अपना जान बचा रहे हैं। नगर परिषद से आगरा है हर एक मोड़ पर अलाव की समुचित व्यवस्थ की जाय । जबकि अगर नगर परिषद और जिला प्रशासन चाहे तो प्रत्येक मोड पर अलाव का व्यवस्था कर सकते है। लेकिन गरीब को कौन देखेता है। यह बात भी सोचने वाली है की झारखंड सरकार के द्वारा गरीबों के लिए कई योजना चल रही है फिर भी गरीब गरीब है। उसे ठंडा कहां लगता है ठंडा तो पैसे वाले को लगता है। गरीब मजदूर अपने पेट के लिए और बाल बच्चा का भरण-पोषण काम की तलाश में निकलते हैं।

उपायुक्त ने संथाल परगना के चयनित प्रतिभागियों को किया रवाना

दुमका : प्रमंडल स्तर पर संपन्न युवा महोत्सव में चयनित संथाल परगना के प्रतिभागियों को जिले के उपायुक्त अभिजीत सिन्हा ने शुक्रवार को राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में भाग लेने हेतु समाहरणालय परिसर से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

इस अवसर पर उपायुक्त श्री सिन्हा ने चयनित प्रतिभागियों से संवाद करते हुए कहा कि संथाल की भूमि सदैव से युवाओं के शौर्य, पराक्रम एवं सांस्कृतिक विरासत के लिए जानी जाती रही है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि प्रतिभागी अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन से संथाल परगना एवं जिले का नाम राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर पर गौरवान्वित करेंगे। उपायुक्त श्री सिन्हा ने सभी प्रतिभागियों को शुभकामनाएं देते हुए उनका उत्साहवर्धन किया।

उल्लेखनीय है कि राज्य स्तरीय प्रतियोगिता का आयोजन 27 दिसंबर से किया जाएगा, जिसमें चयनित प्रतिभागी भाषण, लोकगीत, लोकनृत्य, पेंटिंग एवं कविता लेखन जैसी विधाओं में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे। राज्य स्तर पर चयनित प्रतिभागियों को आगे राजधानी दिल्ली स्थित भारत मंडपम में आयोजित राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता में भाग लेने का अवसर प्राप्त होगा।

इस अवसर पर उप विकास आयुक्त अनिकेत सचान एवं जिला खेल पदाधिकारी तूफान कुमार पोद्दार ने प्रतिभागियों को शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

जनजाति समाज के बीच सेवा कार्य के लिए किया प्रेरित

जमशेदपुर : वनवासी कल्याण केंद्र, जमशेदपुर महानगर समिति की ओर से अखिल भारतीय वनवासी कल्याण आश्रम का 73वां स्थापना दिवस शुक्रवार को सिदगोड़ा स्थित सूर्य मंदिर परिसर में मनाया गया। मुख्य अतिथि आश्रम के क्षेत्रीय संगठन मंत्री प्रफुल्ल आकांत, कृपा प्रसाद सिंह, राजेंद्र कुमार झुनझुनवाला, ललित सिंघानिया और इंदर अग्रवाल थे। इस अवसर पर जनजाति समाज के लिए कार्य करने वाले मुंडा समाज से नंदलाल पातर, हो समाज से दुर्गा चरण बारी, रवि सवैया और भगवान चातर को सम्मानित किया गया। मुख्य अतिथि प्रफुल्ल आकांत ने जनजाति समाज के बीच सेवा कार्य करने के लिए सभी को प्रेरित किया। कार्यक्रम के दौरान खेलकूद प्रतियोगिताएं कराई गईं।

हजारीबाग में सेक्सटॉर्शन गैंग का खुलासा, 4 आरोपी गिरफ्तार

हजारीबाग : झारखंड के हजारीबाग में पुलिस ने शुक्रवार को एस्कॉर्ट सर्विस देन के बहाने ब्लैकमेल में शामिल चार युवकों को गिरफ्तार किया। हजारीबाग के पुलिस अधीक्षक अंजनी अंजन ने बताया कि पुलिस को गुरुवार को हजारीबाग मुफस्सिल थाना क्षेत्र के नूतननगर इलाके से सक्रिय एक गिरोह के बारे में सूचना मिली थी। उन्होंने बताया कि वे फर्जी वेबसाइटों पर एस्कॉर्ट सेवाएं देने के विज्ञापन देने के लिए मोबाइल नंबरों का इस्तेमाल कर रहे थे और यूपीआई के माध्यम से धोखाधड़ी से पैसे वसूल रहे थे।

अधिकारी ने बताया कि हजारीबाग के सब-डिविजनल पुलिस ऑफिसर (एसडीपीओ) अमित कुमार आनंद के नेतृत्व में एक विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन किया गया, जिसमें मुफस्सिल थाना प्रभारी अधिकारी भी शामिल थे। उन्होंने बताया कि जब टीम नूतननगर पहुंची, तो उन्हें चार लोगों का एक समूह संदिग्ध गतिविधियों के लिए मोबाइल फोन का इस्तेमाल करते हुए मिला। पुलिस टीम को देखते ही वे भागने लगे। पुलिस ने उनका पीछा किया और उन्हें पकड़ लिया। अधिकारी ने बताया कि आरोपियों की पहचान विवेक कुमार (22), बादल मंडल (20), दीपक मंडल (24) और शेखर कुमार (21) के रूप में हुई है।

कीटनाशक के संपर्क से वृद्ध की संदिग्ध मौत, पोस्टमार्टम से होगा खुलासा

गुवा : गुवा थाना क्षेत्र के बेतरकिया गांव में एक 70 वर्षीय वृद्ध की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई, जिससे पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गई है। मृतक की पहचान बेतरकिया निवासी प्रधान अगरिया के रूप में हुई है। परिजनों के अनुसार प्रधान अगरिया खेत में कीटनाशक दवा का छिड़काव कर रहे थे। दवा के छिड़काव के बाद उन्होंने साबुन से हाथ साफ नहीं किया और केवल पानी से हाथ धोकर रात का भोजन कर लिया।अगली सुबह जब परिजनों ने उन्हें जगाने की कोशिश की तो वे नहीं उठे। स्थिति को गंभीर समझते हुए परिजन उन्हें गुरुवार को नोवामुंडी स्थित टिस्को अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां इलाज के दौरान दोपहर में उनकी मौत हो गई।

घटना की सूचना मिलते ही गुवा पुलिस सक्रिय हुई।गुवा थाना प्रभारी नीतीश कुमार ने बताया कि शुक्रवार देर शाम पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर मामले की छानबीन शुरू की। आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद शनिवार को शव को पोस्टमार्टम के लिए चाईबासा भेज दिया गया है। थाना प्रभारी ने स्पष्ट किया कि मौत के वास्तविक कारणों का खुलासा पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही हो सकेगा।घटना के बाद से गांव में मातम का माहौल है। ग्रामीणों ने प्रशासन से कीटनाशक दवाओं के सुरक्षित उपयोग को लेकर जागरूकता बढ़ाने की मांग की है, ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाओं से बचा जा सके।

जमशेदपुर में राष्ट्रपति के दौरे को लेकर तैयारियां तेज

ओलचिकी लिपि के शताब्दी वर्ष समारोह में होंगी शामिल

संवाददाता

जमशेदपुर: राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के आगमन को लेकर तैयारी जोरों पर है। जिले के करनडीह स्थित जाहेरथान परिसर में आयोजित संथाली भाषा की ओलचिकी लिपि के शताब्दी वर्ष समारोह के समापन पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगी। ऑल इंडिया संथाली राइटर्स एसोसिएशन के महासचिव ने बताया कि आयोजन में 800 डेलीगेट्स शामिल होंगे। समारोह में राष्ट्रपति संथाली साहित्यकारों को सम्मानित करेंगी।

राष्ट्रपति दौरे को लेकर जिला प्रशासन अलर्ट

दरअसल, राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू पहली बार जमशेदपुर के दौरे पर आ रहीं हैं। राष्ट्रपति के आगमन को लेकर सोनारी एयरपोर्ट से करनडीह स्थिति जाहेरथान तक सड़क की मरम्मत एवं सफाई कार्य कराया जा रहा है। इसके अलावा सड़क किनारे अतिक्रमण को भी हटाने का काम जारी है। जिला प्रशासन राष्ट्रपति के आगमन को लेकर पूरी तरह अलर्ट है।

चप्पे चप्पे पर सीसीटीवी कैमरे

परसुडीह थाना क्षेत्र अंतर्गत करनडीह स्थित जाहेरथान परिसर में जिला प्रशासन की निगरानी में कार्यक्रम के लिए बड़ा पंडाल लगाया जा रहा है। कार्यक्रम में राष्ट्रपति के आगमन का मार्ग अलग से तैयार किया गया है। जबकि डेलीगेट्स के लिए अलग प्रवेश द्वार बनाये गए हैं। सुरक्षा की दृष्टिकोण से जगह जगह सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं।

राष्ट्रपति का संथाली वाद्य यंत्र की धुन से स्वागत

संथाली वाद्य यंत्र की धुन से राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू का स्वागत किया जाएगा, जबकि मंच पर राष्ट्रपति के आगमन पर पटमदा स्थित कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय की छात्राओं का वायपर बैंड से राष्ट्रीय गान प्रस्तुत किया जाएगा। इसके लिए रिहर्सल किया जा रहा है। कार्यक्रम में कोई चूक ना हो, इसे लेकर जिला प्रशासन आयोजन कमेटी से लगातार संपर्क में हैं।गौरतलब है कि ऑल इंडिया संथाली राइटर्स एसोसिएशन एवं जाहेरथान समिति के संयुक्त तत्त्वावधान में 22 दिसंबर 2025 से कार्यक्रम चल रहा है। जमशेदपुर में 28 और 29 दिसंबर को समापन कार्यक्रम रखा गया है, जिसमें राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत करेंगी। यह जानकारी संवाददाता सम्मेलन में ऑल इंडिया राइटर एसोसिएशन के महासचिव रवींद्रनाथ मुर्मू ने दी। ओलचिकी लिपि को प्रोत्साहित करने वालों को राष्ट्रपति करेंगी सम्मानित

कार्यक्रम की जानकारी देते हुए ऑल इंडिया संथाली राइटर्स एसोसिएशन के महासचिव रवीन्द्रनाथ मुर्मू ने बताया कि राष्ट्रपति सबसे पहले जाहेरथान में जाकर परंपरागत ढंग से पूजा अर्चना करेंगी और उसके बाद मंच पर ओलचिकी लिपि को आगे बढ़ाने और उस क्षेत्र में काम करने वाले 12 लोगों को अपने हाथों से सम्मानित करेंगी। राष्ट्रपति का आगमन सुबह 10:40 होगा। एक घंटा रुकने के बाद राष्ट्रपति 11:50 बजे यहां से दूसरे कार्यक्रम के लिए प्रस्थान करेंगी।

राष्ट्रपति, राज्यपाल एवं मुख्यमंत्री साझा करेंगे मंच

रवींद्रनाथ मुर्मू ने आगे बताया कि गर्व की बात है कि राष्ट्रपति जमशेदपुर के इस ग्रामीण पंचायत क्षेत्र में आ रही है। वे 800 डेलीगेट्स कार्यक्रम में शामिल होंगी, जिनका रजिस्ट्रेशन किया जा रहा है। राष्ट्रपति के साथ राज्यपाल संतोष गंगवार एवं मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन मंच साझा करेंगे। आयोजन से पूर्व पोटका विधायक संजीव सरदार राष्ट्रपति का स्वागत करेंगे।

2030 तक बाल विवाह मुक्त भारत के संकल्प का दुमका में व्यापक पहल

संवाददाता

दुमका : महिला एवं बाल विकास मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा 4 दिसंबर को पूरे देश में ह्बाल विवाह मुक्त भारतह्व कार्यक्रम की शुरूआत की गई है। केंद्र सरकार द्वारा वर्ष 2030 तक पूरे भारतवर्ष को बाल विवाह मुक्त घोषित करने का निर्णय लिया गया है।

इसी कड़ी में उपायुक्त अभिजीत सिन्हा की अध्यक्षता में बाल विवाह मुक्त दुमकाह्व को लेकर एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में उपायुक्त ने स्पष्ट निर्देश देते हुए कहा कि पंचायत स्तर से लेकर जिला स्तर तक व्यापक जागरूकता अभियान चलाया जाए, ताकि समाज के हर वर्ग तक बाल विवाह के दुष्परिणामों और कानूनी प्रावधानों की जानकारी पहुंचे।

उपायुक्त श्री सिन्हा ने बताया कि जागरूकता अभियान के अंतर्गत सहिया सेविका, एएनएम, जेएसएलपीएस से जुड़े स्वयं सहायता समूहों की महिलाएं सहित सभी फ्रंटलाइन वर्कर वचन पत्र भरकर वार्ड सदस्य को समर्पित करेंगे। इस वचन पत्र में यह संकल्प लिया जाएगा कि वे अपने घर में 18 वर्ष से कम उम्र की बच्चियों तथा 21 वर्ष से कम उम्र के लड़कों की शादी नहीं करेंगे और न ही अपने आस-पड़ोस में किसी भी प्रकार के बाल विवाह को होने देंगे।

वार्ड सदस्य द्वारा एकत्रित किए गए वचन पत्र पंचायत के मुखिया को सौंपे जाएंगे। पंचायत स्तर पर मुखिया एवं पंचायत सचिव अपने मैरिज एवं माइग्रेशन रजिस्टर में होने वाली सभी शादियों का नियमित लेखा-जोखा रखेंगे। रजिस्टर में किसी भी विवाह को दर्ज करने से पूर्व मुखिया एवं पंचायत सचिव यह सुनिश्चित करेंगे कि संबंधित विवाह बाल विवाह की श्रेणी में नहीं आता है, इसके बाद ही उसे अंकित किया जाएगा।

उपायुक्त श्री सिन्हा ने कहा कि यदि विगत एक वर्ष में किसी पंचायत में किसी भी प्रकार का बाल विवाह नहीं होता है, तो उस पंचायत के मुखिया एवं पंचायत सचिव को विशेष रूप से सम्मानित किया जाएगा।

उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि बाल विवाह कराने वाले माता-पिता सहित इसमें शामिल सभी लोगों के लिए सख्त सजा का प्रावधान है। बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम के तहत दोषी पाए जाने पर 2 वर्ष तक की सजा एवं ₹1,00,000 तक के जुमार्ने का प्रावधान है।

एस्कॉर्ट सर्विस के नाम पर साइबर ठगी

संवाददाता

हजारीबाग : इस छोटे शहर में भी एस्कॉर्ट सर्विस के नाम पर साइबर ठगी का धंधा चल रहा था। हजारीबाग के ही बरकट्ठा के रहने वाले चार ऐसे साइबर अपराधी को पुलिस ने गिरफ्तार किया है।

लंबे समय बाद पुलिस ने खुलेआम वेबसाइट का निर्माण कर एस्कॉर्ट सर्विस के नाम पर की जा रही ऑनलाइन ठगी और ब्लैकमेलिंग करने वालों के खिलाफ विशेष अभियान चलाकर पुलिस ने सक्रिय साइबर गिरोह का पदार्फाश किया है। गुप्त सूचना के आधार पर की गई कार्रवाई में मुफस्सिल थाना क्षेत्र के नूतन नगर इलाके से चार साइबर अपराधियों को गिरफ्तार किया गया है।

हजारीबाग एसपी अंजनी अंजन ने जानकारी देते हुए बताया कि आरोपी फर्जी वेबसाइटों और विभिन्न मोबाइल नंबरों के माध्यम से एस्कॉर्ट सर्विस का विज्ञापन कर लोगों को झांसे में लेते थे। संपर्क करने पर पीड़ितों से बुकिंग के नाम पर

यूपीआई व अन्य डिजिटल भुगतान माध्यमों से रुपये की ठगी की जाती थी। कई मामलों में पीड़ितों को ब्लैकमेल भी किया जाता था।इसकी सूचना मिलते ही पुलिस अधीक्षक हजारीबाग के निर्देश पर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी सदर के नेतृत्व में मुफस्सिल थाना पुलिस की एक विशेष टीम गठित की गई। छापेमारी के दौरान चार युवक संदिग्ध गतिविधियों में लिप्त पाए गए, जो पुलिस को देखकर भागने लगे। लेकिन टीम ने तत्परता दिखाते हुए सभी को गिरफ्तार कर लिया।गिरफ्तार आरोपियों में विवेक कुमार उम्र लगभग 22 वर्ष, बादल मंडल, दीपक मंडल उम्र लगभग 24 वर्ष और शेखर कुमार लगभग उम्र 21 वर्ष शामिल है। सभी आरोपी बरकट्ठा थाना जिला हजारीबाग के निवासी हैं।

इस प्रेस वार्ता के दौरान एसपी ने जानकारी दी कि आरोपित पकड़े जाने से बचने के लिए ठगी के पैसे किराए के खाते में मंगाते थे। पुलिस ने इनके पास से विभिन्न बैंकों के 12 एटीएम, 9 सिमकार्ड, पांच पैनकार्ड सहित अन्य दस्तावेज बरामद किया है।एसपी ने बताया कि छापेमारी के दौरान आरोपियों के पास से कई मोबाइल फोन, सिम कार्ड, विभिन्न बैंकों के डेबिट कार्ड, पैन कार्ड एवं साइबर अपराध से जुड़े डिजिटल साक्ष्य बरामद किए गए हैं।

धनबाद में संदिग्ध स्थिति में युवक की मौत, नाले में मिला शव

संवाददाता

धनबाद : झरिया के जोड़ापोखर थाना क्षेत्र के डुमरी दो नंबर में शुक्रवार को नाले से 42 वर्षीय संतोष शर्मा का शव बरामद हुआ है। संतोष स्थानीय डुमरी मोड़ पर एसटीडी बूथ और फोटो फ्रेमिंग की दुकान चलाता था। शव मिलने की खबर से पूरे इलाके में सनसनी फैल गई। मौके पर पहुंचे स्थानीय लोगों ने तुरंत पुलिस को मामले की सूचना दी। जानकारी मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को नाले से बाहर निकालकर पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया है।

मृतक की पत्नी और आसपास के लोगों के मुताबिक संतोष शर्मा ने गुरुवार रात 8 बजे अपनी पत्नी से मोबाइल पर बातचीत की थी।उसने फोन पर कहा था कि खाना तैयार रखना, जल्द ही वापस घर लौट आएगा। पत्नी रात भर इंतजार करती रही, लेकिन वह घर नहीं लौटा।अगले दिन शुक्रवार की सुबह संतोष शर्मा का शव नाले में पड़ा मिला।

मृतक के शरीर पर चोट के गंभीर निशान मिलने से परिजनों और ग्रामीणों ने हत्या की आशंका जताई है। वहीं, पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए दो स्थानीय युवकों को थाने लाकर पूछताछ कर रही है। स्थानीय महिला रंजू देवी ने कहा कि संतोष शर्मा का व्यवहार काफी अच्छा था। किसी से उसका कोई भी विवाद नहीं था। सुबह नाले में एक शव पड़ा मिला। उन्होंने संतोष शर्मा की हत्या की आशंका जताई है और पुलिस प्रशासन से घटना का जल्द से जल्द उद्भेदन करने की मांग की है।

मामले का जल्द खुलासा होगाः एसडीपीओ

वहीं, इस संबंध में सिंदरी एसडीपीओ आशुतोष कुमार सत्यम ने कहा कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। मामले की छानबीन की जा रही है। स्थानीय दो युवकों को संदेह के आधार पर थाना लाया गया है। दोनों युवकों से पूछताछ की जा रही है। एसडीपीओ ने जल्द ही मामले का खुलासा करने का दावा किया है।

सौरभ प्रामाणिक की 'राष्ट्र माता' ने छेड़ी नई वैचारिक बहस

संवाददाता

चांडिल : भारतीय कला के इतिहास में 120 साल पहले जो स्थान अवनींद्रनाथ टैगोर की 'भारत माता' ने बनाया था, आज उसी विरासत को एक नया वैचारिक आयाम झारखंड के एक युवा कलाकार ने दिया है। चांडिल प्रखंड के चैनपुर गांव के कलाकार सौरभ प्रामाणिक ने अपनी नवीनतम कृति 'राष्ट्र माता' के जरिए राष्ट्रीय चेतना को पहली बार 'अमूर्त' स्वरूप में पेश कर कला जगत को चौंका दिया है।

परंपरा से आधुनिकता का सफर

अब तक भारतीय कला में राष्ट्र को मानवीय रूप (स्त्री स्वरूप) में ही देखा गया है, लेकिन सौरभ ने इस रूढ़ि को तोड़ते हुए देश की शक्ति और सिद्धांतों को प्रतीकों के जरिए दशार्या है। यह पेंटिंग किसी चेहरे या शरीर की मोहताज नहीं है, बल्कि यह भावनाओं और दार्शनिक सिद्धांतों का एक ऊर्जा पुंज है।

रंगों का अनूठा विज्ञान

इस पेंटिंग की सबसे बड़ी विशेषता इसका रंग-संयोजन है। सौरभ ने तिरंगे के केसरिया, सफेद और हरे रंग को सीधे तौर पर इस्तेमाल न करके, उन रंगों को बनाने वाले मूल आधार रंगों (पीला, लाल, नीला) का उपयोग किया है।

* श्वेत स्तंभः केंद्र में स्थित सफेद साड़ी में लिपटा स्तंभ राष्ट्र की अखंडता और त्याग का प्रतीक है।

* ऊर्जा तरंगेंः पीला, लाल और नीला रंग

ज्ञान, बलिदान और स्थिरता की ऊर्जा को दशार्ते हैं।

* जड़ें और कमलः पेंटिंग के निचले हिस्से में गहरी जड़ें भारत की प्राचीन विरासत और कमल राष्ट्र की खिलती हुई आशाओं का प्रतिनिधित्व करते हैं।

सौरभ प्रामाणिक ने कहा कि मेरा उद्देश्य राष्ट्र को केवल एक छवि में सीमित करना नहीं था, बल्कि उस अदृश्य शक्ति को चित्रित करना था जो हमें एक सूत्र में बांधती है। 'राष्ट्र माता' एक विचार है, जो शाश्वत है।

ऐतिहासिक पहल

कला समीक्षकों का मानना है कि 'राष्ट्र माता' का यह अमूर्त चित्रण आधुनिक भारतीय कला में एक मील का पत्थर साबित होगा। जहाँ बाघ की धारियां राष्ट्र की अदम्य शक्ति को दिखाती हैं, वहीं अशोक चक्र धर्म और नियम की अटल प्रधानता को रेखांकित करता है। यह पेंटिंग न केवल चांडिल बल्कि पूरे झारखंड के लिए गौरव का विषय है।

भारत स्काउट्स एवं गाइड्स का गणतंत्र दिवस पर करेगा समारोह का आयोजन

संवाददाता

दुमका : भारत स्काउट्स एवं गाइड्स, दुमका संस्था द्वारा 26 जनवरी 2025 को यज्ञ मैदान में गणतंत्र दिवस समारोह का आयोजन किया जाएगा। गणतंत्र दिवस के सफल आयोजन के लिए जिला शिक्षा पदाधिकारी भूतनाथ रजवार के आदेशानुसार शुक्रवार को श्रीराम कृष्ण आश्रम उच्च विद्यालय, दुमका में भारत स्काउट्स एवं गाइड्स के वरीय उपसभापति दिवाकर महतो की अध्यक्षता में दुमका जिला के विद्यालय प्रधान, स्काउट मास्टर, गाइड कैप्टन एवं भारत स्काउट्स एवं गाइड्स के पदाधिकारियों की एक बैठक का आयोजन शुक्रवार को किया गया। बैठक में उपस्थित विद्यालय प्रधान एवं स्काउट गाइड के पदाधिकारियों को सम्बोधित करते हुए उपसभापति दिवाकर महतो ने कहा कि हर वर्ष के भांति इस वर्ष भी भारत स्काउट्स एवं गाइड्स दुमका संस्था द्वारा गणतंत्र दिवस धूमधाम से मनाया जाएगा। जिला मुख्य आयुक्त हरिश्चंद्र चौधरी ने कहा कि गणतंत्र दिवस को धूमधाम से मनाने के लिए सभी की सक्रिय सहभागिता जरूरी है। प्रभारी प्राचार्य अशोक कुमार यादव ने कहा कि भारत स्काउट्स एवं गाइड्स का कार्यक्रम बहुत ही अनुशासित एवं आकर्षक होता है। मौके पर उपस्थित जिला स्कूल के पूर्व प्रभारी प्राचार्य डॉ0 दिलीप कुमार झा ने कहा कि सभी के सहयोग से कार्यक्रम बहुत ही आकर्षक एवं सफल होगा। जिला सचिव विजय कुमार दूबे ने बताया कि भारत स्काउट्स एवं

गाइड्स संस्था द्वारा इस वर्ष यज्ञ मैदान में गणतंत्र दिवस समारोह मनाया जाएगा। कहा कि मुख्य अतिथि द्वारा 26 जनवरी 2026 को 11:45 पूर्वाहन में राष्ट्रीय धवज को फहराया जाएगा एवं विशिष्ट अतिथि द्वारा भारत स्काउट गाइड ध्वज को फहराया जाएगा।आये हुए अतिथियों का स्वागत प्रभारी प्राचार्य अशोक कुमार साह ने किया। धन्यवाद ज्ञापन जिला संगठन आयुक्त अपरेश कुमार ने किया। मौके पर डॉ0 दिलीप कुमार झा, संजीत चौधारी, पावना कुमार,मिश्रा,तारकेश्वर साह, अपरेश कुमार,मणिकांत यादव, विभा कुमारी, शिवराम सिमोन टुडू, प्रीतम मराण्डी,कुसुम बास्की, बब्बन कुमार, शम्भू नाथ मिश्रा, अनुराग नन्दन, गुलशन विश्वकर्मा, हरिमोहन, तुषार कुमार एवं अनुराग कुमार साह के अलावे विभन्न विद्यालयों से आये हुए विद्यालय प्रधान एवं भारत स्काउट्स एवं गाइड्स के पदाधिकारी उपस्थित थे।